संसेक्स	~	82,184.17
निफ्टी	~	25,062.10
सोना	~	1,00,970
चांदी	~	1,18,000
डॉलर	~	86.40

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शनिवार 26 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 301
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा....फिर बिरला ने बुलाई बैठक

मानसून सत्र के पांचवें दिन बिहार वोटर वेरिफिकेशन को लेकर विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर मकर द्वार तक पैदल मार्च निकाला...

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पांचवें दिन विपक्ष ने बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर मकर द्वार (नए संसद भवन का एंट्री गेट) तक पैदल मार्च निकाला। इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खडग़े भी शामिल हुए। मकर द्वार पहुंचने पर राहुल-प्रियंका सहित विपक्ष के सांसदों ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन लिखे पोस्टर फाड़े। उन्हें प्रतीकात्मक डस्टबिन में डाला। साथ ही मोदी सरकार हाय-हाय के नारे लगाए। लोकसभा में भी विपक्ष ने नारेबाजी की। सदन में करीब 20 मिनट ही कार्यवाही चल पाई। स्पीकर ओम बिरला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। 28 जुलाई से सदन सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बन गई है। इसी दिन ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा होगी। राज्यसभा के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा, वे (केंद्र) गरीबों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं और केवल एलीट क्लास को वोट देने देना चाहते हैं... वे (केंद्र सरकार) संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। एसआईआर के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

मानसून सत्र में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी और विरोध के बीच निचले सदन की कार्यवाही शुक्रवार को भी स्थगित कर दी गई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई और सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। बैठक के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर एक सत्र आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। इससे पहले आज सुबह राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। उच्च सदन की बैठक अब सोमवार सुबह 11 बजे होगी, जबकि लोकसभा दोपहर 2 बजे फिर से शुरू होगी। सोमवार से सदन सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बन गई है। इसी दिन ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा होगी। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद में प्रश्नकाल, चर्चा और संवाद को जारी रखने की अपील की और कहा कि सभी सांसदों को संसदीय मर्यादा का पालन करते हुए जनहित के मुद्दों पर बहस करनी चाहिए। विपक्षी सांसद बिहार में चल रही विशेष तीव्र पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले की जा रही यह प्रक्रिया जन प्रतिनिधित्व के अधिकार पर हमला है। विपक्ष का कहना है कि इस प्रक्रिया के जरिए लाखों मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाया जा रहा है, जो संविधान और लोकतंत्र पर जानबूझकर किया गया हमला है।

विपक्ष के विरोध से भड़के ओम बिरला

शुक्रवार को जब विपक्षी सदस्य तख्तियां लिए सदन के वेल में आ गए तो ओम बिरला ने कहा कि विरोध दर्ज करने का एक तरीका होता है। अगर आप संसद नहीं चलाना चाहते हैं... तो सदन की कार्यवाही दोपहर 2ः00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। लोकसभा स्थगित करने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों से निचले सदन को सामान्य रूप से चलने देने का आग्रह किया और बैनरों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह गतिरोध ठीक नहीं है। गतिरोध समाप्त करने के लिए चर्चा होगी। सरकार के प्रतिनिधि भी होंगे... अगर कोई असहमति है, तो उसे सदन के नियमों के अनुसार व्यक्त किया जाना चाहिए। इससे पहले दिन में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने बिहार में 52 लाख मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किए जाने के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया था। उन्होंने इसे मोदी सरकार द्वारा चुनाव आयोग का उपयोग कर संविधान और लोकतंत्र पर सुनियोजित हमला बताया। 21 जुलाई को शुरू होने के बाद से संसद की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो रही है। कल विपक्ष के हंगामे के बीच संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई थी।

राहुल-प्रियंका ने फाड़े एसआईआर पोस्टर, डस्टबिन में डाला

संसद के मानसून सत्र के पांचवें दिन विपक्ष ने बिहार में चल रहे स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन (एसआईआर) यानी वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए।

एसआईआर के विरोध में विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर नए संसद भवन के मकर द्वार तक पैदल मार्च निकाला। मार्च के अंत में मकर द्वार पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने एसआईआर लिखे पोस्टरों को फाड़कर प्रतीकात्मक डस्टबिन में डाल दिया। इस दौरान मोदी सरकार हाय-हाय के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, कि हम बिहार में चल रही वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया के खिलाफ लड़ रहे हैं, क्योंकि यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। ये लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता।

खास खबर

उपराष्ट्रपति सचिवालय बंद

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के तीन दिन बाद ही उनके सचिवालय को बंद कर दिया गया और उनके साथ काम करने वाले कई सरकारी अधिकारियों को उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया। दो अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपराष्ट्रपति भवन के किसी भी कमरे को सील नहीं किया गया है। नवनिर्मित उपराष्ट्रपति भवन में सचिवालय के लिए एक अलग विंग है, जहां से एक-एक करके अधिकारी चले गए और इसे बंद कर दिया गया है। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में अब केवल कुछ ही सरकारी अधिकारी मौजूद हैं और वे भी अपने मूल कैडर में लौटने के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि, 卐यहां अब मुश्किल से कुछ ही अधिकारी हैं, बाकी सभी जा चुके हैं। सचिवालय के अलग बने विंग को एक-एक करके खाली किया गया और अब वह लॉक कर दिया गया है। चाबियां दो अवर सचिवों को सौंप दी गई हैं।

अश्लील और आपत्तिजनक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मोदी सरकार की स्ट्राइक

नई दिल्ली। केंद्र की सरकार ने शुक्रवार को अश्लील कंटेंट प्रसारित करने वाले 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रोक लगा दी। मोदी सरकार का कहना है कि ये एप्स एंटरटेनमेंट के नाम पर अश्लील और आपत्तिजनक वीडियो पेश कर रहे थे। जो कि समाज के लिए ठीक नहीं है। मोदी सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (आईएसपी) को इन ओटीटी एप्स-वेबसाइट्स को ब्लॉक करने को कह दिया है। बैन एप्स में एएलटीटी, उल्लू, देशी फ्लिक्स जैसे मशहूर प्लेटफॉर्म भी हैं। एएलटीटी एप अप्रैल 2017 में फिल्म और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर ने लांच किया था। वहीं उल्लू एप को आईआईटी कानपुर से ग्रेजुएट विभु अग्रवाल ने 2018 में बनाया था। इससे पहले मार्च 2023 में सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया था साथ ही 19 वेबसाइट्स, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए थे। आईटी एक्ट, 2000 (धारा 67)- इंटरनेट पर अश्लील कंटेंट प्रकाशित या फैलाना कानूनी अपराध है। आईटी एक्ट, 2000 (धारा 67ए)- इंटरनेट पर सेक्सुअल गतिविधियों से जुड़ा वीडियो या कंटेंट पोस्ट करना गैरकानूनी है। वहीं बीएनएस 2023 (धारा 294)- सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करना या गंदे शब्दों का इस्तेमाल करना दंडनीय अपराध है। महिलाओं के अश्लील (निषेध) एक्ट 1986 (धारा 4)- किसी भी माध्यम से महिलाओं को अश्लील या अपमानजनक रूप में दिखाना कानूनी अपराध है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा...

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। देश की सैन्य तैयारियों के पहलू पर उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। तैयारियां ऐसी हों जिसमें हम चौबीसों घंटे और 365 दिन मुस्तैद रहें। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी के दौरान सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध के उभरते परिदृश्य में, भविष्य के सैनिक को सूचना और तकनीक के साथ साथ युद्ध कौशल के ऐसे मिश्रण से लैस होना चाहिए जो वॉरियर की तरह हो। उन्होंने कहा कि सेना के लिए शस्त्र (युद्ध) और शास्त्र (ज्ञान) दोनों सीखना आवश्यक है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने आधुनिक युद्ध की बदलती रणनीतियों पर भी कई बाते कही। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाइयां पारंपरिक सीमाओं में नहीं सिमटी हैं, बल्कि वे पारदर्शी, तीव्र, बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी रूप से बेहद जटिल हो गई हैं। उन्होंने इसे तीसरी सैन्य क्रांति करार दिया और कहा कि आज का युद्ध केवल बंदूक और टैंक तक सीमित नहीं रह गया है।

युद्ध के तीन स्तरों में दक्षता जरूरी

सीडीएस चौहान के मुताबिक, आज के योद्धा को सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तरों पर एक साथ दक्ष होना होगा। उन्हें थल, जल, वायु के साथ-साथ साइबर और कॉग्निटिव वॉरफेयर जैसे नए युद्धक्षेत्रों में भी सक्षम होना पड़ेगा। यह एक ऐसा युग है जहां एक ड्रोन हमला, साइबर अटैक, नैरेटिव वॉर और अंतरिक्ष में बाधा एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं।

कन्वर्जेंस वॉरफेयर का जिक्र

जनरल चौहान ने कन्वर्जेंस वॉरफेयर शब्द का प्रयोग करते हुए कहा कि आज काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक (यानि पारंपरिक और डिजिटल) युद्ध एक-दूसरे में घुलमिल रहे हैं। पहली और दूसरी पीढ़ी के युद्ध आज तीसरी पीढ़ी के साइबर और एआई आधारित युद्ध के साथ सम्मिलित हो चुके हैं।

हाइब्रिड वॉरियर की परिकल्पना

सीडीएस ने आगे बताया कि ने कहा कि भविष्य में हमें ऐसे हाइब्रिड वॉरियर की आवश्यकता होगी जो बॉर्डर पर लड़ सके, रेगिस्तान में रणनीति बना सके, शहरों में काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन चला सके, ड्रोन को निष्क्रिय कर सके, साइबर हमलों का जवाब दे सके और प्रभावशाली सूचना अभियान भी चला सके।

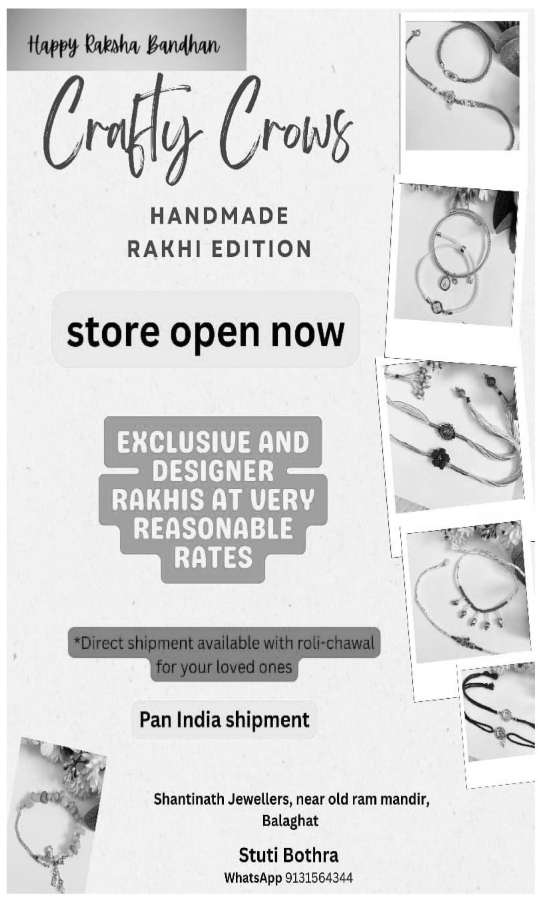

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को समन पर रोक का अंतरिम आदेश बरकरार रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज एक आपराधिक मामले में समन पर लगी रोक को फिलहाल जारी रखा है। यह मामला 2022 में विनायक दामोदर सावरकर पर राहुल गांधी की कथित विवादास्पद टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए समन पर रोक को आगे भी बरकरार रखने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है।

झालावाड़ में गिरी स्कूल की छत, 5 बच्चों की मौत, 60 मलबे के नीचे दबे

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक स्कूल की छत गिरने से कई बच्चों के फंसे होने की आशंका है। हादसे के बाद मलबे के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। वहीं 5 बच्चों मौत हो गई। सरकारी स्कूल की बिल्डिंग की छत भरभराकर गिर गई, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्कूल के करीब 60 बच्चे इस हादसे में मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय ग्रामीणों ने जेसीबी की मदद से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दुर्घटना में अब तक 5 बच्चों की मौत हुई है, हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

यह हादसा उस समय हुआ जब स्कूल में सुबह की प्रार्थना सभा चल रही थी। उसी दौरान अचानक बिल्डिंग की छत भरभरा कर गिर गई। कई छात्र मलबे के नीचे दब गए। झालावाड़ के पीपलोदी गांव में इस दुर्घटना के होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिना देर किए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। इस मामले में विधायक गोविंद रानीपुरिया का कहना है कि पीपलोदी के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में हादसे की सूचना मिली है। मैं अभी जयपुर से झालावाड़ के लिए रवाना हुआ हूं। फिलहाल राहत और बचाव कार्य चल रहा है। स्कूल का भवन जर्जर हो चुका था तो वहां के कर्मचारियों को सरकार को अवगत कराना चाहिए था।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का कार्य शुरू किया। अभी भी कई बच्चों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। मलबे से निकाले गए घायल बच्चों को मनोहरथाना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय चिकित्सकों की टीम बच्चों को प्राथमिक उपचार दे रही है। कुछ गंभीर घायल बच्चों को मनोहरथाना के सरकारी अस्पताल से झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

चुनाव आयोग ने शुरू की उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी

रिटर्निंग और दो सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

नई दिल्ली। भारत के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 की तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को आयोग ने चुनाव से जुड़ी अहम प्रक्रिया शुरू करते हुए रिटर्निंग अधिकारी और दो सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। निर्वाचन आयोग ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर बताया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उपराष्ट्रपति पद का चुनाव कराना आयोग की जिम्मेदारी है। यह चुनाव राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम, 1952 और राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन नियम, 1974 के मुताबिक होगा।

इस नियम के तहत, केंद्र सरकार से परामर्श कर आयोग एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त करता है, जिसका कार्यालय नई दिल्ली में होता है। परंपरा के अनुसार, लोकसभा और राज्यसभा के महासचिवों को बारी-बारी से यह जिम्मेदारी दी जाती है। चूंकि पिछली बार लोकसभा महासचिव को यह जिम्मेदारी दी गई थी,इसलिए इस बार राज्यसभा के महासचिव को रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही राज्यसभा सचिवालय की संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया में सहयोग मिल सके। आयोग ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक राजपत्र अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 22 जुलाई 2025 को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे पत्र में कहा था कि वे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। अगले दिन राष्ट्रपति मुर्मु ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। अब नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है और जल्द ही निर्वाचन तारीख की घोषणा भी की संभावना है।

बालाघाट में 26 जुलाई से 05 अगस्त तक नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप का आयोजन

प्रभारी मंत्री करेंगे प्रतियोगिता का शुभारंभ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला फुटबाल एसोसिएशन बालाघाट द्वारा आगामी 26 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक बालाघाट में जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप बीसी राय ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के 16 राज्यों की टीम शामिल होने जा रही है। मप्र शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह 26 जुलाई को दोपहर 01:30 बजे मुलना स्टेडियम ग्राउंड में इस प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता की आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश रंगलानी, अभय सेठिया, श्रीमती लता एलकर, महेंद्र सुराना, संयोजक तपेश असाटी, सचिव सुनील यादव, गणेश अग्रवाल, आशीष मिश्रा, गोपाल आडवाणी ने इस आयोजन को लेकर पत्रकारवार्ता की है और विस्तृत जानकारी दी है। जिसमें बताया गया कि जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप बीसी राय ट्रॉफी 2025-26 के मैच मुलना स्टेडियम, रेंजर कॉलेज ग्राउंड, पुलिस लाईन मैदान एवं ग्राम निलजी के मैदान में आयोजित होंगे। टीमों की प्रेक्टिस के लिए सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल मैदान, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान को चिन्हित किया गया है। 26 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाली

16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों की इस राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता में हरियाणा, आसाम, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, अण्डमान निकोबार, आंध्रप्रदेश, पाण्डिचेरी, मध्यप्रदेश एवं गुजरात की टीम आ रही है। ग्रुप-ए के अंतर्गत रेंजर कॉलेज ग्राउंड में 26 जुलाई को प्रात: 09 बजे त्रिपुरा व उत्तरप्रदेश तथा दोपहर 03 बजे से अण्डमान निकोबार व हिमाचल प्रदेश का मैच खेला जाएगा। 28 जुलाई को प्रातः 09 बजे से उत्तरप्रदेश व अण्डमान निकोबार तथा दोपहर 03 बजे से हिमाचल प्रदेश व त्रिपुरा का मैच खेला जाएगा। 30 जुलाई को प्रातः 09 बजे से त्रिपुरा व अण्डमान निकोबार तथा दोपहर 03 बजे से हिमाचल प्रदेश व उत्तरप्रदेश का मैच खेला जाएगा। ग्रुंप-बी के अंतर्गत रेंजर कॉलेज ग्राउंड में 27 जुलाई को प्रातः 09 बजे हरियाणा व जम्मू कश्मीर तथा दोपहर 03 बजे से आसाम व राजस्थान का मैच खेला जाएगा। 29 जुलाई को प्रातः 09 बजे से जम्मू कश्मीर व आसाम तथा दोपहर 03 बजे से राजस्थान व हरियाणा का मैच खेला जाएगा। 31 जुलाई को प्रातः 09 बजे से हरियाणा व आसाम तथा दोपहर 03 बजे से राजस्थान व जम्मू कश्मीर का मैच खेला जाएगा। ग्रुप-सी के अंतर्गत 26 जुलाई को प्रातः 09 बजे आंध्रपेदश व पाण्डिचेरी का मैच पुलिस लाईन ग्राउंड तथा दोपहर 03 बजे से गुजरात व मध्यप्रदेश का मैच मुलना स्टेडियम ग्राउंड में खेला जाएगा। 28 जुलाई को प्रातः 09 बजे से पाण्डिचेरी व गुजरात का मैच पुलिस लाईन ग्राउंड तथा दोपहर 03 बजे से मध्यप्रदेश व आंध्रप्रदेश का मैच मुलना स्टेडियम ग्राउंड पर खेला जाएगा। 30 जुलाई को प्रातः 09 बजे से आंध्रप्रदेश व गुजरात का मैच पुलिस लाईन ग्राउंड तथा दोपहर 03 बजे से मध्यप्रदेश व पाण्डिचेरी का मैच मुलना स्टेडियम ग्राउंड में खेला जाएगा। ग्रुप-डी के अंतर्गत 27 जुलाई को प्रातः 09 बजे से बिहार व सिक्किम का मैच पुलिस लाईन ग्राउंड तथा दोपहर 03 बजे से अरूणाचल प्रदेश व उत्तराखंड का मैच निलजी के ग्राउंड पर खेला जाएगा। 29 जुलाई को पुलिस लाईन ग्राउंड पर प्रातः 09 बजे से सिक्किम व अरूणाचल प्रदेश तथा दोपहर 03 बजे से उत्तराखंड व बिहार का मैच खेला जाएगा। 31 जुलाई को प्रातः 09 बजे से बिहार व अरूणाचल प्रदेश का मैच पुलिस लाईन ग्राउंड तथा दोपहर 03 बजे से उत्तराखंड व सिक्किम का मैच निलजी के ग्राउंड पर खेला जाएगा।

48 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी बालाघाट से गृह जिला मंडला स्थानांतरित

7 उपनिरीक्षक,12 सहायक उपनिरीक्षक 3 प्रधान आरक्षक,26 आरक्षक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश अनुसार जिला पुलिस बल बालाघाट से 7 कार्यवाहक उप निरीक्षक, 12 कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक तीन कार्यवाहक प्रधान आरक्षक और 26 आरक्षक को उनके गृह जिला मंडला स्थानांतरित कर दिया गया और सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी कार्य मुक्त भी कर दिये गये है। जिला पुलिस बल बालाघाट से जिला मंडला स्थानांतरित किए गए पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों में 7 कार्यवाहक उप निरीक्षक जिनमे प्रीत कुमार पांडेय, कमलेश कुमार बैरागी, रामेश्वर प्रसाद शुक्ला, राजकुमार झारिया, रूपराम झारिया,राजेश पटेल, नागेंद्र पटेल, ।12 कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक जिनमे भगन लाल पन्द्रों, अभय कुमार बसंत, सरोज चौधरी, मुकेश श्रीवास, नीरज कुमार मिश्रा, सुरेश सिंह राजपूत, जगदीश झारिया, रमेश पटेल ,चंद्र कुमार अहिरवार, कमल दास परवार, मन्नू लाल पन्द्रे। 3 प्रधान आरक्षक में अशवंत कुमार सोनवानी, कमलेश श्रीवास, गुरुचरण पन्द्रों, धरमसिह मार्को और 26 आरक्षकों में हितेश कुमार पटेल, ओमप्रकाश मरकाम, संदीप पुसाम, अरुण मिश्रा, चंद्रभान रघुवंशी, तारेंद्र कुमार पन्द्रों, जाहिद हुसैन, अजय झारिया, धर्मेंद्र कुमार सिंगोर, जोगेंद्र तेकाम, भीखमसिह परते ,रमाकांत कुमरे, चंद्रभान मरावी, श्रीचंद मरावी, संजय वरकडे, रागिनी भलावी ,ब्रजकिशोर कुर्वेती, मनीजर मरकाम, प्रकाश जंघेला, अजय परस्ते, राम प्रसाद धुर्वे, सुरेंद्र पन्द्रों,भोजराम मरकाम, दुर्गेश भलावी, पवन कुमार धुर्वे और विवेक सिंह को बालाघाट से उनके गृह जिला मंडला स्थानांतरित किया गया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त भी कर दिया गया है।

बीमारी से परेशान व्यक्ति ने स्वयं के गले में चलाई चाकू- हालत गंभीर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर में एक व्यक्ति ने केंसर और टी बी की बीमारी के मानसिक तनाव में आकर चाकू से स्वयं का गला काट लिया । गला काटने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति अरुण पिता रामेश्वर बगरती 38 वर्ष को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण बगरती 6 भाई 5 बहन है ।जिनमें तीन भाई और तीन बहन की शादी हो चुकी है। अरुण बगरती ऑटो मैकेनिक है और उसके के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं ।अरुण बगरती तंबाकू गुटखा का सेवन करता था जिसके कारण उसके मुंह में कैंसर हो गया था। दो माह पहले ही रायपुर में अरुण बगरती के मुंह का ऑपरेशन हुआ था। और वह इन दिनों घर में रहता था। कुछ दिन पहले अरुण बगरती को मालूम हुआ कि उसे टी बी भी हो गई है। जिसने अपना इलाज जिला अस्पताल में करवाया था और इलाज चालू था ।इसी दो बीमारी के कारण अरुण बगरती मानसिक तनाव में चल रहा था। 25 जुलाई को दोपहर 3:30 बजे करीब अरुण बगरती अपने घर में था ।तभी अरुण बगरती ने मानसिक तनाव में आकर घर में रखे सब्जी काटने का चाकू अपने गले में चला लिया ।उस समय घर में उसकी पत्नी पिता और थे खबर मिलते ही परिवार के अन्य लोग भी पहुंचे चाकू के वार से अरुण बगरती गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अरुण बगरती को उसके परिजनों ने उपचार हेतु गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किये हैं। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने अरुण बगरती के भाई प्रवीण बगरती का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

26 जुलाई को होगी झांगुल एवं गुदमा के सरपंच के मतों की गणना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप चुनाव के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जुलाई को परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत झांगुल एवं गुदमा में सरपंच के निर्वाचन के लिए दोपहर 03 बजे तक मतदान कराया गया है। मतदाताओं द्वारा डाले गए मतों की गणना 26 जुलाई को विकासखंड मुख्यालय परसवाड़ा में प्रात: 08 बजे से की जायेगी। मतगणना के पश्चात सरपंच प्रत्याशियों को प्राप्त मतों की जानकारी दी जाएगी। झांगुल एवं गुदमा पंचायत में सरपंच पद के लिए 02-02 प्रत्याशी चुनाव मैदान मे है। सरपंच के निर्वाचन के लिए ईव्हीएम से मतदान कराया गया है।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सेक्टर क्रमांक ३ वारासिवनी में हरियाली अमावस्या के अवसर पर नवांकुर सखी. हरियाली यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र के सामने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया गया। निरंजन बिसेन ने कहा कि नारी शक्ति को महत्व देना हरियाली यात्रा कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। सरकार ने महिलाओं के महत्व को समझते हुए यह कार्यक्रम चलाया हैं इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है । सिकन्द्रा सरपंच कन्हैयालाल खैरवार ने कहा कि हमें ऐसे कार्यक्रम चलाना चाहिए और हमें ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों ने कलश यात्रा निकाली एवं पौधे वितरित किए गए । कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के साथ शिव मंदिर में किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन सावित्री राणा के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार अफसा खान के द्वारा किया गया। इस अवसर पर निरंजन बिसेन ,प्रफुल्ल बिसेन , कन्हैयालाल खैरवार,अफ सा खान, शिवदयाल बोपचे ,नामदेव

राऊत,कृष्णा पराते ,थानेन्द्र नगपुरे ,सत्यवती नगपुरे ,कोमेन्द्र बिसेन,लाकेश पारधी ,नारायण बिसेन राजकुमार लिल्हारे ,राकेश मिश्रा ,अंकित बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमरकंटक में देश के सभी राज्यों को मिलेगी ट्रेनिंग

पेसा एक्ट को लेकर भारत सरकार, एमपी सरकार और ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक के बीच हुआ एग्रीमेंट

भोपाल। प्रदेश के ट्राइबल विश्वविद्यालय अमरकंटक में अब देश के उन सभी राज्यों के लोगों को ट्रेनिंग दी जा सकेगी, जहां आदिवासियों के उत्थान के लिए पेसा एक्ट लागू है। इन राज्यों में मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। एमपी में पेसा एक्ट के जरिए 8 हजार से अधिक विवादों का निराकरण चौपाल के माध्यम से किया जा चुका है और इसके लिए थाना, कचहरी के चक्कर काटने से लोगों को निजात मिली है। जनजातीय समुदाय ने प्रदेश में अब तक लगभग 8 हजार से अधिक विवाद के प्रकरणों का चौपाल के माध्यम से निराकरण कर मिसाल पेश की है। इसमें दो भाइयों के बीच, पति-पत्नी, पिता-पुत्र सहित जमीन संबंधी विवाद शामिल हैं। जनजातीय समुदाय के लोगों को छोटे-छोटे विवाद में पुलिस थाने के चक्कर न लगाने पड़ें, वे आपस में बैठकर ही मामले सुलझाएं और उनकी परंपरा-कला-संस्कृति की भी रक्षा हो सके। इसके लिए प्रदेश सरकार ने पेसा अधिनियम लागू किया है। पेसा अधिनियम में मध्यप्रदेश में तीन प्रकार की समितियां काम कर रही है। इसमें शांति और विवाद निवारण समिति, सहयोगिनी मातृ समिति और वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति शामिल हैं। शांति और विवाद निवारण समिति की संख्या 11 हजार 639 है। वन संसाधन योजना और नियंत्रण समिति की संख्या 11 हजार 331 है। सहयोगिनी मातृ निवारण समिति की संख्या 21 हजार 887 है।

5133 ग्राम पंचायतों में है पेसा अधिनियम

प्रदेश के 20 आदिवासी बाहुल्य जिलों के 88 विकासखंड की 5133 ग्राम पंचायतों के 11 हजार 596 ग्रामों में पेसा एक्ट लागू है। वर्तमान में 4850 पेसा मोबलाइजर कार्य कर रहे हैं। पेसा कानून के लागू होने के बाद राज्य में अब तक 11 हजार 538 खाते खोले गए हैं। जिन जिलों में पेसा एक्ट लागू किया गया है, वहां साधारण विवाद समितियों के माध्यम से निपटाए जा रहे हैं। ऐसे विवादों में जिन्हें शामिल किया गया है, उसमें दो भाइयों के बीच विवाद, पति-पत्नी, पिता-पुत्र सहित जमीन संबंधी विवाद शामिल हैं। लोगों को छोटे-छोटे विवाद में पुलिस थाने के चक्कर न लगाने पड़ें, वे आपस में बैठकर ही मामले की सुलझाएं और उनकी परंपरा-कला- संस्कृति की भी रक्षा हो सके, इस पर फोकस किया जा रहा है।

केंद्र के अफसरों ने की सराहना, ट्राई पार्टी एग्रीमेंट हुआ

एमपी में पेसा एक्ट के क्रियान्वयन की केंद्र के अफसरों ने सराहना की है। इसी के चलते पिछले दिनों पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव विवेक भारद्वाज ने एमपी सरकार और ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक के बीच एग्रीमेंट के दौरान कहा कि यह त्रिपक्षीय समझौता अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत?थान के लिए महत्पूर्ण कदम है। विवादों का समाधान करने की जो प्रक्रिया है, उसे बाकी लोगों को भी सीखने की जरूरत है। भारद्वाज ने कहा कि पेसा कानून पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय यूनिवर्सिटी अमरकंटक में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए जो समझौता हुआ है, उस समझौते से मध्यप्रदेश को ही नही सभी 10 पेसा राज्यों को भी फायदा होगा। पेसा (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996) एक्ट के लिए देश में पहली बार ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की जा रही है। इसके पहले राज्य स्तर पर इसकी ट्रेनिंग कराई जाती थी। जनजातीय पंचायतों में आदिवासियों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने पेसा एक्ट लागू किया है। जनजातीय समुदाय में नेतृत्व क्षमता का निर्माण किया जाएगा। पारंपरिक कानूनों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। साथ ही शोध कार्य भी होगा।

एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार यासीन के चौंकाने वाले खुलासे

दो अगस्त को होनी थी हाईप्रोफाइल ड्रग्स पार्टी, हिंदू युवतियां थीं निशाना

भोपाल। राजधानी भोपाल में एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार यासीन और उसके गिरोह से जुड़े खुलासों ने नशे, शोषण और राजनीति के खतरनाक गठजोड़ की परतें उलट दी हैं। आरोपी यासीन भाजपा नेता शरीफ मछली का भतीजा है। उससे पूछताछ में सामने आया है कि वह दो अगस्त को भोपाल के एक बड़े पब में हाईप्रोफाइल ड्रग्स पार्टी आयोजित करने वाला था। इस पार्टी के लिए न केवल भारी मात्रा में ड्रग्स एकत्र किए जा रहे थे, बल्कि सोशल मीडिया पर पेड प्रमोशन के जरिए युवाओं को आमंत्रित भी किया जा रहा था।

हाईप्रोफाइल हिंदू युवतियों को बनाया जाता था निशाना

यासीन ने पूछताछ में कबूल किया है कि वह खासतौर पर संपन्न घरों की हिंदू युवतियों को पहले फ्री में एमडी ड्रग्स, चरस और गांजा देकर उनका नशे की लत में डालता था। जब युवतियां नशे की गिरफ्त में आ जाती थीं, तब उन्हें ड्रग्स के बदले शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जाता था। इन कुकृत्यों के वीडियो बनाए जाते और फिर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण किया जाता था। जानकारी के मुताबिक, लव जिहाद के आरोपियों का ठिकाना रहा क्लब 90 के मैनेजर मोहित बघेल को पुलिस ने हिरासत में लिया है। क्लब 90 में ही फरहान व अन्य आरोपी युवतियों को बुलाकर दोस्ती करते थे और क्लब 90 में बने गुप्त कमरों में घंटों समय बिताते थे।

मोबाइल से मिले अश्लील और हिंसक वीडियो

पुलिस ने यासीन के मोबाइल से कई युवतियों के साथ हुए शारीरिक शोषण, मारपीट और यौन हिंसा के वीडियो बरामद किए हैं। इनमें से कुछ वीडियो में युवतियों के गुप्तांगों पर बेरहमी से हमला किया गया है। हालांकि अब तक किसी भी पीड़िता ने आधिकारिक रूप से दुष्कर्म की शिकायत नहीं की है, लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि यदि वे सामने आती हैं तो एक दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज की जा सकती हैं।

ड्रग्स तस्कर के रिश्तेदारों के पुलिस अफसरों से संबंध

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने सोशल मीडिया पर ड्रग्स तस्कर के चाचा सोहेल मछली की महिला पुलिस अधिकारियों और अन्य अफसरों के साथ तस्वीरें साझा करते हुए भोपाल पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरोह का पुलिस से घनिष्ठ रिश्ता निष्पक्ष जांच पर संदेह पैदा करता है। कानूनगो ने डीजीपी और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सभी संबंधित अधिकारियों को हटाने की मांग की है। कानूनगो ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि भोपाल का आपराधिक तानाबाना समझिए, स्कूल-कॉलेज की हिंदू लड़कियों को ड्रग्स की लत लगवाकर, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण और धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जा रहा है।

आरोपियों से भाजपा नेताओं की नजदीकी पर कांग्रेस का हमला

यासीन और उसके चाचा शाहवर तथा सोहेल के भाजपा नेताओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रवक्ता केके मिश्रा ने भाजपा की 'नशा से दूरी है जरूरी' योजना को ढकोसला करार देते हुए कहा है कि सरकार खुद नशा तस्करों की संरक्षक बन चुकी है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि जिस ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है, वह केवल आपराधिक मामला नहीं बल्कि एक गहरी साजिश है जिसमें राजनीतिक संरक्षण, धार्मिक कट्टरता और लैंगिक हिंसा का घिनौना मेल है।

भोपाल पुलिस पर फिर उठे सवाल

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग पहले ही इस मामले में भोपाल पुलिस की जांच को अपर्याप्त बताते हुए रिपोर्ट दे चुका है। अब नए वीडियो, राजनीतिक रिश्तों और पुलिस अधिकारियों से संपर्क उजागर होने के बाद जांच की निष्पक्षता को लेकर फिर बहस छिड़ गई है।

भोपाल रियासत के नवाब हमीदुल्ला देशभक्त नहीं, गद्दार था

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में शुक्रवार को मॉडर्न एमआरआई और सीटी स्कैन यूनिट की शुरुआत हुई। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने हमीदिया अस्पताल का नाम बदलने की मांग करते हुए कहा, भोपाल रियासत के नवाब हमीदुल्ला ने भारतीयों पर गोली चलवाई थी। वह देशभक्त नहीं, गद्दार था। ऐसे व्यक्ति के नाम पर कोई भी इमारत या संस्थान नहीं रहना चाहिए। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने भोपाल नवाब को गद्दार बताते हुए उसके नाम से पहचानी जाने वाली सभी जगहों के नाम बदलने की बात कही। उन्होंने कहा कि नवाब ने भारत वर्ष में विलय होने की सहमति नहीं दी थी और देश के लोगों पर गोली चलवाई थी। मंत्री उस हमीदिया अस्पताल में कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जिसका नाम भोपाल नवाब के नाम पर है। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बताया कि भोपाल नवाब ने भारत वर्ष में विलय होने की सहमति नहीं दी थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद होने के बाद में भोपाल रियासत में तिरंगा झंडा नहीं फहराया नहीं गया था। भोपाल नवाब ने भारत के लोगों गोली चलवाई थी। उसने 6 से ज्यादा लोगों की हत्या करवाई थी। ऐसा नवाब देशभक्त नहीं हो सकता गद्दार था। उसके नाम से कोई भी इमारत हो अस्पताल हो सबके नाम बदलने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि जिस हमीदिया अस्पताल में मंत्री पहुंचे थे, उसका नाम भोपाल के नवाब हमीदुल्लाह खान के नाम पर रखा गया है। भोपाल में हमीदिया स्कूल भी नवाब के नाम पर ही रखा गया था। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के पहले भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी कहा था कि भोपाल में जो भी संपत्ति है, वो सभी राजा भोज की है। राजा भोज ने ही शहर में तालाब का निर्माण कराया था।

तेजी से भाग रहे हैं, स्मार्ट मीटर? 35 जिलों से स्मार्ट मीटर की शिकायतें

भोपाल। मध्य प्रदेश के 55 जिलों में विद्युत वितरण कंपनियां स्मार्ट मीटर लगा रही हैं। 1.34 करोड़ स्मार्ट मीटर मध्य प्रदेश में लगने हैं। इसमें से 25 लाख मीटर लगा चुके हैं। विद्युत वितरण कंपनी बिना उपभोक्ता की सहमति लिए अथवा बिना जांच कराये धड़ाधड़ स्मार्ट मीटर लगा रही है। उपभोक्ताओं से कहा जा रहा है, स्मार्ट मीटर मुफ्त में लगाए जा रहे हैं। विद्युत वितरण कंपनियां मासिक बिल में इसकी वसूली करेगी। स्मार्ट मीटर लगने के बाद पुराने भोपाल में जिन घरों का बिजली का बिल 100 से लेकर 300 रूपये के बीच आ रहा था। स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिल एकाएक हजारों रुपए के आने लगे। जिसके कारण भोपाल में इसका विरोध शुरू हुआ था, जो अब अन्य जिलों तक फैल गया है। भोपाल, सागर, नर्मदापुरम, इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन संभाग के लगभग 35 जिलों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। जैसे-जैसे स्मार्ट मीटर लग रहे हैं। उसके बाद उपभोक्ताओं का विरोध भी इस तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। जो उपभोक्ता बिजली स्मार्ट मीटर नहीं लगवाना चाहता है। ट्रांसफार्मर से उसकी लाइट बंद कर दी जाती है इस तरह के भी समाचार प्राप्त हो रहे हैं। नर्मदापुरम, विदिशा, भोपाल इत्यादि जिलों में लगाए गए स्मार्ट मीटर में ज्यादा रीडिंग की शिकायत आ रही है। लोगों ने पुराने मीटर और नए मीटर की रीडिंग को लेकर जांच की है। उसके अनुसार रोजाना न्यूनतम एक यूनिट बिजली स्मार्ट मीटर की रीडिंग में ज्यादा होती है। जिन उपभोक्ताओं के पास ज्यादा बिजली की खपत है। उनकी रीडिंग तेजी के साथ बढ़ती है। जिसके कारण बिजली उपभोक्ताओं में लगातार रोष और गुस्सा देखने को मिल रहा है। इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 तथा एमपी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड 2021 के अनुसार उपभोक्ता को अधिकार है। वह बिजली मीटर की जांच कराने के बाद मीटर लगाने की अनुमति दें। स्मार्ट मीटर जांच की लैब रिपोर्ट विद्युत वितरण कंपनियां उपभोक्ता को नहीं दे रही हैं। जो उपभोक्ता स्मार्ट मीटर की जांच कराना चाहता है। वह विद्युत वितरण कंपनियां नहीं करा रही हैं। जिसके कारण विद्युत उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। भोपाल से स्मार्ट मीटर के खिलाफ जो आंदोलन शुरू हुआ था। अब वह मध्य प्रदेश के कई जिलों तक फैलने लगा है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0017/ड-154/2025-26
मौजा कटंगा, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीराम नखाते पिता महारूजी नखाते जाति कुनबी, निवासी ग्राम कटंगा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कटंगा, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी बहन सोनुला पति सद्दूजी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 01.06.2024 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कटंगा के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 30.07.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 26.07.2025

नायब तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर-2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी
टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान-योग्यतानुसार
आफिस ब्वाय-1 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता-वार्ड नं. 14
गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
-संपर्क करें-
मो. 9584968038

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है
कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है
वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

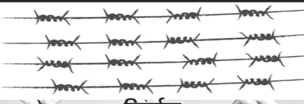

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ग्राम पंचायत भरवेली में बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव को नहीं मिल पाया पूर्ण बहुमत

गीता अनिल बिसेन ने पंचायत भवन के सामने निकाला जुलूस ,बाहरी लोगों पर पंचों को भड़काने का लगाया आरोप,उपसरपंच सहित पंचों ने कहा लगातार जारी रहेगी लड़ाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भरवेली में कुछ पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बुलाया था। अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई 25 जुलाई को प्रात: 11:00 बजे से शुरू की गई । जिसमें पीठासीन अधिकारी बालाघाट तहसीलदार द्वारा बताया गया की पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बुलाया गया था । उसमें पंचों को पर्याप्त बहुमत नहीं मिल सका । इधर सरपंच गीता अनिल बिसेन को पर्याप्त बहुमत मिलने से वह पुन: अपने सरपंच पद पर यथावत बनी हुई है । जिसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत के भवन के सामने जुलूस लाकर अपनी जीत का जश्न मनाया । अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई को देखने सुबह से ही भरवेली ग्राम पंचायत के सामने आमजन का जमावड़ा देखने को मिला।

आपको बता दे की ग्राम पंचायत भरवेली के कुछ पंचों द्वारा बीते कुछ महीनो से ही सरपंच की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे । और कहा जा रहा था कि सरपंच उन्हें आय व्यय की जानकारी नहीं देती है । ना ही उनके वार्डो में विकास कार्य करवाती है। इसके बाद बीते दिनों ग्राम पंचायत के लोकार्पण पर ग्राम पंचायत के कुछ पंचों द्वारा लोकार्पण के समय शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन की बात कही गई थी। यहां मंत्री प्रहलाद पटेल पंचायत भवन का लोकार्पण करने वाले थे । जिसके बाद पुलिस ने कुछ पंचों को सुरक्षा की दृष्टि से पहले ही उठाकर थाने में बिठा दिया था। जिसके बाद पंचों द्वारा ग्राम पंचायत भरवेली के सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बुलाया था। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव बुलाते समय पंचों के बताएं अनुसार 15 पंच उनके साथ थे। किंतु जब 25 जुलाई को ग्राम पंचायत भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई की गई । तब अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई के दौरान सिर्फ 13 ही पंच इस अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई में उपस्थित रहे। जिसमें पीठासीन अधिकारी भूपेंद्र सिंह अहिरवार द्वारा बताया गया कि पर्याप्त बहुमत नहीं होने के कारण पंचों द्वारा बुलाया गया अविश्वास प्रस्ताव सफल नहीं हो पाया । इधर गीता अनिल बिसेन के पास पर्याप्त बहुमत होने के कारण उन्होंने पुन: एक बार अपनी जीत की खुशी जाहिर की और जुलूस निकालते हुए ग्राम पंचायत भवन के सामने ढोल, नगाड़ों की थाप के साथ ग्राम पंचायत में हस्तक्षेप करने वाले कुछ बाहरी लोगों पर आरोप लगाया और कहा कि आज उनकी ग्राम पंचायत में कुछ बाहर के लोग उनके पंच भाइयों को भड़का रहे हैं । ग्राम में अशांति का वातावरण निर्मित कर रहे हैं । उनकी यह कोशिश सफल नहीं हो पाई , वह पुन: जनता जनार्दन के आशीर्वाद से इस अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई में सफल हुई है । बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर कुछ पंचों ने कहा कि उनके दो पंचों को अविश्वास प्रस्ताव की कार्रवाई से कुछ लोगों ने अलग कर दिया । जिस कारण उन्हें पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया है । हालांकि वह अपनी लड़ाई आगे भी जारी रखेंगे।

हम बहुमत संख्या बल से जीत चुके हैं - राजेश बाहेश्वर

सरपंच राजेश बाहेश्वर और अमीन खान द्वारा बताया गया कि आज वह बहुमत संख्या बल से जीत चुके हैं। आगे भी जीतते ही रहेंगें । आज वह अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया में हार चुके हैं । उन्होंने सरपंच पर आरोप लगाया कि यदि सरपंच सही थी तो उन्हें अपना बहुमत शामिल करने ग्राम पंचायत में आना था । उन्होंने यह भी बताया कि वह सरपंच को हटाने के खिलाफ नहीं थे । बल्कि वह अपने अधिकार की लड़ाई लड़ रहे थे । किंतु सरपंच द्वारा उन्हें थाने में बिठाया गया और प्रताड़ित किया गया । इसी के विरोध में उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव बुलाया था । किंतु आज वह दो मतों से हार गए और उन्होंने सरपंच पर यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने उनके दो पंचों को घर से उठा लिया और उन्हें इस प्रक्रिया में आने नहीं दिया ।

प्रस्ताव में बहुमत सिद्ध नहीं हो पाया - भूपेंद्र अहिरवार

पीठासीन अधिकारी और बालाघाट तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार द्वारा बताया गया कि आज ग्राम पंचायत भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया की गई है । यहां उपस्थित पंचों से गोपनीय रूप से मतदान करवाया गया एवं मतगणना की कार्रवाई की गई । उन्हें मतगणना की जानकारी भी दे दी गई है। मतगणना में पंचों द्वारा बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव में बहुमत सिद्ध नहीं हो पाया है । आज मतगणना की प्रक्रिया पूर्ण कराई । यहां पर सदस्यों का बहुमत कम पाया गया है ।

बाहरी लोगों के द्वारा पंचों को भ्रमित किया गया - गीता

ग्राम पंचायत भरवेली की सरपंच गीता अनिल बिसेन ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि एक परिवार में झगड़ा, लड़ाई होते रहते हैं और इसके पहले भी हुए हैं । किंतु कुछ बाहरी लोगों के द्वारा उनके पंचों को भ्रमित कर दिया गया । आज वह लड़ाई पंचों से नही बल्कि बाहरी लोगों से अपने ग्राम को बचाने के लिए है । पूरा गांव उनके साथ में है। वह अपने पंच साथियों के साथ थी । इसलिए वह इस प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं हुई । यदि जिस दिन जनता उन्हें पद से इस्तीफा देने को कह देगी । वह उस दिन अपना इस्तीफा दे देंगीं । आगे जनता के हित में ग्राम पंचायत काम करेगी ।

अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया में सरपंच नहीं हुई शामिल

अविश्वास प्रस्ताव बुलाने की प्रक्रिया में सिर्फ 13 ही पंच सम्मिलित हुए थे । जबकि इस प्रक्रिया की शुरू होते ही सभी सरपंच और अन्य पंचों के आने का इंतजार ग्राम पंचायत के भवन में कर रहे थे । किंतु सरपंच गीता अनिल बिसेन अपने अन्य पंच के साथ इस अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं हुई । जैसे ही यहां प्रक्रिया पूर्ण हुई उनके पास उनका बहुमत था और वह अपने बहुमत के अनुसार विजय रही । उन्होंने जुलूस निकालकर आम जनता का आभार व्यक्त किया ।

यह पंच रहे अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया में शामिल

अविश्वास प्रस्ताव की इस कार्रवाई में परवीन शरीफ खान, फूलवती राजेश नागेश्वर, अमीन खान, अनारकली किशोर रौतेल , मकसूद खान ,विक्रम सिंह मर्सकोले , राजेश बाहेश्वर , मालती मोहन साहू , लतेश्वरी भानु बसेने , अंजलि संतोष काकोटिया, उर्मिला लालचंद मालेश , रमेश सहारे , शरद कठौते , शामिल हुये ।

पाड़न के रास्ते खेत आने जाने का विवाद

ट्रैक्टर लेकर खेत जा रहे कृषक को दो सगे भाई ने लाठी और राड़ से मारकर किए गए

घायल कृषक गजानंद जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम समनापुर में पाड़न के रास्ते से खेत आने जाने के विवाद के चलते ट्रैक्टर लेकर खेत जा रहे एक कृषक को दो सगे भाई ने लाठी और लोहे की राड़ से मारपीट कर घायल कर दिए। लाठी और लोहे की राड़ सिर हाथ कंधे में लगने से घायल कृषक गजानंद पिता शंभू नगपुरे 31 वर्ष ग्राम समनापुर निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम समनापुर निवासी गजानंद नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं और गजानंद नगपुरे का परिवार कई सालों से गांव के बृजेश मसखरे के खेत से लगे पाड़न के रास्ते से अपने खेत आना-जाना करते हैं। पाड़न रास्ते से आने जाने को लेकर के बृजेश मसखरे और गजानंद नगपुरे के बीच विवाद चल रहा था। गजानंद नगपुरे सहित अन्य कृषकों का कृषि कार्य होने के बाद ही इस आने-जाने के पाड़न रास्ते पर परहा (रोपा)लगाया जाता था। किंतु इस वर्ष बृजेश मसखरे ने उस क्षेत्र के कृषकों का कृषि कार्य पूर्ण होने के पहले ही इस आने-जाने के पाड़न रास्ते पर परहा रोपा लगा दिया था। 25 जुलाई को सुबह 7:00 बजे करीब गजानंद नगपुरे ट्रैक्टर लेकर अपने खेत जुताई करने के लिए जा रहा था। तभी गजानंद नगपुरे ने देखा कि आने जाने के पाड़न रास्ते पर बृजेश मसखरे ने परहा रोपा लगा दिया है। आने जाने का और कहीं से रास्ता नहीं होने से गजानंद नगपुरे परहा लगे पा ?न रास्ते से ही ट्रैक्टर ले जा रहा था। तभी बृजेश मसखरे और उसका भाई कृष्णा मसखरे उभारी और लोहे की राड़ लेकर गजानंद नगपुरे को अश्लील गालियां देते हुए आए और दोनों भाई ने गजानंद नगपुरे को लाठी और लोहे की राड़ से मारपीट करना शुरू कर दिए। इसी दौरान गजानंद नगपुरे का पिता शंभू नगपुरे दौड़ते हुये आये और बीच बचाव किये। बृजेश मसखरे और कृष्णा मसखरे द्वारा लाठी और राड़ से की गई मारपीट से गजानंद के सिर, पीठ, बाएं हाथ, दोनों कंधे और गरधन में चोंटे आई घायल हो गया था। घायल गजानंद नगपुरे को उसके पिता शंभू नगपुरे ने रोड पर लाया और 108 एंबुलेंस से घायल गजानंद नगपुरे को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस में घायल गजानंद नगपुरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण नवेगांव भिजवा दी है।

ऑनलाइन गेमिंग और ट्रेडिंग से 25 दिनों में 50 से अधिक खाता धारकों के खाते हुए होल्ड

लेनदेन नहीं कर पाने से खातेदार हो रहे परेशान, बैंक और थाने के लगा रहे चक्कर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में साइबर ठगी का ग्राफ धीरे-धीरे बढ़ता ही जा रहा है। यहां साइबर ठग जिले की भोली भाली जनता को अलग-अलग माध्यमों से साइबर ठगी का निशाना बना रहे हैं । इन दिनों कोतवाली स्थित साइबर शाखा में एक महीने के अंदर 50 से ज्यादा खाता धारकों द्वारा खाता होल्ड होने की शिकायत की है। जिससे खाता धारक इन दिनों बैंक और थानों के चक्कर लगा रहे हैं । जिसमें बताया जा रहा है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लुभावने विज्ञापन और ट्रेडिंग सहित ऑनलाइन गेम के माध्यम से पैसे कमाने के लिए यह रास्ता अपनाया था । किंतु उनके खातों में पैसे तो आए पर उन्हें वह निकाल नहीं पा रहे हैं। और उनके खाते इन दिनों होल्ड करवा दिए गए हैं । जिससे खाता धारकों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आपको बता दे की इन दिनों कोतवाली थाने की साइबर शाखा में 25 दिनों में 50 से अधिक खाता धारकों द्वारा बैंक खाता होल्ड होने को लेकर शिकायत की गई है । खाते होल्ड होने को लेकर कुछ शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर आ रहे ऑनलाइन गेम और ट्रेडिंग के विज्ञापन देखकर जल्द ही अधिक पैसा कमाने की लालच में आकर ऑनलाइन गेमिंग और ट्रेडिंग की । इसके बाद वह जीत भी गए और जैसे ही उन्होंने ऑनलाइन अपने खातों की डिटेल और जानकारी पैसे खाते में बुलवाने के लिए दिया और जैसे ही पैसा उनके खातों में आया। उसके बाद से संबंधित बैंक द्वारा उनके खातों को होल्ड कर दिया गया। जिसके बाद वह अब बैंकों में जा रहे हैं तो उन्हें थाने भेजा जा रहा है और थाने में वह अपने खाते होल्ड होने की शिकायत कर रहे हैं। जिसमें साइबर शाखा के संबंधित पुलिसकर्मियों ने बताया कि यह खाते होल्ड हो रहे हैं। वह साइबर ठगों द्वारा खाता धारकों को के खातों में गलत तरीके से पैसे डालने की वजह से उनके खाते होल्ड किए गए हैं।

बच्चे के ऑनलाइन गेमिंग खेलने से हुआ खाता होल्ड

साइबर शाखा में आए एक आवेदन अनुसार लांजी क्षेत्र के एक बच्चे द्वारा इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन गेम खेलने पर अधिक पैसे कमाए जाने का एक विज्ञापन देखा गया , उसके बाद उन्होंने ऑनलाइन गेम को खेलना शुरू किया और वह जीत भी गया। जिसके बाद उन्होंने जैसे ही अपने परिजन के खाते में पैसा बुलवाया, उसके बाद पैसा तो आ गया । लेकिन बुलाए गए खाते को संबंधित बैंक के द्वारा होल्ड लगा दिया गया है । उन्हें बताया जा रहा है कि उनके खाते में जो पैसा आया है । वह पैसे को लेकर किसी अन्य खाताधारक द्वारा उनके खाते से गलत तरीके से पैसे जाने को लेकर खाता होल्ड करवाया गया है।

ऑनलाइन आने वाले पैसे के लिए जागरूक और सतर्क रहें - शिखा

कोतवाली थाने की साइबर शाखा में पदस्त पुलिसकर्मी शिखा द्वारा बताया गया कि इन दिनों कुछ कियोस्क और ऑनलाइन सेंटर चलाने वाले और पेट्रोल पंप कर्मी थोड़े पैसे अधिक मिलने की लालच में अपने खाते से ऑनलाइन पैसा उपभोक्ताओं को दे देते हैं। उनसे किसी प्रकार की जानकारी नहीं मांगते । कुछ पैसे की लालच में ऑनलाइन पैसा तो अपने खाते से दे देते हैं। बाद में गलत तरीके से खाते में आये पैसे से उनके खाते को बैंक होल्ड कर देता है । जिसके बाद उन्हें परेशान होना पड़ता है । उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि कोई भी बिना परिचित और ऑनलाइन गेमिंग और ट्रेडिंग के जरिये आने वाले पैसे के लिए सावधान रहे । बिना जान पहचान और बिना आधार कार्ड लिए कोई भी अपने खातों से लेन देन ना करें। आज ऑनलाइन गेम और ट्रेडिंग से जो पैसा आ रहा है , उसमें साइबर ठगों द्वारा एक चैन श्रृंखला के रूप में पैसे को डायवर्ट किया जा रहा है । जिससे खाताधारक स्वयं ही साइबर शाखा के टोल फ्री नंबर पर खाता से राशि रुकवाने के लिए खातों को होल्ड करवा रहे हैं । जिससे खाता धारकों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ऑनलाइन आने वाले पैसे के लिए आमजन को जागरूक और सतर्क रहने की अपील की है।

एक महिला की जंगल में फांसी लगाने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खराड़ी में इसी गांव की महिला देवकली पति सुमनसिह धुर्वे 35 वर्ष इसी ग्राम के जंगल में फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की गई इस महिला ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। गढ़ी पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार देवकली अपने पति सुमनसिह धुर्वे के साथ खेती मजदूरी करती थी। जिसके तीन बच्चे हैं। 24 जुलाई को दोपहर से देवकली अपने घर में दिखाई नहीं दे रही थी । 4:00 बजे करीब ग्राम समीप जंगल के पेड़ में देवकली फांसी पर लटकी हुई थी। देवकली ने अपनी साड़ी पेड़ में बांधकर फांसी लगा ली थी। जिसकी रिपोर्ट होने पर गढ़ी पुलिस ने ग्राम खराड़ी पहुंचकर जंगल मैं पेड़ में फांसी पर लटकी देवकली का शव नीचे उतरवाये और रात्रि में सुरक्षित रखवा दिए। 25 जुलाई को गढ़ी पुलिस ने देवकली का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये। देवकली ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। गढ़ी पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

घर से बैहर बस स्टैंड आया व्यक्ति हुआ लापता

तलाश करने में जुटी बैहर पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मोटरसाइकिल में अपने घर से बैहर बस स्टैंड आए एक व्यक्ति लापता हो गया। यह व्यक्ति रशीद खान पिता बहादर खान 42 वर्ष वार्ड 8 चालीस मकान बैहर निवासी है। जिसकी बैहर पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रशीद खान मजदूरी करता है। जिसके परिवार में पत्नी आशिया खान और तीन बच्चे हैं। जिनमे दो लड़का, एक लड़की है। 21 जुलाई को सुबह 9:00 बजे आशिया खान बकरी चराने के लिए मोहल्ले तरफ चली गई थी। घर में उसका पति रशीद खान ,छोटा लड़का वाजिद खान थे। 9:30 बजे आशिया खान घर वापस आई। तब उसके छोटे बेटे वाजिद खान ने बताया कि पापा जी आमिर मामा के साथ मोटरसाइकिल में बैठकर कहीं गए हैं। रशीद खान शाम तक घर वापस नहीं आए तब। उसकी पत्नी आशिया खान ने आमिर चालीस मकान निवासी से पूछी तो उसने बताई की रशीद खान मेरे साथ बस स्टैंड तक गया था। उसके बाद कहा गया उसे पता नहीं है। इसके बाद आशिया खान ने अपने पति रशीद खान को बैहर बस स्टैंड, चालीस मकान, बारह पत्थर, कंपाउंडर टोला, नरसिंह टोला, नागपुर महाराष्ट्र में पता की किन्तु रशीद खान का कोई पता नहीं चला। जिसके इसके बाद 25 जुलाई को आशिया खान अपने पति रशीद खान के गुम होने की रिपोर्ट करने के लिए बैहर पुलिस थाना पहुंची। रशीद खान का हुलिया रंग सांवला, ऊंचाई 5 फीट, वह हल्के नीले रंग की टी-शर्ट, नीले रंग का जींस पहना हुआ है। बैहर पुलिस ने आशिया खान पति रशीद खान 35 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर गुम इंसान 46/ 2025 कायम किया है और रशीद खान की तलाश की जा रही है।

असाटी वैश्य विकास समिति कर रही शिवपुराण का आयोजन निकाली शोभायात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। असाटी वैश्य विकास समिति बालाघाट द्वारा नए श्रीराम मंदिर में 7 दिवसीय श्री शिवपुराण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथावाचक वृन्दावन धाम से पधारी पूज्य दीदी प्रिया किशोरी जी है । इस आयोजन के प्रथम दिवस पर समिति द्वारा भव्य शोभायात्रा देवी मंदिर, हनुमान चौक से शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ढोल नगाड़ों के साथ निकाली गई। जिसमें समाज के सदस्यों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए । समिति के अध्यक्ष श्रीकुमार असाटी ने बताया कि 25 जुलाई से 1 अगस्त तक यह आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से रुद्राभिषेक एवं दोपहर 3 बजे से कथा वाचन किया जाएगा। 1 अगस्त को प्रात: हवन के बाद प्रसादी वितरण किया जाएगा।

यात्री बस एवं कार में हुई जबरदस्त भिड़त, कार में सवार माँ-बेटे घायल, बड़ा हादसा टला

बालाघाट से सिवनी जा रही थी यात्री बस, पोंडी में घटित हुआ सड़क हादसा, कार बुरी तरह से हुई क्षतिग्रस्त

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. के ग्राम पोंडी में यात्री बस एवं कार में जबरदस्त भिड़त हो गई। जिससे कार में सवार माँ-बेटे घायल हो गये। जिनका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं चौपहिया वाहन चालकों की सुझबुझ के चलते बड़ा हादसा होते-होते टल गया। साथ ही बस में सवार यात्रियों को मामूली चोटे आई है एवं बस व कार में भिड़त होने से कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं बस भी क्षतिग्रस्त हुई है। साथ ही इस सड़क दुर्घटना को देखकर लग रहा था कि बहुत बड़ा हादसा घटित हुआ होगा क्योंकि कार का सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। साथ ही बस व कार में भिड़त होने से हाईवे रोड़ में दोनों वाहन फस जाने के कारण करीब एक घंटे तक लालबर्रा से सिवनी मार्ग में जाम की स्थिति बनी रही और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों को जेसीबी मशीन के माध्यम से सड़क से अलग कर साईड में खड़ा कर दिया गया है। जिसके बाद आवागमन सुचारू रूप से प्रारंभ हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया आष्टा निवासी 35 वर्षीय दुष्यंत बिसेन अपनी माँ 62 वर्षीय सुषमा बिसेन के साथ शुक्रवार को सुबह 11 बजे कार में अपनी बहन को लेने गोंदिया जा रहे थे। वहीं बालाघाट से यात्री बस सिवनी की ओर जा रही थी तभी पोंडी में कार और बस में जबरदस्त टक्कर हो गई। जिससे कार व बस क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कार में सवार माँ-बेटे दोनों घायल हो गये एवं बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटे आई है। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और कार में फसे मॉ-बेटे को कार से बाहर निकालकर तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए घायल मॉ-बेटे दोनों को जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं बस में सवार यात्रियों को दुसरे बस के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर रवाना किया गया है। वहीं घटना के बाद से पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

हाईवे मार्ग के खस्ताहाल के चलते एक और बड़ी दुर्घटना घटी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि बालाघाट से सिवनी पहुंच मार्ग पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुका है और मार्ग पर जगह-जगह बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे बन चुके है जिनमें बारिश के दिनों में पानी भर जाता है और यह गड्ढे आने-जाने वाले ग्रामीणजन एवं राहगीरों को दिखाई नहीं पड़ते है जिससे आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। वहीं 25 जुलाई को भी करीब 11 बजे के आसपास बालाघाट से सिवनी की ओर जा रही यात्री बस एवं बरघाट की ओर से आ रही एक चौपाहिया वाहन की आपस में जबरदस्त टक्कर हो गई जिससे यात्री बस में सवार यात्रियों को किसी तरह की कोई क्षति नहीं हुई है। वहीं चौपाहिया वाहन में सवार पिपरिया आष्टा निवासी मां-बेटे बुरी तरह से घायल हो गये है जिनका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। इस सड़क दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस तरह से बदहाल बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग में लोग दुर्घटना का शिकार होते जा रहे है परंतु शासन-प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और ना ही सड़क का मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है जिससे यह स्थिति निर्मित हो रही है। जबकि पूर्व में बालाघाट से सिवनी नेशनल हाईवे मार्ग शासन से स्वीकृत होने के बाद करोड़ों रूपयों की लागत से सड़क का निर्माण करवाने की बात कही जा रही थी और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने सरकार का आभार भी व्यक्त किया जाता है। जिसे करीब 6 माह से अधिक होने लगे है लेकिन अब तक बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग का निर्माण कार्य शुरू तक नही हुआ है। बल्कि हाईवे मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है एवं बस सहित अन्य ओवरलोड वाहन भी इस खस्ताहाल मार्ग से तेज गति से गुजरते है। जिसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। शुक्रवार को पोंडी के समीप बस व कार में जो भिड़त हुई है जिसका मुख्य कारण सड़क का खस्ताहाल एवं चौड़ाई कम होने के कारण हुआ है क्योंकि दो बड़े वाहनों को क्रास होने में काफी परेशानी होती है और एक साईड से कार एवं दुसरे साईड से बस जाते रही होगी तभी अचानक जिस स्थान पर हादसा घटित हुआ है उस स्थान पर चौड़ाई कम होने के कारण यह सड़क हादसा घटित हुआ है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने जल्द बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

वन वे सड़क के चलते घटित होती है दुर्घटनाएं - संतोष

नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर ने बताया कि पोंडी के पास बालाघाट की ओर से आ रही एक यात्री बस और सिवनी की ओर से जा रही एक चौपहिया वाहन की आपस में टक्कर हो गई जिससे चौपाहिया वाहन में सवार दो लोगों को गंभीर चोटे आई है जिन्हे लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया एवं पुलिस को घटना की सूचना दी गई। साथ ही यह भी बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है परंतु शासन-प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। । श्री पंचेश्वर ने बताया कि विगत माह पूर्व बालाघाट सिवनी हाईवे मार्ग के नवनिर्माण के लिए लगभग 1500 लाख रूपये की स्वीकृति की बात कही जा रही थी, यदि राशि स्वीकृत हो गई है तो जल्द से जल्द नवीन सड़क का निर्माण प्रारंभ होना चाहिये। लेकिन राशि स्वीकृति की घोषणा के बाद अब तक नवीन सड़क के निर्माण के लिए संबंधित विभाग के द्वारा कोई सर्वे कार्य या अन्य कार्यवाही नहीं की गई है, शासन-प्रशासन से मांग है कि राशि स्वीकृत हो चुकी है तो जल्द से जल्द बालाघाट-सिवनी मार्ग का फोरलेन निर्माण होना चाहिए क्योंकि वन वे सड़क होने के कारण और मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है।

19 घंटे बाद मिरेगांव, गोंडेगांव व डोकरबंदी में बहाल हुई विद्युत आपूर्ति सेवा

मिरेगांव में विशालकाल नीम का पेड़ गिरने से बंद हो गई थी बिजली आपूर्ति, सुधार कार्य के बाद हुई बहाल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत मिरेगांव में 24 जुलाई को देरशाम हवा तुफान व तेज बारिश के चलते एक विशालकाय पुराना नीम का पेड़ बिजली के पोल पर गिर गया था। जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई थी। ऐसी स्थिति में मिरेगांव सहित डोकरबंदी व गोंडेगांव के ग्रामीणों को लगभग 19 घंटों तक बिना बिजली के रहना पड़ा। जिससे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं दुसरे दिन 25 जुलाई को विद्युत विभाग के द्वारा क्षतिग्रस्त विद्युत पोल व टूटे तार को दुरूस्त कर 19 घंटे बाद बिजली आपूर्ति सेवा प्रारंभ कर दी है। जिसके बाद मिरेगावं, डोकरबंदी व गोडेगांव के ग्रामीणजनों ने राहत की सास ली है। आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मिरेगावं के शास. माध्य. स्कूल के समीप हाईवे रोड़ किनारे मुंशीलाल पटले के मकान के सामने स्थित विशालकाय नीम का पेड़ 24 जुलाई को देरशाम तेज बारिश एवं हवा चलने के कारण अचानक टूटकर धराशायी हो गया था। जिससे पेड के समीप स्थित विद्युत के पोल क्षतिग्रस्त हो गये थे और 11 केव्ही व एलटी लाईन का विद्युत पोल टुट जाने से 14 ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद हो चुकी थी। जिसके कारण मिरेगांव, डोकरबंदी एवं गोडेगांव ग्राम के ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी और 25 जुलाई को विद्युत विभाग के द्वारा युध्द स्तर पर मरम्मत कार्य किया और लगभग 19 घंटों के बाद विद्युत आपूर्ति सेवा बहाल हो पाई है।

महाविद्यालय में रोजगार आधारित शिक्षा रूझान एवं नये अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ प्रसारण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गत दिवस विकसित म.प्र. /2047 अन्तर्गत रोजगार आधारित शिक्षा, रूझान एवं नये अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की माध्यम से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मान. राज्यपाल मंगुभाई पटेल जी द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मान. राज्यपाल महोदय ने रोजगार परख शिक्षा पर बल दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पारम्परिक शिक्षा पध्दति के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा के बेहतर विकास पर बल दिया। वहीं उच्च शिक्षा मंत्री जी ने कहा कि भारत की संस्कृति रोजगार परख रही है, अतः मानव संसाधनो का समुचित विकास आवश्यक है। इस कार्यक्रम में देश-प्रदेश के 81 विश्वविद्यालयों के मान. कुलगुरू, वरिष्ठ प्राध्यापक, विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहीं। इस वर्चुअल कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, सुमन बरवा, डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. क्रांति जैन, डॉ. आशा कारे, डॉ. माधुरी पुसे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, इकबाल खान सहित अन्य स्टाप व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पानी निकासी की व्यवस्था नही होने से नहर के ऊपर बने पुल में जमा हो रहा पानी

पुल में पानी जमा होने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग पर ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर में बने पुल के आसपास पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण तेज बारिश होने पर पुल में पानी का जमाव हो जाता है। जिससे स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पुल में पानी जमा रहने से हर समय बड़ी दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदार पुल के ऊपर बारिश होने पर जमा हो रहे पानी की निकासी की व्यवस्था नही कर पा रहे है जिससे आने-जाने वाले ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। साथ ही सड़क निर्माण के साथ विगत वर्ष पूर्व नवीन पुल का निर्माण किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य के दौरान संबंधित विभाग व ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई है और पुल से पानी निकासी के लिए जो होल बनाये जाने चाहिये थे वह नहीं बनाये गये है, ना ही पुल से बारिश के पानी निकासी के लिए कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई है और पुल निर्माण में अनियमितता बरतने के कारण पुल में जो सीमेन्ट क्रांकीट किया गया है वह भी धीरे-धीरे बैठने लगा है। जिसके कारण सड़क से पुल का हिस्सा नीचे होने से तेज बारिश होने पर उक्त स्थान पर करीब एक से दो फीट पानी जमा हो जाता है। ऐसी स्थिति में छोटे-बड़े वाहन, मोटर साईकिल, सायकल सहित अन्य साधनों से आवागमन करने में राहगीरों एवं स्कूली ब%चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही पुल पर पानी होने की वजह से जब तेज गति से सामने से कोई बड़ा वाहन आता है तो पानी छिंटक कर राहगीरों व स्कूली ब%चों के ऊपर आ जाता है जिससे उनके कपड़े पुरी तरह से खराब हो जाते है। यह समस्या विगत दिनों से बनी हुई है परंतु जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

पानी का जमाव पुल को कर सकता है क्षतिग्रस्त

आपकों बता दें कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से किया गया है परंतु इस मार्ग के निर्माण कार्य में संबंधित ठेकेदार के द्वारा भारी लापरवाही बरती गई है और इस मार्ग के संबंध में आये दिन नई नई समस्याएं देखने को मिलती है। इसी तरह से विगत दिनों से हो रही तेज बारिश के कारण लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग अमोली से बम्हनी के बीच से गुजरी ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर में सड़क निर्माण के दौरान ही बनाये गये नवीन पुल में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से पुल पर पानी का जमाव हो रहा है। जिससे जहां एक ओर राहगीरों व स्कूलीं बच्चों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है तो वहीं दूसरी ओर पुल पर कई दिनों तक पानी का जमाव होने से यह पुल को क्षतिग्रस्त भी कर सकता है जिससे शासन को काफी नुकसान होगा। साथ ही पुल के ऊपर बारिश का पानी जमा होने पर अगर आने-जाने वालों के वाहन तेज गति में रहता है एवं अनियंत्रित होता है तो पुल से वाहन टकराकर वे सीधे नहर के नीचे गिर सकते है। जबकि वर्तमान में नहर में 5 से 6 फीट पानी बह रहा है। ऐसी स्थिति में बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इस समस्या से सड़क विभाग को अवगत करवा दिया गया है परन्तु शासन-प्रशासन के द्वारा इस समस्या को नजरअंदाज करके भारी लापरवाही बरती जा रही है और पुल का उचित रख रखाव नहीं होने के कारण जल्द क्षतिग्रस्त होने की संभावना भी बन रही है। जबकि संबंधित ठेकेदार को पुल निर्माण के दौरान पानी निकासी के लिए पुल के दोनों ओर किनारे में होल बनाये जाने चाहिये थे। जिससे आसानी से पानी की निकासी हो सके परंतु ठेकेदार के द्वारा ऐसा नहीं किया गया जिससे पुल पर पानी का जमाव हो रहा है। जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क विभाग से पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की। वहीं एमपीआरडीसी विभाग के महाप्रबंधक दीपक आड़े से दूरभाष पर लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग अमोली से बम्हनी के बीच से गुजरे ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बने पुल में जमा हो रहे पानी निकासी नही होने से आवागमन में हो रही परेशानी एवं पानी निकासी की व्यवस्था करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

दर्जनों ग्राम के ग्रामीणजन करते है आवागमन

यह मार्ग लालबर्रा से समनापुर होते हुए बालाघाट-मंडला मुख्य मार्ग को आपस में जोडता है और इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में दर्जनों ग्राम के ग्रामीणजन आवागमन करते है और यह मार्ग बम्हनी, ददिया, खामघाट, आमाटोला, समनापुर सहित अन्य दर्जनों ग्रामों को शहर से जोड़ता है। जिससे बड़ी संख्या में लोग रोजाना मार्केट, शासकीय कार्यालय, स्कूल, कॉलेज सहित अन्य जगह पर आवश्यक काम के चलते आवागमन करते है। परंतु बारिश होने पर पुल पर पानी का जमाव होने के कारण पुल के क्षतिग्रस्त होने की संभावना नहीं हुई है। इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन प्रशासन से पुल में जमा हो रहे पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं होने से पुल के ऊपर जमा हो रहा पानी - साजिद

राहगीर साजिद खान ने बताया कि बरसात के दिनों में तेज बारिश होने पर पुल के ऊपर पानी जमा हो जाता है जिससे स्कूली बच्चों व राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कई बार जब सामने से कोई बड़ा वाहन तेजी से गुजरता है तो स्कूली बच्चों की ड्रेस खराब हो जाती है जिससे वे समय पर स्कूल-कॉलेज नहीं पहुंच पाते है। साथ ही नहर में पानी अधिक होने के कारण कई बार वाहन के अनियंत्रित होकर नहर में गिरने का डर भी बना रहता है क्योंकि पानी अधिक होने एवं बड़े वाहन से बचाव के चक्कर में दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। श्री खान ने बताया कि सड़क निर्माण के साथ इस पुल का भी निर्माण किया गया था परंतु गुणवत्तापुर्ण निर्माण नहीं होने के कारण पुल बैठ गया है जिसकी वजह से पानी निकासी नहीं हो पा रही है, प्रशासन को पुल के ऊपर जमा हो रहे पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की।

बड़ी दुर्घटना हो सकती है घटित - इमरान

इमरान खान ने बताया कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बनी पुल में जमा हो रहे पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण हल्की बारिश होती है तो पुल के ऊपर पानी का भराव हो जाता है। जिससे लोगों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है और इस पानी के भराव के कारण ही पुल भी धीरे धीरे खराब हो रहा है। जबकि प्रतिवर्ष सड़क वभाग के द्वारा मजदूरों के माध्यम से पुल के दोनों ओर किनारे से नाली बनाकर पानी निकासी की व्यवस्था की जाती थी लेकिन इस वर्ष नही किया गया है। श्री खान ने बताया कि पुल पर पानी जमा रहता है तो पुल कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकता है, जबकि इस मार्ग से रोजाना बड़े एवं छोटे वाहन गुजरते है एवं पानी जमा होने के कारण सड़क दिखाई नही देती है जिससे भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

बाढ़ के पानी से खेतो की स्थिति खराब, किसान परेशान

खराब हुई फसल का सर्वे कराकर मुआवजा दियें जाने की किसानों ने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों एवं गत दिनों से हो रही बारिश के कारण नदी नाले भर कर जा रहे हैं। जहां बाढ़ का पानी लोगों के खेतों में जमा हो रहा है जिससे खेतों में लगे परहा एवं खार दोनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसी कड़ी में नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित टोंडिया नाले में बाढ़ के कारण आसपास स्थित खेतों में पानी भरा हुआ है। जहां पर बीते दिनों हुई तेज बारिश के कारण नाले के आसपास खेतों में पानी भर गया था। जिससे किसानों का परहा एवं खार दोनों खराब हो जाने पर उनके द्वारा बुआर डाली गई है किंतु पुन: बारिश के कारण बाढ़ का पानी उनके खेतों में भरा हुआ है जहां पर बुआर का भी कोई पता नहीं चल पा रहा है। ऐसे ही अन्य स्थानों पर भी स्थिति बनी हुई है जिसके लिए ग्राम के विभिन्न किसानों के पास की खार कुछ किसानो के द्वारा खेतों में लगाने के लिए जमा की जा रही है। जिसे उनके द्वारा जलमग्न हो गए खेतों में लगाने की तैयारी में है ,परंतु उक्त बंधियो से आज भी पानी नहीं निकल पाने से वह काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। यह स्थिति एक.दो नहीं करीब एक दर्जन से अधिक किसानों के साथ बनी हुई है जिनके सामने बारिश के साथ सोसायटी का कर्ज और लोगों से कर्ज कर दूसरी बार की खरीदी हुई बीजाई परेशानी का कारण है कि खेती में उनकी लागत अब दोगुनी हो गई है। हालांकि बाढ़ के बाद प्रशासन के द्वारा नुकसानी की जांच करवाई गई है। जिसमें पटवारी के द्वारा किसानों के नाम लिए गए हैं। किंतु किसानों का आरोप है कि प्रशासन के द्वारा हर बार यही प्रक्रिया अपनाई जाती है किंतु मुआवजा आज तक कभी नहीं दिया गया है। इस परिस्थिति में किसानों के सामने एक बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है उनका मूल कार्य खेती होने से वह इस संकट से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। जिसके लिए विभिन्न स्थानों से खार जमा कर लाई गई है तो वहीं कुछ किसानों के द्वारा परहा खराब होने के बाद बुआर डाल दी गई है। वर्तमान में नाले का पानी कम होने का नाम नहीं ले रहा है जिससे बुआर की तो जानकारी है नहीं परंतु बंधियो में पानी की स्थिति से परहा लगाना असंभव लग रहा है। वहीं लगातार बारिश का क्रम भी बना हुआ है जिससे किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं उनके द्वारा शासन प्रशासन से प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान के मुआवजे की मांग की जा रही है।

बाढ़ का पानी खेतो में आने से लगी फसल हो गई खराब-अंकित चौधरी

किसान अंकित चौधरी ने बताया कि मैं सोनबाटोला का रहने वाला हूं बारिश के कारण जो लालबर्रा रोड़ टोंडिया नाले पर बाढ़ आई थी। उसका पानी खेतों में भर गया था जिस कारण से परहा एवं खार दोनों खराब हो गये अब रोपाई में दिक्कत हो रही है। बाढ़ का पानी उतरने से खेतों की स्थिति देखा हमने बुआर डाल दिए थे परंतु उसके बाद फिर खेतों में पानी भर गया है। २ दिन से बारिश का क्रम चल रहा है खेतों में पानी भरा हुआ है बुआर की कोई स्थिति पता नहीं चल पाई है। हमारे दूसरे खेतों की भी खार खराब हो गई है तो किसी किसान के पास जो अधिक खार बचती है उसको जमा कर व्यवस्था की जा रही है। वहां भी खेत में पानी भरा हुआ है जिसके छटने का रास्ता देख रहे हैं कि फिर हम परहा लगा सके हर बार से इस बार बहुत ज्यादा समस्या है और यह भारी बारिश के कारण हैं।

बाढ़ के कारण फसल खराब होने पर शासन को मुआवजा देना चाहिए-लालचंद चौधरी

लालचंद चौधरी ने बताया कि हम मुरझड फ ॉर्म रहते हैं यह जो टांडियां नाला है इसमें बाढ़ आने पर आवागमन पूरी तरह बंद हो जाता है। बहुत सकरा नाला है यदि इसकी चौड़ाई और गहराई बढ़ाई जाए तो बाढ़ का पानी खेतों में नहीं आएगा जिससे हम जैसे किसानों को छुटकारा मिलेगा। परंतु छोटा नाला होने से खेतों में पानी भर रहा है हमारी बीजाई खराब हो रही है बुआर डाले थे उसकी भी जानकारी नहीं है। अभी परहा लगाने फिर देख रहे हैं तो पानी खाली नहीं हो रहा है यह समस्या बारिश में हर साल होती है परंतु इस वर्ष बहुत ज्यादा है। पटवारी आए थे जिनके द्वारा निरीक्षण कर जानकारी ली गई यह हर साल आते हैं परंतु हमें आज तक कभी मुआवजा नहीं मिला है। हमें दुगनी लागत लग जाती है परंतु खेती हमारा मुख्य काम है इसलिए हम यहां मेहनत कर रहे हैं शासन को मुआवजा देना चाहिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण आज

प्रतिमा अनावरण समारोह में शामिल होंगे प्रादेशिक मंत्री उदयप्रताप सिंह-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जिले के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह का आज वारासिवनी आगमन हो रहा है। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में सभी तैयारीयां पूर्ण हो चुकी है। नगर के दिनदयाल चौक पर एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि उदय प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री मध्यप्रदेश शासन, प्रमुख अतिथि श्रीमती भारती पारधी सांसद बालाघाट सिवनी लोकसभा, विशिष्ट अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, अध्यक्षता श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष नगर पालिका एवं विशेष अतिथी गौरीशंकर बिसेन पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन ,रामकिशोर कावरे पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष बालाघाट ,राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी, गौरव पारधी विधायक कंटगी ,सुश्री मौसम बिसेन सदस्य.म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग, श्रीमती प्रीति संतोष शिव उपाध्यक्ष नगर पालिका, संदीप मिश्रा अध्यक्ष भाजपा नगर मण्डल ,मदनलाल धार्मिक ,श्रीमती रुखमणी बिसेन,पवन धुर्वे, श्रीमती मधु जायसवाल ,श्रीमती रितु खरे ,श्रीमती ललीता ठाकरे ,धर्मेश जोशी ,प्रवीण डोंगरे ,योगेन्द्र लिमजें ,श्रीमती दीपा रुसिया ,श्रीमती डॉली ऐड़े, आशुतोष कोहाड़ की उपस्थिति में किया जायेगा। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदयप्रताप सिंह ३.१५ बजे वारासिवनी में जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता व एकात्म मानववाद के प्रणेता पं दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण दिनदयाल चौक वारासिवनी में एक समारोह में करेंगे। पश्चात ४ बजे ग्राम खापा में विसाग बायोफ्यूल्स प्रायवेट लिमिटेड द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला गोडींटोला सहित ग्राम की तीनो आंगनवाडी केन्द्रो का उन्नयन एवं जीर्णोद्वार एवं खापा में इथेनाल प्लांट में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलीत होगें। नगर के प्रमुख चौक का नाम लंबे समय से पं दिनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया है। किंतू भाजपा की सरकार होने के बाद भी इस प्रमुख चौक पर श्री उपाध्याय की प्रतिमा लगाने की सिर्फ बाते ही हो रही थी। किंतू जब से भाजपा में प्रदीप जायसवाल ने प्रवेश किया है तब से भाजपा के कार्यक्रमों मे जंहा भव्य स्वरूप व कार्यकर्ताओं की लंबी कतार नजर आ रही है। वहीं आज प्रमुख चौक का नाम भी उनके द्वारा ही सार्थक होते नजर आ रहा है। पं उपाध्याय की आदमकद प्रतिमा को ग्वालियर से विशेष तौर पर लाया गया है।

सेवा प्रदाताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

फर्जी रजिस्ट्री में सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक उत्तरदाई नहीं

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सेवा प्रदाताओं के द्वारा २५ जुलाई को महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक भोपाल मध्यप्रदेश के नाम का ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में सेवा प्रदाता और उपपंजीयक किसी प्रकार से उत्तरदाई नहीं होने की बात कही गई। ज्ञापन में उल्लेखित है कि प्राय: संपूर्ण प्रदेश में कही ना कही दस्तावेजो के पंजीयन में संबंधित क्रेता और विक्रेता द्वारा फर्जीवाड़ा करने के प्रकरण मामले सामने आ रहे है। जिसमें सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक का कोई संबंध सरोकार नही होता है ।उसके बावजुद भी कुछ तथाकथित व्यक्तियों के द्वारा उन्हे दबाव डालकर भय का वातावरण निर्मित कर रहे है। गौरतलब रहे कि दस्तावेज पंजीयन के पूर्व सम्पूर्ण जानकारी एवं पंजीयन में लगने वाले समस्त दस्तावेज क्रेता और विक्रेता उपलब्ध कराते है। उसी के आधार पर सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक के कार्यालय में पंजीयन के पूर्व उनके द्वारा दिये गये दस्तावेजो के आधार व सम्बंधित गवाहो के साक्ष्य के आधार पर ही पंजीयन निष्पादित होता है। पंजीयन के दस्तावेज के लेख में इसका खुला आशय है की त्रुटियां व किसी भी तरह के विवाद उत्पन्न होने की दशा में सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक कही से कही तक दोषी नही माने जाते। विलेख में वर्णित पक्षकार अंतरण गवाह ईत्यादि विषयो पर वर्तमान भविष्य में कोई विवाद आपराधिक प्रकरण दर्ज होता है या पहचान पत्र का फर्जी उपयोग होता है एवं धोखे से विक्रेता और क्रेता अपनी असल पहचान छुपाकर गलत पहचान के द्वारा सम्पत्ति का अंतरण किया जाता है । तो सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक वैधानिक रूप से जिम्मेदार नही होते । सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक का कर्तव्य म.प्र.रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ के प्रावधानो के अनुसार मात्र उनके समक्ष उपस्थित पक्षकारो के द्वारा प्रस्तुत विलेख का पंजीयन कराना है । अंतरण संबंधि आपराधिक कृत्य हेतू सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक भी उत्तरदायी नही है। ऐसे में हम चाहते हैं कि वर्तमान या भविष्य में ऐसे किसी प्रकरण में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो पूर्णत: निष्पक्ष जांच करवायी जायें । सेवा प्रदाता एवं उप पंजीयक को छोड़कर दोषी व्यक्तियों पर आवश्यक एवं न्यायोचित कार्यवाही की जायें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेवा प्रदाता मौजूद रहे।

उपपंजीयक और सेवा प्रदाता को आरोपी बनाने प्रशासन पर डाल रहे दबाव -ऋषि तिवारी

सेवा प्रदाता ऋषि तिवारी ने बताया कि अभी फर्जी रजिस्ट्री का प्रकरण सामने आया है। जिसमें क्रेता और विक्रेता ने फर्जी आधार लगाकर कार्य किया गया ऐसे में उनके पक्ष के लोगों के द्वारा अनावश्यक उपपंजीयक ,सेवा प्रदाता को आरोपी बनाने प्रशासन पर दबाव डाल रहे हैं। इसका विरोध हम लोग करते हैं सेवा प्रदाता उपपंजीयक कहीं भी जवाबदार नहीं है अधिनियम १९०८ में यह उल्लेख है। जो दस्तावेज क्रेता और विक्रेता के द्वारा दिए जाएंगे इस पर हमारी जवाबदारी नहीं है । यदि गलत दस्तावेज लाये गए हैं तो इसके लिए दोषी दस्तावेज लाने वाला है ना कि हम। फर्जी रजिस्ट्री पक्षकार के दायरे में है कुछ लोग जबरदस्ती चाह रहे हैं कि इन्हें आरोपी बनाएं यह गलत है।

देहदानी और नगर के समाज सेवी स्व.केदार नाथ रूसिया को किया गया याद

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। केशव इंग्लिश स्कूल में देहदानी और नगर के समाजसेवी स्व.केदारनाथ रुसिया को याद किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा स्व.केदारनाथ रुसिया के द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक एवं नगर में जनसंघ और भाजपा के संस्थापक सदस्य के रूप में किए गए कार्य को याद किया गया। उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवी के रूप में एवं अंतिम समय में स्वयं को देहदान करने जैसे कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल, रमेश रंगलानी ,महेंद्र सुराना, विजय कुमार गुप्ता ,अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीरंग देवरस ,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हीरालाल ताम्रकार ,पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले ,शैलेंद्र सेठी ,राजेंद्र मिश्रा ,तिलक पारधी ,संजय मांधाता सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ २०२५ बनी डॉ अंजलि पवार

डॉ. पवार ने नगर का नाम रोशन कर मिस यूनिवर्स इंडिया में बनी प्रतिभागी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी नगर की बेटी डॉ. अंजलि पवार ने मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ २०२५ का खिताब अपने नाम कर नगर का नाम गौरवान्वित किया है। जिसके बाद वह मिस यूनिवर्स इंडिया २०२५ में प्रतिभागी बन कर नगर का नाम पूरे देश में रोशन कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉक्टर अंजली पवार नगर के वार्ड नंबर एक मिश्रा नगर की रहने वाली है जिनके पिता बी पी रहाँगडाले शिक्षा विभाग में व्याख्याता है तो वहीं माता पूजा रहाँगडाले ग्रहणी है। डॉ अंजलि पवार के द्वारा नगर में ही शिक्षा अध्ययन की गई थी । इसके बाद दंत चिकित्सक की पढ़ाई उनके द्वारा इंदौर से की गई। जहां उनके द्वारा पढ़ाई के साथ वर्ष २०१८ में मिस इंदौर का खिताब अपने नाम किया था। उनका विवाह रायपुर निवासी भारतीय इंजीनियर सेवा में कार्यरत प्रसन्न बोपचे से हुआ । जहां डॉक्टर अंजली पवार के द्वारा गृहस्थी एवं दंत चिकित्सा का कार्य किया जाता है साथ ही विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया जाता हैं। उन्होंने कुछ दिनों पूर्व संपन्न हुई मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ २०२५ में भाग लिया गया था जिसमें वह विजेता रही। जिनका छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री आवास बुलाकर सम्मानित किया गया। वह मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ बनने के बाद मिस यूनिवर्स इंडिया वर्ष २०२५ के लिए इंदौर में चल रही प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में शामिल है। उनके उज्जवल भविष्य की कामना उनके परिजनों, मित्रों सहित परिचितों के द्वारा की गई है।

डिजिटल भारत- एक क्रांति, अनगिनत अवसर और समावेशी सपनों की उड़ान

क्या आप जानते हैं कि भारत में हर मिनट 1,000 से अधिक लोग डिजिटल भुगतान कर रहे हैं और 2025 तक देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है? (स्रोत = नासकॉम, 2024) फिर भी, देश के 60प्रति से अधिक ग्रामीण परिवारों के पास इंटरनेट की पहुंच नहीं है और हर दिन साइबर अपराधों के कारण लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। (स्रोत = राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, 2024) यह विरोधाभास भारत की डिजिटल यात्रा की कहानी को न केवल रोचक बनाता है, बल्कि यह सवाल भी उठाता है कि क्या हम वाकई एक समावेशी डिजिटल भारत की ओर बढ़ रहे हैं? डिजिटल इंडिया पहल ने पिछले एक दशक में भारत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, लेकिन इस दौड़ में कई चुनौतियाँ और अवसर साथ-साथ चल रहे हैं। यह संपादकीय भारत की डिजिटल प्रगति, उसकी बाधाओं और समावेशी विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है, ताकि हर भारतीय इस तकनीकी क्रांति का हिस्सा बन सके। आइए, इस यात्रा को समझें और यह जानें कि भारत कैसे एक डिजिटल महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। भारत की डिजिटल प्रगति की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। 2015 में शुरू हुई डिजिटल इंडिया पहल ने देश में इंटरनेट की पहुंच को 20प्रति. से बढ़ाकर 2025 तक लगभग 55प्रति. तक पहुंचा दिया है। (स्रोत = ट्राई, 2025) यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म ने भारत को दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कैशलेस अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाया है। 2024 में यूपीआई लेनदेन की मात्रा 131 बिलियन से अधिक हो गई, जो वैश्विक स्तर पर एक रिकॉर्ड है। (स्रोत = एनपीसीआई, 2024) इसके अलावा, ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसे क्षेत्रों में तकनीक ने नई संभावनाएँ खोली हैं। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान, जब स्कूल बंद थे, तब स्वयं और दीक्षा जैसे मंचों ने लाखों बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। टेलीमेडिसिन ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया, जिससे दूरदराज के मरीज विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श कर सके। स्टार्टअप्स की बात करें तो, भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स हैं, जो डिजिटल नवाचार का प्रतीक हैं। (स्रोत = हुरुन इंडिया, 2025) ये उपलब्धियाँ भारत की तकनीकी ताकत को दर्शाती हैं, लेकिन इस चमकती तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जो हमें गंभीरता से सोचने पर मजबूर करता है। डिजिटल भारत की राह में सबसे बड़ी बाधा है डिजिटल डिवाइड। भारत में 1.4 अरब की आबादी में से लगभग 700 मिलियन लोग अभी भी इंटरनेट से वंचित हैं। (स्रोत = ट्राई, 2025) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां 66प्रति. भारतीय रहते हैं, केवल 25त्न आबादी के पास नियमित इंटरनेट पहुंच है। यह असमानता न केवल तकनीकी पहुंच तक सीमित है, बल्कि डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के 70प्रति. से अधिक वयस्कों को बुनियादी डिजिटल कौशल, जैसे ऑनलाइन फॉर्म भरना या सुरक्षित पासवर्ड बनाना, नहीं आता। (स्रोत = ऑक्सफैम इंडिया, 2024) इसके अलावा, साइबर सुरक्षा एक और गंभीर चुनौती है। 2024 में भारत में साइबर अपराधों की संख्या में 24प्रति. की वृद्धि हुई, जिसमें फिशिंग, डेटा चोरी और रैनसमवेयर हमले शामिल हैं। (स्रोत = एनसीआरबी, 2024) डेटा गोपनीयता भी एक चिंता का विषय है, क्योंकि कई भारतीयों को यह नहीं पता कि उनके डेटा का उपयोग कैसे हो रहा है। ये चुनौतियाँ न केवल डिजिटल प्रगति को धीमा करती हैं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को और पीछे धकेलती हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा। भारत सरकार ने भारत नेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन इसकी गति धीमी रही है। 2025 तक केवल 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में से 1.8 लाख को ही हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा जा सका है। (स्रोत = भारत नेट, 2025) इसे और तेज करने के लिए निजी टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना होगा।

देश के लिए रूस का योगदान अहम् है

हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत से काम करना चाहिए फल जरूर मिलेगा जब बिहार विधानसभा में तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के बीच तकरार हुआ तो दोनों में बहसाबहसी हुई और सभापति ने आरजेडी के विधायक से उनके शर्मनाक व्यवहार से माफी मांगने को कहा, उधर जन सुराज पार्टी के नेता डॉ प्रशांत किशोर कहीं सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कहीं कुछ भी बोलना ठीक नहीं है मुस्लिम वोट के लिए उन्होंने उनकी सभा में ऐ तक कह दिया कि आप अल्पसंख्यक नहीं हो आपकी आबादी 20 करोड़ के पास है अत: हक मांगो देखिए बिहार बहुत ही चालक राज्य है चुनाव में भाषण देना आसान है लेकिन वोट लेना बहुत मुश्किल है क्योंकि इतने सालों बाद भी बीजेपी अपना सरकार नहीं बना पा रही है यानि एनडीए बहुत मुश्किल से टिकी है अत: नीतीश कुमार को उम्र के हिसाब से कमजोर समझना भूल होगी क्योंकि उनका बिहार में महिलाओ का एक बड़ा वर्ग उसके समर्थन में वोट देती है इसका कारण है पूर्व के लालू सरकार के शासन काल जिसमें उस जंगलराज में शाम होते ही महिलाओ का निकलना मुश्किल होता है आरजेडी का बड़ा वोट बैंक मुस्लिम और अनुसूचित जाति का है चाहे कितना भी भाषण दे दें बिहार में आरजेडी को मुस्लिम का वोट मिलता है जब स्व राम विलास पासवान जो उस समय मुस्लिमों के बड़े चहेते थे उन्होंने यहाँ तक कह दिया था जब 2005 में 30 सीट लाकर त्रिसूँक परिणाम आए तो कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री होगा तो मुस्लिम ही होगा जब उन्हें बहुत रैली के बाबजूद 30 सीट ही मिली थी जहाँ एक ही नारा हर जगह चलता था एक आस रामविलास बाद में आरजेडी के साथ लोजपा का बिहार में गठबंधन हुआ और एनडीए के पक्ष में सरकार बनी थी हालांकि उस समय राजगीर में जेडीयू, बीजेपी के साथ लगभग सरकार बनाने की स्थिति में थी लेकिन उस समय कॉंग्रेस के नेता बूटा सिंह बिहार के राज्यपाल थे और उस समय के राष्ट्रपति डॉ कलाम साहब विदेश में थे उन्होंने फैक्स के माध्यम से राज्यपाल के प्रस्ताव पर बिहार में राष्ट्रपति शासन की मंजूरी दे दी तभी से बिहार के पड़े लिखे लोगों को ऐ निर्णय सही नहीं लगा और बाद में एनडीए की सरकार बनी उस समय बड़े बड़े वकील यहाँ तक न्यायधीश के व्यक्तिगत राय थी कि एक चुनी हुई पार्टी को सदन में बहुमत सिद्ध करना होता है कि ना की राजगीर में अत: राष्ट्रपति शासन वो भी विदेश से फैक्स के माध्यम से लगाना न्यायपूर्ण नहीं है और इसका फायदा नीतीश कुमार की अगुवाई में पूर्ण बहुमत से बनी क्योंकि उस समय ईवीएम से चुनाव हुआ अत: पारदर्शिता थी जिस समय टी एन शेषण चुनाव आयूक्त थे उस दौर में खासकर गरीब महिलाओ का घर से निकलने पर कहीं जेवर लूट लेते कहीं चोरी कहीं बलात्कार होता और प्रशासन उसे राजनीती दबाव में कुछ नहीं कर पाती यहाँ तक की बदमाश लड़के प्यार के शौक में लड़की के घर भी घुस जाते थे बिहार में एक तरफ अपराध उस समय चरम सीमा पर था क्योंकि हर दिन कुर्सी का ऐसा नशा था कि गाड़ी चोरी होती कहीं और और मिलता राजनेता के पास, दिन दहारे लूट और हंगामा करने पर गोली चला देना ऐ गुंडाराज ही था जिससे बिहार की बदनामी दूसरे राज्य में होती और जब 2005 में एनडीए की सरकार बनी तो मातम परसा पटना में और खुश हुआ दूसरे राज्य के लोग उस समय लोग ऐ कहते नजर आने लगे कि क्या भाई लालटेन की लौ बुझा दि लालू जी का जो बोलने का अंदाज था वो दूसरे राज्य के लोग उसका मजाक उड़ाते नजर आते थे आज वो खुद ही स्वास्थ से लाचार नजर आते हैं इसलिए बुराई का अंत निश्चित है क्योंकि उसे भगवान राम देख रहें होते हैं और बिहार में भगवान राम को मानने वाले लोगो की संख्या बहुत अधिक है क्योंकि वहाँ गरीबी है मुझे याद है कि एक बेदाम बेचने वाला को 1रूपये की कम देकर आधा तो खा गया और बोलने पर उस समय 30 रूपये की गोली चला कर उसकी हत्या कर दि गई इसलिए वहाँ एक छत्र राज्य करना मुश्किल है बिहार गुरू गोविन्द सिंह की जन्मभूमि है इसलिए इतना आसान नहीं है अपराध करना क्योंकि बाद में मिट्टी में मिल जायेंगे यदि आज अपराध किया तो सजा मिलना तय है अत: वोटर संसोधन सही है या गलत न्यायलय इसका फैसला करेगा आज कल देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का इस्तीफा देना एक मुद्दा बना हुआ है जो देश का दूसरा सर्वोच्च पद है देखिए जब तक सच्चाई सामने नहीं आती इस पर बोलना ठीक नहीं है क्योंकि वो एक सम्मानीय पद है इसे तुरंत विपक्ष ने लपक लिया और मीडिया में आने से विदेश में इसका बुरा असर पड़ता है फिर अमेरिका के राष्ट्रपति कहेँगे मैंने ही इस्तीफा दिलाया, ऐ बात सही है ऑपरेशन सिंदूर में सेना के हिसाब से चलना चाहिए लेकिन ट्रम्प कहाँ से सीजफायर का ऐलान किये ऐ सही नहीं है क्योंकि अमेरिका भारत को कभी अपना सच्चा दोस्त नहीं माना है यदि ऐसा होता तो अमेरिका में बसे भारतीय नागरिक जो डंकी रुट या वीसा रद्द होने पर उसको इस तरह हथकड़ी पहना कर गुरू के पावन भूमि अमृतसर में कार्गो प्लेन में नहीं भेजता भारत में भी बहुत से लोग अवैध रूप से पक? जाते हैं लेकिन उन्हें उस तरह नहीं भेजा जाता है पाकिस्तान का सपोर्ट अमेरिका करता है उसे लोन दिलाया और इतना तो समझो की उसके पास अधिकतर फाइटरजेट अमेरिका ने ही दिए है और वो भी इस तरह की आतंकवादी को खत्म करने के लिए, जो भारत के खिलाफ युद्ध में इस्तेमाल करता है यही बात अगर रूस के राष्ट्रपति पुतिन कहे होते तो इतनी नाराजगी नहीं होता क्योंकि रूस भारत का अपना सगा भाई जैसा है उसने कभी पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसीर मुनीर को लंच पर नहीं बुलाया ब्रह्मोस मिशायल भारत और रूस का मिला जुला मिसायल तकनिकी है और आप इतिहास उठाकर देखें तो रूस अपना बड़ा भाई जैसा देश नजर आएगा चाहे वो हथियार या अन्य क्षेत्र में विकास को देखें लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उनसे हमारे रिश्ते सही नहीं बन पाये इसे गंभीरता से लेना चाहिए दो नाव पर सवार नहीं किया जा सकता अत: रूस का साथ ही भारत के लिए सबसे बेहतर है क्योंकि वो कभी भारत में सभ्य तरीके से बात करता है और दादागिरी नहीं दिखाता है पोखरण -2 परमाणु परीक्षण से लेकर भारत पाकिस्तान युद्ध जो स्व इंदिरा गाँधी के समय में लड़ा गया उस समय वर्तमान सरकार के साथ था रूस, रूस का हर मामलों में भारत से हमेशा एक मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहा है जिससे सेना का मनोबल बड़ा है अत: हमें इस सम्बन्ध में बहुत समझदारी से काम लेना चाहिए देश सर्वोपरि है और सेना का मनोबल कभी टूटे नहीं और अमेरिका का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि उसने हमें भाई की दृष्टि से नहीं व्यापार की दृष्टिकोण से देखा है सेना के अपने तरह से काम करने देने की पूर्ण आजादी मिले और देशहित में निर्णय हो वो तो किसी समय तत्कालीन रक्षा मंत्री स्व मनोहर परिकर का रूस से फरीदा गया एस 400 डिफेन्स सिस्टम था कि दुश्मन के अस्त्र को हवा में ही मार गिराया अत: गलत गलत ही होता है और लोग उसी को याद करते हैं जो देश सेवा की भावना से काम करता है।

अब आपको निर्णय करना है देश के लिए रूस का साथ रहना है या अमेरिका के साथ जहाँ धोखा ही धोखा है और बारबोलापन है रूस ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दि क्योंकि उसे यूक्रेन से लड़ रहा है जिसमें वो अकेले नाटो से अपरोक्ष रूप से लड़ रहा है ऐ उसका आंतरिक मामला है अत: हमें या तो साथ देना चाहिए या चुप रहकर उसका हाल चाल पूछना चाहिए। यूक्रेण युद्ध के लिए वहाँ के राष्ट्रपति जिलेस्की जिम्मेदार है इसलिए वहाँ अब उसके खिलाफ आवाज उठाना चालू हो गई।अत: भारत देश के लिए रूस का योगदान अहम् है।

-संजय गोस्वामी

मस्तिष्क स्वास्थ्य एक आजीवन यात्रा है जो जन्म से शुरू होती है और जीवन के हर चरण में जारी रहती है

वैश्विक सृष्टि में विचिरित 84 लाख योनियों में हालांकि सृष्टि रचयिता ने मस्तिष्क सभी को दिया है परंतु मानवीय योनि में जो मस्तिष्क की रचना की है वह अद्भुत कलाकृति ही नहीं उसके परिणामों में से एक, मस्तिष्क के दम पर ही मानव की चांद तक पहुंच सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी सहित अनेक कुदरती रचनाओं को आर्टिफिशियल तक बनाकर उनकी बराबरी करने की कोशिश की जा रही है बस!अब मानव शरीर में ऐसा क्या आता है और क्या निकल जाता है कि मानवीय जीव जीवन मृत्यु के घेरे में आ जाता है इसपर रिसर्च चल रहा है जिसमें मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, कि मानवीय जीव कभी सफल नहीं होंगे आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 22 जुलाई 2025 को विश्व मस्तिष्क दिवस मनाया जा रहा है। विश्व मस्तिष्क दिवस मस्तिष्क स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जीवन भर अपने मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के तरीकों को साझा करने के लिए समर्पित एक वैश्विक आंदोलन है।

यह याद रखना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि मस्तिष्क स्वास्थ्य केवल वृद्धों की ही चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह हर उम्र के सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। मस्तिष्क स्वास्थ्य एक आजीवन यात्रा है जो जन्म से शुरू होती है और जीवन के हर चरण में जारी रहती है। खास करके भारत के लिए जहां 65त्न से अधिक युवा युवा रहते हैं वह हमारे सामने विजन 2047 है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम मस्तिष्क स्वास्थ्य को समझने की करें तो,मस्तिष्क स्वास्थ्य का अर्थ है हमारे मस्तिष्क को सकारात्मक, लचीला और सक्रिय बनाए रखना। यह हमारे सोचने, सीखने, याद रखने और तनाव से निपटने के तरीके को प्रभावित करता है। स्वस्थ मस्तिष्क का होना समग्र स्वास्थ्य, सफल रिश्तों और जीवन भर स्वतंत्रता का आधार है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क स्वास्थ्य संज्ञानात्मक, भावनात्मक, संवेदी और शारीरिक क्षेत्रों में सुचारु रूप से कार्य करने की क्षमता है-जो व्यक्तियों को स्वास्थ्य स्थितियों का प्रबंधन करते हुए एक संपूर्ण, स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाता है।

मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए आपके जीवन के भौतिक, पर्यावरणीय और सामाजिक पहलुओं के प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जिससे न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समृद्धि में भी सुधार होता है। साथियों बातें ग्राम विश्व मस्तिष्क दिवस मनाने की करें तो, विश्व मस्तिष्क दिवस मस्तिष्क स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जीवन भर अपने मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के तरीकों को साझा करने के लिए समर्पित एक वैश्विक आंदोलन है। यह याद रखना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि मस्तिष्क स्वास्थ्य केवल वृद्धों की ही चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह हर उम्र के सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। मस्तिष्क स्वास्थ्य एक आजीवन यात्रा है जो जन्म से शुरू होती है और जीवन के हर चरण में जारी रहती है। 2014 से, विश्व मस्तिष्क दिवस, विश्व न्यूरोलॉजी महासंघ के नेतृत्व में, प्रमुख न्यूरोलॉजिकल संगठनों द्वारा समर्थित, एक प्रमुख जागरूकता कार्यक्रम रहा है। मस्तिष्क स्वास्थ्य के महत्व पर ध्यान आकर्षित करने और अच्छे कार्यों को बढ़ावा देने के लिए हर साल एक मुख्य विषय का चयन सामूहिक रूप से किया जाता है।वर्ष 2025 का विषय, सभी आयु वर्गों के लिए मस्तिष्क स्वास्थ्य, शीघ्र पहचान और व्यापक तंत्रिका संबंधी देखभाल के माध्यम से विकलांगता को समाप्त करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के दृष्टिकोण के अनुरूप है। साथियों बातें ग्राम मस्तिष्क को स्वस्थ रखने की करें तो मस्तिष्क के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए बड़े बदलावों की ज़रूरत नहीं है। रोज़मर्रा की साधारण आदतें भी बड़ा बदलाव ला सकती हैं। ये स्वस्थ जीवनशैली विकल्प याददाश्त, एकाग्रता, मनोदशा और दीर्घकालिक मस्तिष्क कार्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के कुछ प्रभावी तरीके यहां दिए गए हैं=(1) संतुलित आहार लेंन्टीऑक्सीडेंट, स्वस्थ वसा और विटामिन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें - जैसेपत्तेदार साग, जामुन, मेवे, बीज और साबुत अनाज।(2)नियमित शारीरिक गतिविधि करें= व्यायाम मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और स्मृति हानि तथा मनोदशा संबंधी विकारों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।(3) नींद को प्राथमिकता दें= मस्तिष्क को आराम करने, मरम्मत करने और सूचना को संसाधित करने के लिए प्रत्येक (4)रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद का लक्ष्य रखें।(5)मानसिक रूप से सक्रिय रहें= पढ़ने, पहेलियाँ सुलझाने, कोई नया कौशल सीखने या स्मृति खेल खेलने के माध्यम से मस्तिष्क को व्यस्त रखें।(6) तनाव प्रबंधन= दीर्घकालिक (7) तनाव समय के साथ मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। गहरी साँस लेने, ध्यान लगाने या योग जैसी विश्राम तकनीकों का अभ्यास करें।(8) धूम्रपान से बचें और शराब का सेवन सीमित करें= ये पदार्थ मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और तंत्रिका संबंधी विकारों के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।(9) नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं= संज्ञानात्मक स्वास्थ्य की प्रारंभिक जांच से समस्याओं का पता बढ़ने से पहले ही लग सकता है।मस्तिष्क मानव शरीर का नियंत्रण केंद्र है, जो गति, स्मृति, चिंतन, भावनाओं और समन्वय के लिए ज़िम्मेदार है। इसके महत्व के बावजूद, मस्तिष्क स्वास्थ्य को अक्सर तब तक नज़रअंदाज़ किया जाता है जब तक कोई समस्या उत्पन्न न हो जाए। दुनिया भर में लाखों लोग मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं, जिनमें से कई को शुरुआती जागरूकता और जीवनशैली में बदलाव से रोका जा सकता है या बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है।

अत: अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मस्तिष्क स्वास्थ्य एक आजीवन यात्रा है जो जन्म से शुरू होती है और जीवन के हर चरण में जारी रहती है।विश्व मस्तिष्क दिवस 22 जुलाई 2025-मस्तिष्क स्वस्थ हर उम्र के सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।मस्तिष्क की कई बीमारियों को जागरूकता अभियान चलाकर रोका जा सकता है जो मानसिक, सामाजिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

सीमित समय और विपरीत हालातों में जीता गया था कारगिल युद्ध

कारगिल का युद्ध और उस पर स्थापित भारत की विजय कई मायनों में विलक्षण हैं। ये एक ऐसा व्यांपक विषय है, जिसके बारें में गहन अध्ययन किए जाने की आवश्याकता है और इससे सीखने की भी व्याकपक संभावनाएं अस्तित्वभ में बनी हुई हैं। उदाहरण के लिए शुरूआत राजनीतिक विषमताओं भरे माहौल पर गौर किया जाना सर्वथा उपयुक्त् रहेगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं, कारगिल पर पाकिस्ताअन के नापाक कब्जीे का प्रयास तब हुआ जब केंद्र में जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी और स्वनर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री हुआ करते थे। ये अपने आप में ऐतिहासिक कीर्तिमान है कि उनकी सरकार में लगभग दो दर्जन राजनैतिक दल भागीदार रहे। वो भी ऐसे ऐसे कि अधिकांश दल और नेता पारंपरिक रूप से ही एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते थे। सबके अपने अपने राजनैतिक स्वासर्थ उभार पर थे। तब कारगिल जैसे गंभीर मुद्दे पर सभी को एक राय करना मेंढ़कों को तराजू के पलड़े में तौलने जैसा दुष्किर कार्य था। जैसा कि हम अक्सगर देखा करते हैं, कई राजनैतिक दल राष्ट्रीीय और क्षेत्रीय तौर पर ऐसे हैं जो हमेशा पाकिस्तासन के साथ बातचीत करने की हिमायत करते रहते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की बात करने वाले दल अथवा नेता आश्वस्त हों कि वार्ता शुरू होने से पाकिस्ताऐन अपनी नापाक हरकतों से बाज आ जाएगा, बल्कि सही बात ये है कि देश के मतदाताओं में एक वर्ग ऐसा भी है जो मजहबी तौर पर पड़ौसी दुश्मनन देश के प्रति व्य क्तिगत स्तंर पर दोस्ता,ना रवैया अख्तियार करता है और चाहता है कि हमारे वोट के जरूरतमंद नेता भी पाकिस्तानन के साथ ऐसा ही भाईचारे वाला व्यतवहार करें। बस इन्हेंअ ही तुष्टख बनाए रखने के लिए कई बार हमारे कई राजनैतिक दल और नेता तुष्टीकरण की नीति अपनाए रहते हैं। ऐसे में जरूरी हो गया था कि तत्काहलीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ऐसी नीति पर काम करें कि पाकिस्तोन को ईंट का जवाब पत्थरर से दिया हो जाए और आपसी सियासी लाभ हानि के गणित को हर हाल में निष्फेल किया जा सके, ताकि देश पर कोई राजनैतिक संकट खड़ा न हो जाए। तब उन्हों ने सेना के हाथ खुले छोड़ते हुए ये संदेश आम किया कि सरकारें आएंगी जाएंगी, राजनैतिक परिस्थितियों बनती बिगड़ती रहेंगी, लेकिन ये देश सलामत रहना चाहिए और में वही करने जा रहा हूं। सरकार जाती है तो अभी चली जाए, किंतु देश के भाल को कलंकित कर रहा दुश्मरन बचकर नही जाना चाहिए। सबको पता है और उस समय के नेता भी जानते थे कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नीयत पर शक शुबहा की कोई गुंजाईश जनता के बीच कभी रही ही नहीं, सो तब भी जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही। बस यही वजह रही कि अनेक आपसी मतभेद होने के चलते भी सरकार में शामिल सभी राजनैतिक दल इस फैसले में सहज ही प्रधानमंत्री के साथ हो लिए और विपक्ष ने भी देशहित के सवाल पर सकारात्मलक रवैया अपनानाया जाना उचित जाना। नतीजा सबके सा?मने है, हमने सीमित समय में बेहद विपरीत हालातों के बावजूद उस युद्ध को जीता और दुश्मनन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सका। बाद में तत्काऔलीन राजग सरकार को कारगिल में जीत का इतना अच्छा प्रतिसाद मिला कि चौबीस दलों वाली श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार केवल देश में ही नहीं, दुनियाभर में सराहना की पात्र बनी और आपद काल में एकता की मिसाल कायम करने में सफल साबित हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तमर पर भी देखें तो खुद को दुनियां का ठेकेदार समझने वाला अमेरिका हमारी नाक में कौड़ी डालने को आतुर नजर आ रहा था। क्यों् कि वो नहीं चाहता था कि भारत परमाणु शक्ति बने, लेकिन देश का हित सर्वोपरि रखते हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की राजग सरकार ने एक साल पहले ही पोखरण में परमाणु परीक्षण कर दिखाया था। इससे अमेरिका बौखलाया हुआ था, नतीजतन हमारे देश पर अनेक आर्थिक प्रतिबंध लागू किए जा चुके थे। शायद उसे उम्मीयद थी कि आर्थिक दवाब में आकर चौबीस दलों वाली वाजपेयी सरकार जल्दी ही घुटनों के बल दिखाई देगी, लेकिन वो ये बात भूल गया कि तत्का लीन भारत सरकार का नेतृत्वो एक ऐसा नेता कर रहा था, जिसने राष्ट्रीय स्व यं सेवक संघ की शाखाओं में देशभक्ति के तराने केवल गाए ही नहीं थे, उन्हेंए आत्म सात भी किया था। अत: अटल सरकार का झुकना असंभव था और वो झुकी भी नहीं। जैसे ही भारतीय तोपों ने गरजना शुरू किया और जब कारगिल का दांव पाकिस्तारन पर उल्टा पड़ता दिखाई दिया तो वो कश्मीअर और परमाणु परीक्षण का मुद्दा लेकर अमेरिका की शरण की ओर भागा। वहां उसने भारत के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाने की बात रखी और युद्ध में पाकिस्तावन का साथ देने की गुहार लगाई। अमेरिका को भी ऐसा करना सहज लगा सो वहां के शीर्षस्थत नेता ने हमारे प्रधानमंत्री को फोन लगा दिया और अपेक्षा जताई कि जब पाकिस्ताकन वार्ता की टेबिल पर बैठने की पहल कर रहा है तो भारतीय प्रधान मंत्री को भी शांति का महत्वऔ समझते हुए अमेरिका आ जाना चाहिए, ताकि युद्ध विराम की शुरूआत की जा सके, लेकिन श्री अटल बिहारी वाजपेयी अपनी आदत के मुताबिक इस मामले में भी हाजिर जवाब ही रहे। उन्हों ने अमेरिका के तत्कामलीन राष्ट्रकपति से स्प ष्टि शब्दों में कह दिया था कि जब तक पाकिस्ता न को उसकी नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब उसी की भाषा में मिल नहीं जाता, तब तक तो मैं पाकिस्ताहन से बात करने के बारे में नहीं सोचूंगा, फिर भले ही मुझे व्याक्तिगत तौर पर इसकी कोई भी कीमत क्यों् न चुकानी पड़ जाए। जरा गौर करें, ये टके सा जवाब भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा एक ऐसे देश के शीर्षस्थत नेतृत्वी को दिया गया था, जो ये मानकर चलता रहा कि उसके सामने न कहने की हिम्मजत तो दुनियां के किसी देश या नेता में है ही नहीं। यानि हम कारगिल की चोटियों पर ही नहीं लड़ रहे थे, दुनियां के ठेकेदारों को भी सबक सिखाने एक मोर्चा हमें अंतरराष्ट्रीय स्तलर पर भी लेना पड़ रहा था। काबिले गौर बात ये रही कि हम दोनों ही मोर्चों पर सफल रहे, सीमा पर भी और वैश्विक चौधराहट को ठीक करने के मामले में भी। इस लड़ाई की एक और विशेषता ये रही कि जब दोनों देशों की सेना आमने सामने थी तो हम नीचे थे और दुश्म न हमसे सैकड़ों फुट ऊपर कारगिल की चोटियों पर डटा हुआ था। ऐसे में कुछ विश्लोषक असंभव परिणामों की कल्प ना भी करने लगे थे। बात सही भी लगती है कि जब दो सेनाओं के बीच ठनी हो और एक सेना सैकड़ें फुट की ऊंचाई पर जमी हो और दूसरी गहरी खाइयों से लोहा ले रही हो तब कौन कहेगा कि नीचे वाले जीतेंगे और ऊपर बैठे लोग मुंह की खाएंगे, लेकिन हुआ वही जो करने के लिए भारतीय सेना विख्यालत रही है। पहले तो हम किसी को छेड़ते नहीं और यदि हमें कोई छेड़े तो उसे हम छोड़ते नहीं। एक निश्चित समय में हमने कारगिल युद्ध में विजय पाई और पाकिस्ताछन को उसकी औकात समझाने में हमेशा की तरह ही सहज सफल साबित हुए। यहां समझने वाली बात ये है कि यदि परिस्थितियां विपरीत हों या संसाधनों की विषमता, हमें अपने आत्मिबल को बेहतर बनाए रखना चाहिए। यदि लक्ष्यथ स्पहष्टा हो और नीयत साफ तो फिर सामने पाकिस्तािन हो या फिर अमेरिका, जीत हमेशा सत्यु की ही होती है। दुनियां ने देखा कि हमने पाकिस्तापन को तो ठीक किया ही, अमेरिका को भी ये अहसास कराने में सफल रहे कि वो संसाधनों की दृष्टि से भले ही साधन सम्पुन्ने देश क्योंा न हो, लेकिन यदि भारतीय संप्रभुता की बात आएगी तो यहां का प्रधान मंत्री किसी की भी चौधराहट बर्दाश्तन नहीं करेगा। एकदम यही रवैया वैश्विक स्तेर पर वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी अपना रखा है। अब बात करते हैं हमेशा की तरह कारगिल में भी मुंह की खाने वाले पाकिस्ता न की । ये एक ऐसा देश है जिसकी करतूतों की तुलना कुत्तेच की दुम से की जा सकती है। एक कहावत विख्योत है कि कुत्तेत की दुम को सालों तक भी लोहे की सलाखों के साथ बांध के रख दिया जाए तो भी वो सीधी नहीं हो सकती। इस देश का रवैया भी एकदम कुत्ते की दुम के जैसा ही है। हमारे नेताओं से कभी भी पाकिस्ताकन का बुरा तो नहीं चाहा, ये बात डंके की चोट पर कही जा सकती है, लेकिन दुर्भाग्यीजनक बात ये है कि उसकी तो नींव ही भारत विरोधी ऐजेंडे पर टिकी हुई है। यही वजह है कि वहां के हुक्मरान हों या फिर सेना, ये जब कभी भी अपनी दिग्भ्रमित कार्यप्रणाली के चलते जनता की नजरों में निष्फोल साबित होने लगते हैं, वैसे ही भारत को पानी पी पी कर कोसना शुरू कर देते हैं। उस पर फिर राग कश्मीधर तो इन्हेंल सियासी तौर पर अतिरिक्ते सुरक्षा मुहैया कराता ही है। लिहाजा ये हर कहीं भारत की खिलाफत करते और राग कश्मीगर आलापते दिखाई देते रहते हैं। उनकी इसी फितरत का कारण बनकर कारगिल काण्डी सामने आया। दरअसल भारत के तत्कााालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी उन दिनों पाकिस्ता न के साथ सम्बडन्धों मजबूती प्रदान करने के महती कार्य को अंजाम दे रहे थे। वे ऐसा मानते थे कि पड़ौसी वो प्राकृतिक अवस्थाा है जिसे बदला नहीं जा सकता। अत= जहां तक हो सके अपने विकास के साथ साथ उसकी बेहतरी के प्रयास आम सहमति के आधार पर बने रहना चाहिए। वो कहते भी थे कि भारत और पाकिस्ताबन को आपस में लड़ने की बजाय अपने यहां की गरीबी और अशिक्षा से एक साथ लोहा लेने की जरूरत है।

इसी सोच के चलते वो बेहद सौहार्दपूर्ण वातावरण में बस में बैठकर लाहौर तक गए। वहां पर उन्होंकने पाकिस्तानी जनता का वो खौफ भी दूर किया जो वहां के नेताओं ने व्या पक पैमाने पर फैला रखा था। वो ये कि भारत के परमाणु बम और अत्याेधुनिक हथियार अंतत= पाकिस्तानि के खिलाफ ही काम आने वाले हैं। तब अटल जी ने ये हस्तारक्षरित भरोसा वहां की जमीन पर खड़े होकर वहां की जनता को दिलाया था कि शुरूआत कभी भी हमारी तरफ से नहीं होगी। परमाणु बम का इस्तेमाल भी भारत कभी अपनी ओर से नहीं करेगा, लेकिन यदि हमें अकारण छेड़ा गया तो युद्ध भले ही कोई शुरू करे, उसे खत्मत हमारी सेना ही करेगी। अटल जी का ये साफ सुथरा रवैया पाक जनता की समझ में तो आया, लेकिन सत्ता पर गिद्ध दृष्टि जमाए बैठी सेना को रास नहीं आया।

-डॉ. राघवेंद्र शर्मा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। कमजोर आवकों के चलते शुक्रवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार सुर्खी पर रहे। चना मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश बने रहे। किराना जिंसों में सूखे मेवों में मजबूती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में आवकें कमजोर रहने से भावों में जोरदार तेजी आयी। चना मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में बाजार ठहरे-ठहरे रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत नज़र आये। उधर, किराना जिंसों में सूखे मेवों में लेवाली रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 310-360, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1800, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1140-1150, सोया रिफाइंड 1200-1210, कपास्या 1315, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375-1400, मुम्बई पाम 1200-1210, मुम्बई सोया 1225,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6450, एवरेज 6100-6200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6100, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7500-7600, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शुक्रवार को विश्व बाजार में बनी सुस्ती से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 114500, चाँदी (99) 114400, टंच 113600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98400,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.55 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी की पूंजी निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 86.59 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार कर रही है क्योंकि निवेशक नवीनतम वैश्विक व्यापार घटनाक्रमों पर विचार कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.59 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए शासन व प्रशासन के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने मित्रों का पूरा साथ मिलेगा। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस कामों में कुछ गलतियां निकाल सकते हैं।

वृषभ- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन में भी आपको तालमेल बनाकर चलना होगा। दूरसंचार के साधनों में वृद्धि होगी। अध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटें। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलता दिख रहा है। आपको संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके बिजनेस के काम को लेकर कोई बेहतर सलाह दे सकते हैं। शेयर मार्केट से जुड़े लोग अच्छा इन्वेस्टमेंट करेंगे, लेकिन आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह अवश्य लेनी होगी। आप अपने पिताजी से किसी बहसबाजी में न पड़े, नहीं तो उन्हें आपके कोई बात बुरी लग सकती है। आपको अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखनी होगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। संतान को आप संस्कारों व परंपराओं का पाठ पढ़ाएंगे। आप अपने किसी पेंडिंग कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपसे लापरवाही के कारण कामों में कोई गड़बड़ी हो सकती है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं वह किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आपके आसपास में कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने बिजनेस की योजनाओं में तालमेल बनाकर चलना होगा। आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की पूरी कोशिश करें। स्वास्थ्य पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। आप अपनी जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे न हटे। कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी निवेश संबंधी मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने माता-पिता से किसी बात को लेकर तर्क वितर्क में पड़ने से बचना होगा। आपके कुछ शत्रु प्रबल रहेंगे, जो आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप दिखावे के चक्कर में धन खर्च अधिक करेंगे। आप कहीं घूमने फिरने की योजना बना रहे हैं, तो वहां आपको थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि आपकी कोई प्रिय वस्तु खोने व चोरी होने का भय सता रहा है।

तुला- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आप अपने मनोबल को ऊंचा करके चले, आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपका कोई काम यदि धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए बेहतर रहने वाला है। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आपको जीत मिलेगी। आपको अपने कामों को थोड़ा धैर्य से निपटाने की आवश्यकता है। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। विद्यार्थियों ने किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। नौकरी के तलाश में भटक रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपके कुछ नया करने के प्रयास बेहतर रहेंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें। आपको अपने स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को दूर करना होगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको किसी काम को लेकर अनुशासन बनाए रखना होगा और आपके परिजन आपको कोई सलाह दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें। आपको कुछ ईषालु व झगड़ालू लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

कुंभ- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी और व्यापार में आपको मन मुताबिक परिणाम मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। नेतृत्व प्रयासों को बल मिलेगा। सहकारिता की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में आपको पूरा ध्यान देना होगा। सभी का सहयोग आप पर बना रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए पारिवारिक विषयों में मजबूती लेकर आएगा, लेकिन आप अपने बिजनेस को लेकर कोई जोखिम ना उठाएं। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों में ढील देंगे, तो बाद में आपको इसके लिए पछतावा हो सकता है और आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं। आप मेहनत से बिल्कुल पीछे न हटे। स्वास्थ्य पर भी आपको पूरा ध्यान देना होगा।

शब्दजाल - 7971

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके अंत में 'ई' आता हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं।

श	रा	ज	क	व	ई	ह	ट	झ	क	चि
अं	च	र	ठि	रि	लै	ता	दि	शा	को	क
ग	र	ह	ना	दा	चि	सि	बे	ला	ल	ना
ह	स	गा	ई	ल	क	आ	ह	ऊं	र	ह
ई	रा	र	ष	ह	मि	श	च	स	चा	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ना	त	उ	न	ई
म	ट	बु	अ	म	रा	ई	ह	त	ह	क
ह	जी	वा	उ	क	छ	सौ	न	रा	जू	ट
गा	थो	तें	ब	ह	ज	दा	ने	ई	र	द
ई	ल	प	का	रं	ट	ऐ	वे	न	रु	थो
त	ड़	पा	ई	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 7970 का हल

अमराई, कठिनाई, सगाई, महंगाई, उतराई, आशनाई, उबकाई, ऊंचाई, अंगड़ाई, कटाई

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6915

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6914

बै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		चीं		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8439

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. तारा का एक देश-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना-4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ-2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली - 8438 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.07 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	09.18 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.29 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.44 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.00 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.05 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.24 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.55 बजे से
		वृष	00.35 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मिथुन	02.33 बजे से
		कर्क	04.46 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 207 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** द्वितीया 22.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 15.52 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि (असृक) 05.32 बजे तदनन्तर व्यतीपात 04.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 10.58 बजे तदनन्तर कौलव 22.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872417 **जूलियन दिन** 2460882.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः न्यूटन का संयम

एक बार सर आइजक न्यूटन ने लगातार कई दिनों तक दिन-रात मेहनत करके एक शोधपत्र तैयार किया। काम पूरा होने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली। वह शोधपत्र के पन्नों को एक जगह रखकर कुछ देर के लिए बाहर चले गए। जहां वह शोधपत्र रखा था, वहीं एक मोमबत्ती जल रही थी। उस समय न्यूटन का पालतू कुत्ता जैकी अकेला था। अकेले में मोमबत्ती की परछाई को देख कर जैकी उस पर कूद पड़ा। जैकी के ऐसा करते ही जलती हुई मोमबत्ती मेज पर रखे शोधपत्र पर जा गिरी और देखते ही देखते कागजों ने आग पकड़ ली। कई दिनों की मेहनत पल भर में ही राख हो गई। कुछ ही देर बाद न्यूटन जब वापस लौटे तो यह दुर्घटना देखकर आपा खो बैठे लेकिन उन्होंने तुरंत ही स्वयं को संभाला। उन्होंने मन ही मन सोचा कि जो राख हो चुका वह तो वापस आ नहीं आ सकता फिर परेशान होने से क्या फायदा। जैकी को नजदीक देखकर वह समझ गए कि उसी के कारण यह सब हुआ है। फिर वह जैकी की तरफ देखकर उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोले, 'तुम क्या जानो जैकी कि तुमने मेरी मेहनत को मिट्टी में मिला दिया है। खैर, अब तो जो हो गया सो हो गया। गुस्सा या पश्चाताप करने से कुछ होगा नहीं। इसलिए बेहतर है कि मैं नए सिरे से अपना काम शुरू करूं।' न्यूटन उसी समय शोधपत्र फिर से तैयार करने में जुट गए। बाद में जिसने भी यह वाकया सुना उसने न्यूटन के धैर्य और लगन की तारीफ की।

सूडोकु नवताल- 7224

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7223 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 721.08 अंक नीचे आकर 81,463.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837.00 पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस के शेयरों में जून तिमाही के परिणामों की घोषणा के बाद सबसे ज्यादा 4.73 फीसदी की गिरावट रही। वहीं पावर ग्रिड, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी टूटे। केवल सन फार्मा और भारती एयरटेल के शेयर ही ऊपर आये। जानाकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और दुनिया भर से नकारात्मक संकेतों से भी बाजार गिरा। इसके अलावा लार्ज-कैप शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बड़ी शॉर्ट पोजीशन से भी बाजार पर दबाव आया। इस गिरावट से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 4.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 453.35 लाख करोड़ रुपये रह गया।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर थे। बजाज फाइनेंस की एसेट क्वालिटी में गिरावट आई है। कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (जीएनपीए) एक साल पहले के 0.86 फीसदी से बढ़कर 1.03 फीसदी हो गया है। वहीं नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से बढ़कर 0.50 फीसदी हो गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल, टाटा स्टील और मारुति भी गिरावट के साथ ही लाल निशान पर खुले। दूसरी ओर एटरनल (जोमेटो), एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचसीएल टेक में बढ़त देखी गई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 244 अंक की गिरावट के साथ 81,939 और निफ्टी 86 अंक की कमजोरी के साथ 24,985 पर खुला।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से वाहन उद्योग को बड़ा अवसर- सियाम

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीएए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में लंदन में हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापारिक शुल्कों में कटौती होगी, जिससे विशेष रूप से वाहन उद्योग सहित कई घरेलू क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने कहा कि यह समझौता भारतीय वाहन उद्योग के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग मिलकर काम करेंगे ताकि इस समझौते के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़े और तकनीकी उन्नति हो। उन्होंने इसे भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने वाला एक अहम कदम बताया। यह समझौता भारत को ब्रिटेन के बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी, रसायन जैसे कई क्षेत्रों में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा, जिससे लगभग 23 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यावसायिक अवसर सृजित होंगे। सियाम ने सरकार द्वारा व्यापार वार्ता में हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की भी प्रशंसा की है। यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी को गहरा करेगा और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र के शुल्कों में राहत से उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा, जो भारतीय उद्योग के व्यापक हित में है।

दुर्लभ खनिज संकट के बीच ईवी कंपनियों को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माताओं को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों का स्थानीय निर्माण सुनिश्चित करें। भारी उद्योग मंत्रालय की ओर से यह निर्देश ऐसे समय आया है जब चीन ने 4 अप्रैल को दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। मंत्रालय की नामित परीक्षण एजेंसियों ने वाहन निर्माताओं को एक घोषणा पत्र भेजा है, जिसमें यह पुष्टि करने को कहा गया है कि

उनके पास नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ खनिजों का पर्याप्त भंडार है। इन खनिजों का उपयोग ईवी में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल के निर्माण में होता है। बिना इस घोषणा के कंपनियां सरकार की सब्सिडी योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगी। उद्योग जगत ने इस सख्त रुख पर चिंता जताई है। कई कंपनियों का कहना है कि वे स्थानीयकरण के पक्ष में हैं, लेकिन मौजूदा वैश्विक हालात में यह व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने अस्थायी रूप से पूरी तरह असेंबल की गई मोटर्स के आयात की अनुमति मांगी थी, जिसे मंत्रालय ने अस्वीकार कर दिया। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी, हीरो मोटोकॉर्प, एथर एनर्जी और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों ने इस बारे में टिप्पणी नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के इरादे से है, लेकिन इससे ईवी क्षेत्र की वृद्धि फिलहाल प्रभावित हो सकती है।

नगर में लगाई जा रही बारकोड युक्त नंबर प्लेट संदेह के घेरे में

साइबर फ्राड की आशंका

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद में वर्तमान में एक सर्वे टीम के द्वारा घरों एवं दुकानों पंहुचकर बार कोड यूक्त स्थाई संपत्ति यूआईडी नंबर प्लेट लगाई जा रही है। जिसमे की घर के सभी सदस्यो की विस्तृत जानकारी, मोबाईल नंबर, आधार कार्ड आदि मांग नंबर प्लेट में नाम नामांकित कर लगाया जा रहा है। इस संबध में तत्कालिन सीएमओ नगर परिषद लांजी के द्वारा एड्यूबाइट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेट टेक्रालॉजी प्राईवेट लिमिटेड ओल्ड विकास कालोनी एलआईसी रोड़ सिविल लाईन रामपुर उत्तरप्रदेश संतोष पटले के नाम से एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें लेख है कि डिजीटल सर्वे व मकान दुकान होटल पर बार कोड युक्त नंबर प्लेट लगाने के संबध में कहा गया है। इस विषयान्तर्गत उक्त कंपनी को आदेशित किया गया है कि नगर परिषद लांजी अन्तर्गत समस्त 15 वार्डो में डिजीटल सर्वे एवं यूनिक आईडी नंबर प्लेट एवं बार कोड लगवाया जाना है जिसके अन्तर्गत निकाय नगर परिषद लांजी हेतु आपको अधिकृत किया जाता है। सर्वे का कार्यादेश इन विषयों पर रहेगा। समस्त संपत्तियों का जीआईएस मय नाम हार्ड कॉपी सॉफ्ट कॉपी नगर परिषद लांजी में जमा करना अनिवार्य होगा। प्रथम वार्ड का कार्य पूर्ण करने के उपरांत जांच की जायेगी, प्रथम वार्ड का कार्य संतोषप्रद व जांच में सही पाये जाने पर अन्य वार्ड का कार्य किया जाये। सर्वे में शामिल स्टॉफ का आईडी कार्ड बनाना अनिवार्य होगा। वार्ड वार किये गये कार्य की प्रगति, कार्यालय को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। संपत्ति धारक से निर्धारित राशी 100 रूपये प्रति मकान दुकान से अधिक नही लिया जाये एवं संपत्ति धारक को रसीद दिया जाना अनिवार्य है। प्लेट पर संपत्ति धारक का नाम, पिता का नाम एवं आईडी लिखख्रा अनिवार्य होगा। उपरोक्त शर्तो के अधीन कार्य ना करने की दशा में आदेश स्वमेव निरस्त माना जायेगा। किसी भी विवाद की स्थिती मे नगर परिषद लांजी का निर्णय अंतिम होगा। इस प्रकार उक्त कंपनी को इस सर्वे के लिये पत्र जारी किया गया है।

क्या कंपनी की जांच कर दिया गया है आदेश

अनेको बार ऐसे कार्य देखे है जहां ग्रामीण एवं नगरिय क्षेत्र में इस प्रकार

यूनिक आईडी नंबर प्लेट लगाने वालो के द्वारा सायबर फ्रॉड आदि में सलिप्तता पाई गई है। इस विषय को लेकर शिकायतें भी कलेक्टर कार्यालय सहित अन्य अधिकारियों को की जा चुकी है। वर्तमान में नगर परिषद लांजी के द्वारा उक्त नंबर प्लेट लगाये जाने के लिये आदेशित किया गया है क्या नगर परिषद के द्वारा इन कंपनियों की जांच करवाई गई। इस नंबर प्लेट लगाये जाने का क्या फायदा है क्योंकि घर या दुकानो की जानकारी तो ली जा रही है जबकि नगर परिषद के अन्तर्गत सभी जानकारी कार्यालय में उपलब्ध रहती है। इस कंपनी को किसके द्वारा लांजी भेजा गया है कहा से यह नंबर प्लेट जारी की जा रही है कौन इसे बना रहा है और क्यों बना रहा है इन सब विषयो पर भी जांच की जाये। इसके अलावा नगर परिषद यह आदेश करता है तो वह इसकी जवाबदारी भी ले कि आगे चलकर किसी भी प्रकार का कोई सायबर फ्रॉड या अन्य धोखाधडी नही होगी। वहीं नगर परिषद कार्यालय के किसी कर्मचारी को भी इन सर्वे टीम के साथ भेजे ताकि नगर वासियों को आधार रहे कि इनके साथ नगर परिषद कर्मी भी है जिसे नगर वासी पहचानते है। इन सभी विषयो को आधार रखते हुये ही यह नंबर प्लेट लगाई जाये।

घरो दुकानों में नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य नही- सीएमओ वाहने

उक्त विषय को लेकर नगर परिषद लांजी के सीएमओ मयूर वाहने से चर्चा की गई तो आपने बताया कि तत्कालिन सीएमओ के द्वारा उक्त आदेशित पत्र जारी किया गया है। जिसके तहत सर्वे कार्य किया जा रहा है। आपने यह भी कहा कि सर्वे टीम जब भी घरो एवं दुकानों में पंहुचे तो उन्हे यह बताना अनिवार्य है कि उक्त नंबर प्लेट यूनिक आईडी घरो दुकानों में लगाना नगर वासी की इच्छा अनुरूप है यदि आप चाहे तो लगा सकते है यदि नही लगाना है तो आप मना कर सकते है। किसी भी प्रकार की जबरदस्ती सर्वे टीम नही कर सकती। नगर वासी पूरी जांच पड़ताल या जानकारी सर्वे टीम की ले सकते है उसके बाद ही यदि आपको ऐसा लगता है कि नंबर प्लेट लगाना है तो ही लगवाये।

मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन विभाग जारी करें आदेश

बताया गया है कि मध्यप्रदेश के सभी नगरीय निकायों, नगर परिषद क्षेत्र में उक्त यूनिक आईडी नंबर प्लेट लगाई जा रही है। यदि ऐसा है तो मध्यप्रदेश शसन नगरीय निकाय विभाग के द्वारा इस संबध में पत्र जारी किया जाना जाना चाहिये। साथ ही जिला कलेक्टर से लेकर संबधित अधिकारियों के द्वारा भी पत्र जारी किया जाये कि इस प्रकार से नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्र में नंबर प्लेट लगाई जानी है।

पीडब्ल्यूडी मुख्य मार्ग की साइड शोल्डर नही भरने से लगातार हो रहे हादसे

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। सड़क एक मुख्य मार्ग है जिसका उपयोग मुख्यत: यातायात एवं आवागमन के लिए किया जाता है। किरनापुर तहसील मुख्यालय से लेकर कावरे चौक किरनापुर अवंती बाई चौक पुलिस थाना के आगे गुजरी जाने वाले लांजी भानेगांव किरनापुर रजेगांव पी डब्ल्यू डी मुख्य मार्ग के सामने सड़क साइड सोल्डिंग अत्यधिक खराब हो चुकी है बड़े गड्ढे होने से स्कूली बच्चे व राह चलते लोग कभी भी बड़ी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं मुख्य सड़क से छोटे-छोटे स्कूली बच्चे सुबह ट्यूशन के लिए निकलते हैं जो की आमने-सामने से वाहनों के आने पर सड़क की साइड उतर जाते हैं किंतु बारिश के चलते सड़क की साइड शोल्डिंग खराब होने से बड़ी दुर्घटना हो सकती हैं। पूर्व में भी संबधित विभागीय अधिकारियों को अखबारों में छपी खबर के माध्यम से अवगत कराया गया है किंतु प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है । पुन: संबंधी विभाग के अधिकारी को सूचना दी गई है कि सड़क की साइड सोल्डर में सुधार कर भराव करवा दे ताकि बारिश के दिनों में सड़क से किसी को नुकसान न हो सके और बड़ी घटना को रोका जा सके संबंधित विभागीय अधिकारी एसडीओ ने ठेकेदार को सूचना देकर जल्दी ही इस कार्य को करने की बात कही है। और आश्वासन देते हुए कहा गया है कि 8 से 10 दिन के भीतर मार्ग की साइड सोल्डर में भराव कर दिया जाएगा। वही इस विषय पर लोक निर्माण विभाग अनुभाग लांजी किरनापुर एसडीओ एस आर नेवारे ने कहा कि संबंधित ठेकेदार को सड़क की साइड शोल्डर भरने को कह दिया है जहां-जहां गड्ढे हैं भरने को कहा है 8 से 10 दिनों के भीतर यह कार्य पूर्ण हो जाएगा।एसडीओ नेवारे द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार का आश्वासन दिया गया था किंतु पूर्ण रूप से साइड शोल्डर नहीं भरा गया था।

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की कार्यकारिणी घोषित

ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने का लिया संकल्प

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की कार्यकारिणी की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पंवार, प्रभारी सीताराम लांबा, अधिवक्ता मोना कौरव (प्रदेश अध्यक्ष), विधेश्वरो सिंह राठौड़, अविनाश उमरकर और राजेश श्योकंद की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष मीरा सिंगनधुपे द्वारा की गई। इस कार्यकारिणी में लांजी विधानसभा के तहत विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। जिसमें भानेगांव सरपंच राम ठाकरे ओबीसी वर्ग भानेगांव, परसवाड़ा सरपंच विजय लिल्हारे ओबीसी वर्ग बहेला, पार्षद सारैभ मोनू पशीने ओबीसी लांजी नगर, दिनेश लाड़े लांजी किरनापुर को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। बतादे कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का सपना ग्राम स्वराज को साकार करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की स्थापना की। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन स्थापित करना, लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देना और विकास प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। राजीव गांधी जी कोई साधारण नेता नहीं थे। उन्हें एक राष्ट्र के रूप में हमारी चुनौतियों और अवसरों को पहचानने की क्षमता का आशीर्वाद प्राप्त था। हमने देखा है देश ने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के रूप में माननीय द्रौपदी मुर्मु जी चुने गए इसका श्रेय राजीव गांधी की दूरदर्शिता को जाता है। उन्होंने ही पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण का सपना देखा था। माननीय द्रौपदी मुर्मु जी ने रायरंगपुर (ओडिशा) से पार्षद के रूप में ही अपनी राजनीतिक यात्रा आरंभ की थी। यह सीट आदिवासी महिलाओं के लिए आरक्षित थी। उस शुरुआत से ही आज वह देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची हैं। राजीव जी यह मानते थे कि सरकार में सहभागिता से अथाह ऊर्जा उत्पन्न होगी और यह समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों की स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव करेगी। राजीव गांधी पंचायती राज और नगर पालिका विधेयक के सूत्रधार थे। उन्होंने लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय दिलाने के प्रयासों को भी प्रमुखता से बढ़ावा दिया। पंचायती राज संस्थाओं के जरिये लोगों को सशक्त बनाने का काम आसान नहीं था, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। वह भ्रष्टाचार के दीमक को भली-भांति पहचानते थे। इसी कारण उन्होंने निस्संकोच कहा था कि सरकार द्वारा खर्च प्रत्येक रुपये में से केवल 15 पैसा ही लाभार्थी तक पहुंचता है। उन्होंने स्थानीय स्वशासन के लिए 1989 में लोकसभा में 64वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लेकर राजीव गांधी ने 1991 के लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र में पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने का वादा किया। 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के लागू होने पर राजीव जी का सपना पूरा हुआ, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पंचायतों, त्रि-स्तरीय पंचायतों और नगर पालिकाओं को पर्याप्त शक्तियां, वित्तीय संसाधन और महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का फैसला लिया गया।राजीव जी के राजनीतिक विरोधी भी उनके आधुनिक एवं नए सोच के कायल थे। बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने लगभग 38 साल पहले हमारे जीवन में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका की परिकल्पना कर ली थी। वह उच्च उत्पादकता, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय की दिशा में तेजी से प्रगति के लिए तकनीक के उन्नयन की जरूरत को पहले ही समझ गए थे।एक भारत-श्रेष्ठ भारत उनकी ही परिकल्पना थी। आजादी के अमृत काल में देश राजीव जी की दूरदर्शिता और नेतृत्व के अतुलनीय योगदान को कभी नहीं भुला सकता। उन्होंने सुशासित, शक्तिशाली और जीवंत राष्ट्र की बुनियाद रखी। राजीव जी दूरगामी सोच रखने वाले ऐसे राजनेता थे, जिनके विचार और अवधारणाएं आज भी वैश्विक महत्व रखती हैं। उनके आदर्शों पर चलकर हम अपने सपनों के भारत का निर्माण कर सकते हैं। एक खुशहाल, स्वस्थ और समावेशी समृद्ध भारत की दिशा में बढ़ा हमारा हर कदम राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। रावीव गांधी जी इस दुरदर्शिता को साकार करने उक्त संगठन का गठन किया गया है जिसके तहत लांजी विधासनसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर मध्यप्रदेश विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला, लांजी से अध्यक्ष ऋषि पटेल, ओंकार रहांगडाले, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष मनीष जुझार, लिखेन्द्र उपराड़े, ललीत कबीरे, लीलाधर डोलस, राजू मेढे, धर्मेन्द्र चुटे, घनश्याम पटले, जीतू मोरघड़े, खेमराज मच्छिरके, हेमराज ठाकरे, रेवाजी करहाटकर, युवराज पटले, टूमन घोरमारे, श्यामलाल बेदरे, पवन भोयर, धनीराम इनवाती, कैलाश कुंर्राहे, मुन्ना वानखेड़े, कोमल काडे्, अरशद खान, संजित ठाकरे आदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा बधाई प्रेषित की गई।

अवैध खाद भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, शिव शक्ति कृषि केंद्र को दिया नोटिस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के किसान वर्तमान में कृषि कार्यो में जुटे हुये है जिन्हे अपनी फसलों के लिये खाद सोडा की आवश्यकता होती है। इन्ही आवश्यकताओं के मद्देनजर कुछ लोग अवैध रूप से खाद सोडा का भण्डारण कर किसानों की आवश्यकता का फायदा उठाकर मोटी रकम कमाते है। जिसको लेकर शासन प्रशासन भी मुस्तैद से कार्य करते हुये छापामार एवं निरीक्षण कार्यवाही कर ऐसे अवैध भण्डारण करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही कर रही है। जिसके तहत 25 जुलाई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व(लांजी) कमलचंद सिंहसार, अनुविभागीय अधिकारी (कृषि) खुदीराम सनोडिया , तहसीलदार लांजी संजय बारस्कर एवं निरीक्षक लांजी कुलदीप गनवीर के संयुक्त दल के द्वारा मोहझरी के उर्वरक, कीटनाशक एवं बीज के कृषि केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शिव शक्ति कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया और कारण बताओ नोटिस दिया गया। साथ ही सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोहझरी का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण में स्टॉक पंजी, परमिट बुक, पीओएस मशीन और भौतिक रूप से उर्वरक का स्टॉक का निरीक्षण किया गया। समिति में यूरिया, 36 एमटी, एनपीके (20-20-013)- 3.250 एमटी, एसएसपी 1.300 एमटी पाया गया। समिति में कृषकों हेतु यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बतादे कि क्षेत्र में उक्त कार्यवाही सतत रूप से जारी रहेगी। जहां अवैध रूप से खाद सोडा का भण्डारण या विक्रय पाया जाता है या अधिक मुल्य पर विक्रय करना पाया जाता है तो विक्रयकर्ता संचालक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन का 27 को विशाल सम्मेलन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेवजी महाराज के निर्देशन में रविदासिया धर्म संगठन मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ते हुए समाज को एक करने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में 27 जुलाई को सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी में रविदासिया धर्म संगठन का विशाल सम्मेलन आयोजित किया गया है। उक्त सम्मेलन अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत के प्रदेश अध्यक्ष माधोसिंह अहिरवार के मुख्यातिथ्य में एवं प्रदेश प्रवक्ता अमृतवाणी प्रचारक राधाकिशनदास की प्रमुख उपस्थिति में तथा बसंत कुम्हरे पूर्व उपाध्यक्ष अ.भा. र. धर्म. संगठन भोपाल, झाडुदास महाराज आवा आश्रम लांजी, यशवंत कनोजे जिला प्रभारी बालाघाट- सिवनी- मंडला, अमीरचंद छिपेश्वर धर्म प्रचारक अ.भा. र. धर्म संगठन बालाघाट के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न होगा। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के सुंदरलाल बिंझाडे जिला संरक्षक, उमाशंकर कुंभरे जिला सचिव, दुर्गाप्रसाद मनघटे महासचिव, दिनेश चौहान जिला संचालक, रामप्रसाद चौधरी जिला महामंत्री, शिवकुमार खरे जिला संगठन मंत्री, हरिचंद मोहवे जिला कोषाध्यक्ष, रामराज चौहान विधिक सलाहकार उच्च न्यायालय जबलपुर, एम.आर.भोंडेकर विधिक सलाहकार, देवेन्द्र बलिये जिला मिडिया प्रभारी, रमेश मोहवे, लालदास बारेकर, सुरेन्द्र पटले, किशनलाल भोंडेकर, राजेश मालाधारी, आशीष वारेकर, ईश्वरी भोंडेकर, विजय कुमार दखने, शेखरबंद अहिरवार जिला उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार राठौर सहसचिव, कृष्णा मोहवे, पर्मेन्द्र गाँघरे, दिलीप मोहने, यशवंतराय कोरी, विनोद कुमार मालाधारी, डॉ राजेन्द्र भोंडेकर, राजेन्द्र देशराज जिला संयोजक, परसराम विंझलेकर जिला धर्म प्रचारक, पुनाराम छिपेश्वर जिला धर्म प्रचारक, फुलचंद गोंडेकर जिला धर्म प्रचारक, अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन जिला कोर कमेटी जिला-बालाघाट एवं रविदास सामाजिक समिति ने सभी स्वजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज का बी.एस.सी. प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा द्वारा 24 जुलाई 2025 को बी.एस.सी. (बायोलॉजी) और बी.एस.सी. (कंप्यूटर एप्लीकेशन) प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। इस परीक्षा में श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लाँजी का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। बी.एस.सी. (बायोलॉजी) और बी.एस.सी. (कंप्यूटर एप्लीकेशन) प्रथम वर्ष में छात्रा राजश्री कालबेले ने 76.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, वैषाली गोदेले ने 74.6 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान, और पूजा कालबेले ने 73.9 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं में रोशनी श्यामकुवर, नेहा कावरे, माहिन शेख, संजना दुबे, किर्ति मेंढे, मोहित कालबेले, ओमेश्वरी कालबेले, निकिता अग्रवाल, लक्ष्मी बल्होरे, श्रुति मेश्राम, शीतल बाघाड़े शामिल हैं। प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण अन्य छात्र-छात्राओं में धानी कौशरकर, दीपाली बिल्हारे, गंगा बल्लारखेडे, हर्षा घोंघड़े, हर्षिका श्रीवास, खिलेन्द्र उमरे, लिशु विजयवार, मासूम उमरे, मुस्कान बापुरे, निकिता तुरकर, निकिता कटरे, निकिता खोब्रागढ़े, पल्लवी नगपुरे, पूजा चिखले, प्रतिक्षा उमरे, प्रियंका करसयाल, शिवानी बापुरे, सीता रतोने, श्रेजल कचवाहे, स्वाति तुरकर, तनु कलपुरे, तनवी सहारे, वैशाली बाघमारे, वैशाली आम्बाडारे, वंशिका मेहरबान, विजय उईके, अनामिका गर्ग, अंजु डोंगरे, दीक्षा नागफासे, मेघा सातपुरे, मोना शिवाले, नेहा टेम्भरे, रिजा परवीन, अजहर अली, सानिया मेश्राम, शालिनी बनवारी, श्रद्धा कालबेले, श्रुति घोघड़े, सिया पटले शामिल हैं। छात्रों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के संस्थापक लक्ष्मीचन्द कर्राहे, संचालक किशोर कुमार कर्राहे, गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया, श्रीराम कर्राहे, प्राचार्य, तथा समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पोस्टरबाज नेताओं से भाजपा बनाएगी दूरी!

खंडेलवाल का फोकस सरलता और सुचिता पर...कार्यकर्ताओं के लिए बनेगी गाइड लाइन

भोपाल। अपनी चाल, चरित्र और चेहरा वाली लाइन से हटकर होर्डिंग-पोस्टर और सोशल मीडिया पर नेतागिरी का दिखावा करने वाले अपने कार्यकर्ताओं पर भाजपा नकेल कसने की तैयारी कर रहे हैं। इस संदर्भ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सभी को संदेश दे दिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अब इस पर अमल करने की रणनीति पर काम हो रहा है।

दरअसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पूरा फोकस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सरलता और सुचिता पर है। ऐसे में गाड़ियों से लेकर शहर में होर्डिंग-पोस्टर और सोशल मीडिया पर बेवजह दिखने वाले नेताओं की कार्यप्रणाली को लेकर भाजपा में चिंतन का दौर चल रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि भाजपा की तैयारी है कि अनावश्यक रूप से कार्यकर्ता न तो गाड़ियों में हूटर लगाएं और न ही अनावश्यक रूप से पार्टी के बजाय खुद के चेहरे चमकाने पर जोर दें। ऐसे नेताओं के सोशल अकाउंट खंगाल रही है। ताकि सूची तैयार कर उन्हें अध्यक्ष की मंशा से अवगत कराया जा सके। इस मामले को लेकर भाजपा सीधे तौर पर कुछ कहने से बच रही है, लेकिन प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा है कि सहजता भाजपा का मूल स्वभाव है। पार्टी का हर कार्यकर्ता इसे अमल करता है।

प्रदेश अध्यक्ष के स्पष्ट संदेश

गौरतलब है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मेहनत करने वाले युवा चाहिए, न कि होर्डिंग और सोशल मीडिया पर खुद को चमकाने वाले। खंडेलवाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया पर पार्टी और समाज के हित में बात करें, न कि अपनी व्यक्तिगत छवि चमकाएं। जिसने अपनी चिंता की, वह कहीं नहीं पहुंचा, लेकिन पार्टी की चिंता करने वाला हमेशा ऊंचाइयों तक पहुंचा है। खंडेलवाल का कहना है कि कार्यकर्ता खुद की चिंता छोड़ दें। आप काम पर ध्यान दें, आपकी चिंता पार्टी करेगी। मेरा आप सब से कहना है कि सोशल मीडिया पर खुद के अलावा हमारी पार्टी क्या कर रही है, प्रधानमंत्री जी, मुख्यमंत्री जी जो कर रहे हैं उसे शेयर करें। आप कहां घूमने गए हैं इससे समाज को कोई लेना-देना नहीं हैं। आप ट्रेन में यात्रा कर रहे हैं वो पोस्ट करने से आपका इंप्रेशन खत्म हो रहा है। आप अपने सोशल मीडिया पर जो शेयर करेंगे उससे समाज में आपकी वैसी इमेज बनेगी।

पढ़ाया जाएगा पाठ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल कार्यकर्ता या पदाधिकारियों की बैठकों में सरलता और सुचिता की लगातार हिदायत दे रहे हैं। सूत्रों की मानें तो नवागत प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की गाड़ियों में लगे हूटर से लेकर अनावश्यक पॉवर दिखाने वाले नेताओं के इस व्यवहार से असहज हैं। ऐसे कार्यकर्ता या पदाधिकारियों को सरलता और सुचिता का पाठ पढ़ाने के लिए उनकी सूची तैयार की जा रही है। नवागत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल इसी स्वभाव में रमे हैं। उनका अनुसरण हर कार्यकर्ता करेगा। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया का कहना है कि हेमंत खंडेलवाल सरल हैं। वह अपेक्षा कर रहे हैं कि कार्यकर्ता भी ऐसा करें। भाजपा तो अब विधायक-सांसदों का भी प्रशिक्षण करा चुकी है, लेकिन इसका कोई असर देखने को नहीं मिला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि होडिंग पर बड़ा फोटो लगाने से पद नहीं मिलेगा। और न ही आपका भविष्य बनेगा। जिसने खुद की चिंता की। वो कही नहीं पहुंचा। पार्टी की चिंता करने वाला ही ऊंचाई पर पहुंचा है। आप अपनी चिंता छोड़ दें। फेसबुक, ट्विटर पर आप खुद की जगह सरकार की बात करें। सोशल मीडिया पर वो चीज डाले जिसकी समाज को जरूरत है।

मप्र में 2200 करोड़ की ठगी का मामला

- दुबई से संचालित हो रहा था गिरोह

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2200 करोड़ रुपये की अब तक की सबसे बड़ी ठगी के मामले में एसटीएफ की जांच ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ठग गिरोह ने विदेशी मुद्रा व्यापार और हाई रिटर्न के नाम पर लोगों को झांसा दिया। मुख्य सरगना नवाब खान उर्फ रफीक खान उर्फ लविश चौधरी, जो मुजफ्फरनगर का रहने वाला है, दुबई भाग गया और वहां से हवाला के जरिए भारत में पैसे भेजकर गिरोह को संचालित कर रहा था। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद पुरानी वेबसाइट बंद होने पर ठगों ने विदेश से नई वेबसाइट बनाकर निवेशकों को लिंक भेजे और 6-8 प्रतिशत मासिक रिटर्न का लालच देकर लोगों को फंसाया गया।

जांच में पता चला कि गिरोह ने 9 महीने में 30-32 अरब रुपये का खेल किया, जिसमें 28 बैंक खातों में रकम को शातिर तरीके से घुमाया गया ताकि ट्रेसिंग मुश्किल हो। आरोपियों ने 10 फर्जी कंपनियां बनाकर निवेश करवाया। एसटीएफ ने 145 बैंक खातों को फ्रीज कराया और 262 ट्रांजेक्शन पर होल्ड लगवाया, जिसमें 1 अरब 88 करोड़ रुपये जब्त किए गए। स्ञ्झस्न की टीमें ओडिशा, दिल्ली, और हरियाणा में छापेमारी कर चुकी हैं। पूरे देश में 12 स्नढ्ढक्र दर्ज की गईं, जिनमें असम में 200 करोड़ की ठगी शामिल है।

ईडी ने फेमा के तहत दर्ज किया है केस

ईडी ने फेमा के तहत केस दर्ज किया है, और खुलासा हुआ कि डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर क्राइम के करोड़ों रुपये भी इन्हीं खातों में ट्रांसफर किए गए। मामले का खुलासा 22 जून को मध्य प्रदेश एटीएस ने किया, जिसमें दो आरोपी, मदन मोहन कुमार और दीपक शर्मा, गिरफ्तार किए गए। ये गिरोह टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए धोखाधड़ी करता था, निवेशकों को फिक्स और हाई रिटर्न का लालच देकर जाल में फंसाता था।

आर्थिक अनियमितता के कारण लेखापाल को शासकीय नौकरी से हटाया

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के लेखापाल ज्ञानेन्द्र शर्मा को वित्तीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने के गंभीर आरोप के कारण पद से हटा दिया गया है। विभागीय जाँच में यह तथ्य सामने आया है कि ज्ञानेन्द्र शर्मा ने लेखापाल के पद पर रहते हुए बिना सक्षम स्वीकृति और बिना अधिकृत भुगतान आदेश के डीडीओ की लॉगइन आईडी का दुरूपयोग कर भुगतान की कार्यवाही की थी। जांच में यह संपूर्ण प्रक्रिया वित्तीय नियमों के प्रतिकूल और धोखाधड़ी की श्रेणी में आती है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने लेखापाल ज्ञानेन्द्र शर्मा को पद से हटाने संबंधी आदेश जारी किये हैं। आयुक्त ने कहा है कि लेखा संबंधी कार्यों में यदि किसी व्यक्ति द्वारा वित्तीय अनियमितता की कार्यवाही की जाती है तो विभाग द्वारा उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और इसी प्रकार की कार्रवाई की जायेगी।

राजनीतिक नियुक्तियों के दरवाजे खुले...दावेदारों की शुरू हो गई धोक पड़वा

ओबीसी कल्याण आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति से हुआ श्रीगणेश, एल्डरमैन, मंडल, प्राधिकरणों के लिए भी जमावट

भोपाल। पहले तो लम्बा समय प्रदेश अध्यक्ष की बांट जोहते हुए ही बीत गया और अभी पिछले दिनों हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी की गई। उसके बाद ओबीसी कल्याण आयोग अध्यक्ष और सदस्य की राजनीतिक नियुक्तियों का आदेश जारी हुआ और उसके साथ ही एल्डरमैन, मंडल, प्राधिकरणों के लिए भी जमावट शुरू हो गई और दावेदारों की धोख पड़वां भी जारी है, जो अपने-अपने राजनीतिक आकाओं के चरण छूकर किसी ना किसी नियुक्ति का आशीर्वाद पाना चाहते हैं।

डेढ़ साल से अधिक समय प्रदेश सरकार के गठन को हो गया। मगर मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू ही नहीं हो पाया। किसी ना किसी अभियान या प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के चलते मामला टलता रहा। मगर अब इन नियुक्तियों के दरवाजे खुल गए हैं और पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसके संकेत दे दिए थे। ओबीसी कल्याण आयोग का अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया को बनाया, तो सदस्य के लिए मौसम बिसेन का चयन किया गया। इसमें महत्वपूर्ण तथ्य यह भी रहा कि उम्र का भी प्रतिबंध लगता है अब मायने नहीं रखता और 75 साल से अधिक उम्र के कुसमारिया को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही अब प्रदेशभर में जो निगम, मंडल, प्राधिकरण खाली पड़े हैं उनमें राजनीतिक नियुक्तियों पर सत्ता-संगठन पर दबाव पडने लगा है। नवागत अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी अब इन राजनीतिक नियुक्तियों को करना चाहते हैं और उन तक भी पहुंच की जुगाड़ दावेदारों ने शुरू कर दी है।

एल्डरमैनों की नियुक्ति के लिए नाम मांगे

निगम में एल्डरमैनों की नियुक्ति होना है, जिसके लिए सांसद के अलावा सभी विधायकों से नाम मांगे गए हैं और उसके बाद फिर संगठन निर्णय करेगा। मंडल, प्राधिकरणों के लिए फिलहाल जिला स्तर पर कोई नाम नहीं मांगे गए हैं। इसका फैसला सत्ता-संगठन सीधे अपने स्तर पर ही करेगा। अलबत्ता जिला योजना समिति की तर्ज पर अब जिला विकास सलाहकार समितियों का गठन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होना है। उसके लिए अवश्य राजनीतिक जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। इस समिति में उपाध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री और सदस्यों में सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष के अलावा उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाजसेवा, चिकित्सा, विधि क्षेत्र के 20 प्रतिनिधि नामांकित होना है।

पहली बार यूथ कांग्रेस ने 15 लाख सदस्य बनाए

जिला अध्यक्ष के लिए उमंग सिंघार के जिले में सबसे ज्यादा घमासान

भोपाल। मप्र में युवा कांग्रेस ने सदस्य बनाने में रिकार्ड तोड़ा है। पहली बार मप्र में युवा कांग्रेस ने 15 लाख से ज्यादा बनाए हैं। बीते 20 जून से युवा कांग्रेस की सदस्यता शुरू हुई थी। 19 जुलाई को ये ऑनलाइन मेंबरशिप बंद हो गई।

युवा कांग्रेस के चुनाव में सबसे ज्यादा घमासान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के गृह जिले धार में देखने को मिला है। धार में युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के लिए सबसे ज्यादा 15 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है।

कमलनाथ के जिले में मुकाबला नहीं

पूर्व सीएम कमलनाथ के गृह जिले छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए कोई मुकाबला नजर नहीं आया। दोनों जिलों में सिर्फ एक-एक उम्मीदवार ने चुनाव लड़ा। हरदा में भी सिंगल केंडिडेट रहा। इन तीनों जिलों में निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाएंगे।

दो महीने तक चलेगी स्क्रूटनी

युवा कांग्रेस के चुनाव के लिए चलाए गए सदस्यता अभियान में नए मेंबर्स ने सदस्यता लेने के बाद 6 पदों के लिए मतदान किया है। ब्लॉक अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, प्रदेश महासचिव और प्रदेश अध्यक्ष का वोट डाले हैं। अब दो महीनों तक सभी वोटों की स्क्रूटनी होगी। इसमें ये देखा जाएगा कि वोट देने वाले ने अपने दस्तावेज अपलोड किए हैं या नहीं, मतदान के बाद वीडियो अपलोड किया है या नहीं। यदि मेंबरशिप फीस अदा नहीं की है तो वोट रिजेक्ट माना जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए त्रिकोणीय जंग

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। सबसे ज्यादा वोटिंग जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर में हुई है। जबलपुर के विधायक और पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के बेटे यश घनघोरिया प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे नजर आ रहे हैं। वहीं भोपाल के अभिषेक परमार और ग्वालियर के शिवराज यादव ने भी चुनाव जीतने के लिए पूरा दम लगाया है।

वन बल प्रमुख के लिए हुई डीपीसी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में दावेदारों के नाम पर चर्चा, आदेश जल्द होंगे

भोपाल। मप्र के नए वन बल प्रमुख (हॉफ) के लिए गुरुवार को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में नए वन बल प्रमुख के लिए नाम फाइनल किया गया। इसके आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। इस मीटिंग में राजस्थान के बजाय छत्तीसगढ़ के वन बल प्रमुख शामिल हुए। विभाग में सबसे सीनियर वीएन अंबाड़े प्रबल दावेदार हैं।

वन विभाग के मुखिया को हॉफ (हेड ऑफ फॉरेस्ट) कहा जाता है। वर्तमान में हॉफ की जिम्मेदारी असीम श्रीवास्तव निभा रहे हैं, जो 31 जुलाई को रिटायर हो जाएंगे। इसके बाद एक अगस्त से नए हॉफ की पदस्थापना को

लेकर राज्य सरकार तैयारियों में जुटी है। इसको लेकर पहले बुधवार को बैठक होना थी जिसमें नए वन बल प्रमुख का नाम फाइनल कर आदेश जारी किया जाना था, लेकिन पदोन्नति कमेटी में शामिल राजस्थान के वन बल प्रमुख का स्वास्थ्य खराब होने और उनके अस्पताल में एडमिट होने की सूचना के बाद डीपीसी टल गई। इसके बाद गुरुवार को इसको लेकर बैठक हुई है।

छत्तीसगढ़ के हॉफ हुए बैठक में शामिल

राजस्थान के हॉफ के स्थान पर केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के हॉफ श्रीनिवासन को एमपी के हॉफ सिलेक्शन संबंधी बैठक में शामिल होने भेजा। इस मीटिंग में हॉफ के लिए विभाग के सबसे सीनियर अफसर वीएन अंबाड़े के नाम पर मुहर लग सकती है क्योंकि पिछले कई सालों में विभाग में सबसे सीनियर अफसर को ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। अंबाड़े वर्तमान में वन विकास निगम में पीसीसीएफ हैं। बताया जाता है कि डीपीसी मीटिंग में वीएन अंबाड़े के अलावा दो अन्य अधिकारियों 1989 बैच के एचयू खान और 1990 बैच के विभाष ठाकुर के नाम भी चर्चा के लिए पैनल में रखे गए थे।

चुनाव आयोग ने बीएलओ का मानदेय किया दोगुना

अब एक साल में 12 हजार रुपए मिलेंगे, स्पेशल ड्राइव का इंसेंटिव अलग से मिलेगा

भोपाल। बिहार चुनाव के पहले भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर में चुनाव आयोग के लिए काम करने वाले बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) की प्रोत्साहन राशि बढ़ा दी है। एमपी में काम करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहन के रूप में मिलने वाली यह मानदेय राशि अब दोगुनी हो गई है। अभी तक इन्हें छह हजार रुपए मिला करते थे और अब आयोग के फैसले के बाद 12 हजार रुपए मिलेंगे।

चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को इसके आदेश जारी कर देश के सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को इसके आधार पर भुगतान के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अफसरों के अनुसार चुनाव आयोग का मानदेय बढ़ाने

संबंधी आदेश एमपी को भी मिला है और इसके लिए नोटशीट जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर बूथ लेवल अफसर और सुपरवाइजर को बढ़ा हुआ मानदेय दिए जाने की कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि देश के अलग-अलग राज्यों में बीएलओ को अलग-अलग मानदेय दिया जाता है। एमपी में कम राशि मिल रही थी। अब नए निर्देश के बाद इन्हें हर महीने एक हजार रुपए के हिसाब से मानदेय मिलने लगेगा। पहले यह 500 रुपए महीने के हिसाब से मिल रहा था।

अब ऐसे मिलेगा बीएलओ, सुपरवाइजर को मानदेय

बीएलओ को अभी तक एमपी में 6 हजार रुपए मिलते थे और चुनाव आयोग के फैसले के बाद अब 12 हजार रुपए सालभर में मिलेंगे। सुपरवाइजर को अभी तक 12 हजार रुपए मिलते थे और अब नए निर्देश के बाद इन्हें सालभर में 18 हजार रुपए मिलेंगे। चुनाव आयोग ने इसके साथ ही चुनाव कार्य करने वाले बीएलओ को स्पेशल ड्राइव चलाने पर 2000 रुपए इंसेंटिव देने का भी फैसला किया है।

एसआईटी ने दर्ज किए मंत्री विजय शाह के बयान

- 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में पेश होनी है स्टेटस रिपोर्ट

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी पर बयान देकर मुसीबत में उलझे मप्र के जनजातीय कार्यमंत्री विजय शाह से स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पूछताछ की है। 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में एसआइटी को इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करना है। इससे पहले मंत्री शाह से एसआइटी ने पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए हैं।

पुलिस सूत्रों की मानें तो मंत्री विजय शाह को 19 जुलाई को एसआईटी ने जबलपुर बुलाया था। मंत्री से करीब 25 मिनट तक एसआईटी ने बयान के संबंध में पूछताछ की। इस दौरान करीब आठ से दस सवाल एसआईटी की ओर से किए गए। एसआईटी टीम ने मंत्री से महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम के पूरे घटनाक्रम पर सवाल-जवाब किए।

एसआईटी ने मंत्री विजय शाह के बयान मामले के वीडियो को जांच के लिए भेजा था। वीडियो की जांच रिपोर्ट में आए तथ्यों को भी एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट में दर्ज करेगी। मंत्री विजय शाह ने 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था कि उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा कि अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते।

सहारा जमीन घोटाले में ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

-भोपाल, जबलपुर और कटनी में बेची थी जमीनें, शिकायत की जांच के बाद लिया एक्शन

भोपाल। सहारा जमीन घोटाले में शुक्रवार शाम को शिकायतकर्ता आशुतोष मनु दीक्षित की शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। 1000 करोड़ रुपए की जमीन को मात्र 98 करोड़ रुपए में बेच दिया गया था। जमीन बेचने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया। भोपाल, जबलपुर और कटनी में सहारा की जमीन को बेचा गया था।

ईओडब्ल्यू ने यह बताया कि सहारा की ओर से जमीनों को बेचकर कुल 72.82 करोड़ रुपए का गबन किया है। जबलपुर और कटनी की भूमि बिक्री के निर्णयों में कॉर्पोरेट कंट्रोल मैनेजमेंट प्रमुख सीमांतो रॉय सीधे तौर पर शामिल पाए गए। डीएमडब्ल्यू भोपाल के डीजीएम जेबी रॉय की भूमि सौदे के वित्तीय लेन-देन और निर्णयों में सक्रिय भूमिका थी। सागर भूमि सौदे के निर्णयों में सहारा के लैंड डिवीजन के प्रमुख होने के नाते डिप्टी मैनेजिंग वर्कर ओपी श्रीवास्तव शामिल पाए गए। आरोपियों ने भोपाल और सागर में बिक्री की पूरी राशि 62.52 करोड़ को सेबी सहारा खाते में जमा नहीं किया गया। वहीं जबलपुर, कटनी और ग्वालियर में अवैध कटौतियों के माध्यम से 10.29 करोड़ की हेराफेरी की गई।

जमीन बेचने के बाद निवेशकों को पैसा नहीं लौटाया

सहारा की जमीन को बेचने के बाद भी सहारा में निवेश करने वालों को पैसा नहीं मिला था। ईओडब्ल्यू ने इन कंपनियों द्वारा सहारा ग्रुप की जमीन खरीदने की पीई दर्ज कर की थी और इसी साल फरवरी महीने में जांच शुरू की थी। मामले में ईओडब्ल्यू ने क्रेता पक्ष और विक्रेता पक्ष के 9 लोगों से पूछताछ के बाद एफआईआर दर्ज की है। सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन इन्वेस्टमेंट ग्रुप द्वारा कई शहरों में निवेशकों से धन जुटाकर सहारा सिटी बनाने के उद्देश्य से जमीनें खरीदी गई थीं। साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट और (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) सेबी द्वारा सहारा समूह को निवेशकों की राशि लौटाने के लिए कम्पनी की प्रॉपर्टी बेचने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, जमीन के सौदे की सीमा अधिकतम 90 प्रतिशत या उससे ज्यादा तक तय की गई थी। प्रॉपर्टी बेचने की अनुमति इस शर्त पर दी गई थी कि, पैसे खरीदार द्वारा सीधे मुंबई में बैंक ऑफ इंडिया के सेबी-सहारा रिफंड खाता नंबर 012210110003740 में जमा किए जाएंगे।

सहारा ग्रुप ने शैल कंपनियों में जमा कराए रुपए

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार भोपाल स्थित जमीन बेचकर सेबी-सहारा रिफंड खाते में रुपए जमा कराने के नियम का भी उल्लंघन किया गया है। सहारा ग्रुप ने ये रुपए सहारा इंडिया रियल एस्टेट लिमिटेड, सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन और निजी शैल कम्पनियों के खातों में जमा कराए।

मप्र में फ्री राशन लेने वाले 50 फ़ीसदी अपात्र

मुफ्त राशन योजना से करोड़ों रुपए प्रतिमाह की कमाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के 55 जिलों में 1.29 करोड़ लाभार्थी मुफ्त राशन ले रहे हैं। इसमें से 50 फ़ीसदी से ज्यादा अपात्र लाभार्थी हैं। यह गोरख धंधा कई वर्षों से चल रहा है। राजनेताओं अधिकारियों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदारों की मिली भगत से यह गोरख धंधा कई वर्षों से चला आ रहा है।

मुफ्त राशन की पात्रता

जिन लोगों के पास एक हेक्टेयर से ज्यादा भूमि है। 6 लाख रूपये वार्षिक से ज्यादा की आय है। वह मुफ्त राशन योजना के लिए पात्र नहीं है। मध्य प्रदेश में गरीबी रेखा को 29 श्रेणियां में बांटा गया है। जो राशन वितरण योजना का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है। सभी श्रेणी में अपात्र लोगों की संख्या बनी हुई है। बोगस पंजीयन के जरिए मुफ्त राशन योजना का अनाज खुले बाजार में बिक रहा है।

किस श्रेणी में कितने पात्र

बीपीएल श्रेणी में 32.72 लाख श्रमिक श्रेणी में 7.53 लाख अंतोदय परिवार में 6.43 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी 4.79 लाख अनुसूचित जनजाति के 4.76 लाख परिवार अनुसूचित जाति के 3.30 लाख परिवार संगठित और प्रवासी श्रमिकों के 1.74 लाख परिवार के शहर मजदूरों के 1.32 लाख परिवार बी श्रमिक 57 हजार वाहन चालक और परिचालक के 26000 परिवार फेरी वाले 19000 परिवार मंदबुद्धि वाले 16 हजार परिवार अन्य वंचित वर्ग 13000 वन पत्ताधारी 12000 हम्माल 11 हजार घरेलू कामकाजी महिला 32 हजार दिव्यांगजन 10000 साइकिल रिक्शा और हाथ ठेला 6886 परिवार केश शिल्पी 3710 परिवार अर्ध घुमक्कड़ 5650 मछुआ 2569 बुनकर 2658 बंद पड़ी मिलों के श्रमिक 2474 कोटवार 1691 इसके अलावा उभयलिंगी एड्स रोगी वृद्ध आश्रम में रहने वाले रेलवे की कुली एवं कुष्ठ रोगियों को मुफ्त राशन की पात्रता में पंजीकृत किया गया है। इतनी सारी श्रेणी होने के कारण अपात्रों की संख्या 50 फ़ीसदी से ज्यादा हो गईं है।

अभिमन्यु ईश्वरन के टेस्ट डेब्यू का इंतजार समाप्त नहीं हो रहा

सामने ही 15 खिलाड़ियों को मिला है मौका

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम में पिछले चार साल में तीन कप्तान ही नहीं बल्कि कोच भी बदले हैं पर नहीं बदली है तो बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन की किस्मत। अभिमन्यु के सामने ही 15 खिलाड़ी डेब्यू कर चुके हैं पर उसे अवसर नहीं मिला। वहीं इंग्लैंड दौरे की बात ले लें बैकअप गेंदबाज के तौर पर शामिल अंशुल कंबोज को आते ही खेलने का अवसर मिल गया। 17 खिलाड़ियों के भारतीय स्क्वॉड में अब 16 खिलाड़ी डेब्यू कर चुके हैं, वहीं अभिमन्यु का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा।

साल 2022 में पहली बार भारतीय दल में शामिल हुए अभिमन्यु को अभी तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी है जबकि इंग्लैंड दौरे में वह भारत ए टीम के कप्तान भी रहे हैं। वहीं अभिमन्यु के सामने ही इस दौरान 15 खिलाड़ी डेब्यू कर चुके हैं। ये भी नहीं है कि ईश्वरन का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। रिकॉर्ड और परफॉर्मेंस बेहतर होने के कारण ही उन्हें लगातार टीम में जगह मिलती रही है। इस क्रिकेटर के नाम फर्स्ट क्लास

क्रिकेट में 100 से भी अधिक मैच हैं जिसमें उन्होंने 48.7 की औसत के साथ 7841 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 27 शतक शामिल हैं।

साल 2022 में अभिमन्यु को भारतीय दल में जगह मिली थी, मगर उससे पहले 2021 में उन्हें घर पर हुई इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के 5 खिलाड़ियों के स्टैंडबाय में रखा गया था। वहीं वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल के स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। इस खिलाड़ी के सामने ही कप्तान ही नहीं मुख्य कोच कोच भी बदले हैं पर उसे अवसर नहीं मिल पाया है। इंग्लैंड दौरे के पहले टेस्ट में उम्मीद लगाई जा रही थी कि अभिमन्यु ईश्वरन को मौका मिल सकता है पर साई सुदर्शन को मौका दिया। वहीं 8 साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर को भी टीम में जगह मिल गयी। अभिमन्यु के सामने इस खिलाड़ियों ने किय है डेब्यू।

केएस भरत और सूर्यकुमार यादव ने 2023 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू किया, जो नागपुर के वीसीए स्टेडियम (फरवरी 2023) में खेला गया था। यशस्वी जायसवाल और ईशान किशन ने 12 जुलाई, 2023 को रोसेउ में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला और मुकेश कुमार 20 जुलाई, 2023 को पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय टेस्ट क्रिकेटर बने।

कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 दिसंबर, 2023 को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के लिए अपना पहला टेस्ट खेला और रजत पाटीदार ने 2 फरवरी, 2024 को विशाखापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए अपना पहला टेस्ट खेला।

सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने 15 फरवरी, 2024 को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया और तेज गेंदबाज आकाश दीप 23 फरवरी, 2024 को रांची में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय क्रिकेटर बने। बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भी 7 मार्च, 2024 को धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए अपना पहला टेस्ट खेला।नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने 22 नवंबर, 2024 को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला।

कुलदीप की उपेक्षा पर अश्विन हैरान

मुम्बई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा पर हैरानी जतायी है। अश्विन ने कह कि चौथे टेस्ट के लिए टीम में तीन बदलाव हुए पर इसके बाद भी कलाई के स्पिनर कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिल पायी। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि तीन स्पिनरों को शामिल करना अजीब लगता पर ये भी सही है कि रविन्द्र जडेजा अब आपके लिए एक स्पिनर ही नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज भी हैं। वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनर होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। जब आपके गेंदबाज इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं, तो आप एक आक्रामक गेंदबाज को अवसर क्यों नहीं दे रहे यही मुझे समझ नहीं आ रहा है ।

अश्विन के अनुसार पहली पारी में हमारे गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आसानी से रन बनाये। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 166 रनों की ओपनिंग साझेदारी की हालांकि जडेजा ने क्रॉली को 84 रन पर आउट कर दिया। नये गेंदबाज अंशुल कंबोज ने डकेट को 94 रन पर आउट करके अपना पहला टेस्ट विकेट लिया पर यह पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी विकेट नहीं ले पाये। इन हालातों में अगर कुलदीप होते तो मेजबान बल्लेबाजों के लिए रन बनाने कठिन हो जाते।

ओवल टेस्ट के लिए जगदीशन को मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मैनचेस्टर। ऋषभ पंत के मैनचेस्टर टेस्ट में चोटिल होकर बाहर होने के कारण विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। ऋषभ के बाहर होने के बाद ध्रुव जुरैल को विकेटकीपर की जिम्मेदारी मिली है पर उनके कवर के तौर पर जगदीशन को रखा जा सकता है। जगदीशन ओवल में होने वाले पांचवे टेस्ट में टीम के साथ जुड़ सकते है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई जल्द ही जगदीशन को टेस्ट टीम में शामिल करने की घोषणा कर सकता है। जगदीशन को अवसर इसलिए मिल रहा है क्योंकि विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी फिट नहीं हैं। वहीं एक अन्य विकेटकीपर-बल्लेबाज, केएस भरत इंग्लैंड में ही क्लब क्रिकेट खेल रहे हैं।

जगदीशन ने घरेलू क्रिकेट में चेन्नई की ओर से जबरदस्त प्रदर्शन किया है। घरेलू क्रिकेट में जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके टीम में प्रवेश के लिए दावेदारी की है। जगदीशन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 47.50 की औसत से 3373 रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी 2023-24 में जगदीशन ने 74.18 की औसत से 816 रन बनाए, जिसमें एक तिहरा और एक दोहरा शतक शामिल है। पिछली रणजी ट्रॉफी में, कप्तान के रूप में इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 56.17 की औसत से 674 रन बनाए थे।

लिवरपूल ने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके को साइन किया

लंदन। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे।

लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विर्ट्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।

वहीं डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। इसके अलावा फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री-सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं। कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है। सोमवार को क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, रेड्स और जर्मन टीम ने एक ट्रांसफर डील की, जिसकी कीमत 6.9 करोड़ पाउंड और 1 करोड़ पाउंड अतिरिक्त होने की बात कही जा रही है। 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी एकिटिके मेडिकल जांच कराने और मैनेजर आर्ने स्लॉट की टीम के साथ लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप देने के लिए मर्सीसाइड पहुंच गए। वहीं इससे पहले शनिवार को फ्रैंकफर्ट के प्री-सीजन मैत्री मैच में एकिटिके बेंच पर रहे और मैदान में नहीं उतरे, क्योंकि उनके भविष्य को लेकर बातचीत जारी थी।

टी20 में 150 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने ईश सोढ़ी

हरारे। न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के स्पिनर ईश सोढ़ी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ में में चार विकेट लेने के साथ ही टी20 में अपने 150 विकेट पूरे कर लिए। सोढ़ी टिम साउथी और राशिद खान के बाद टी20 प्रारुप में ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह तीसरे और न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज हैं। ईश ने जिम्बाब्वे के

खिलाफ मुकाबले में केवल 4 ओवर में ही 12 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके इस शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की टीम ने 60 रनों से मैच जीत लिया।

गौरतलब है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड टिम साउथी के नाम है। साउथी ने 126 मैचों में 164 विकेट लिए हैं। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान हैं। इस कलाई स्पिनर ने केवल 96 मैचों में 161 विकेट लिए हैं।

यश पर अब एक नाबालिग ने लगाया बलात्कार का आरोप

मुम्बई । क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले ही यौन शोषण मामले में फंसे यश पर अब जयपुर में एक नाबालिग ने रेप का आरोप लगाया है। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेटर यश पर इससे पहले गाजियाबाद में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में वह कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं हालांकि वह अभी तक गिरफ्तारी से बचे हुए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में गाजियाबाद मामले में यश की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी पर अब जयपुर में उनके खिलाफ जो मामला दायर हुआ है उससे उनका करियर भी खतरे में आ गया है। उनपर 17 साल की नाबालिग लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यश के खिलाफ सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में नाबालिग पीड़िता द्वारा बलात्कार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि यश ने पेशेवर क्रिकेट में बेहतर भविष्य का वादा करते हुए उसका दो साल तक शोषित किया।

रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता क्रिकेट के जरिये ही यश के संपर्क में आयी थी। ऐसे में यश ने उसे बेहतर क्रिकेट करियर बनाने का झांसा देते हुए दो साल तक बलात्कार किया। रिपोर्ट में आईपीएल 2025 का भी जिक्र करते हुए कहा गया है कि यश दयाल ने जयपुर में हुए मैच के दौरान पीड़िता को एक होटल में बुलाया और उसका शोषण किया। लंबे समय तक चुप्पी, भावनात्मक ब्लैकमेल और शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बाद पीड़िता ने अंत में उसके खिलाफ आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराई है।.

जयपुर पुलिस ने आगे बताया कि जब बलात्कार की पहली घटना तब हुई थी जब पीड़िता 17 साल की नाबालिग थी, इसलिए यश के खिलाफ पास्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें दोषी पाये जाने पर यश को लंबे समय की सजा होना तय है।

डॉसन की वापसी से हुआ लाभ - वॉन

मैनचेस्टर। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को शामिल करने से टीम को एक ऑलराउंडर मिला है जिससे टीम को फायदा है। शोएब बशीर के फिट नहीं होने के कारण आठ साल के बाद डॉसन की वापसी हुई है। डॉसन ने यशस्वी जायसवाल का विकेट लेकर अपनी वापसी को सही साबित किया है। वॉन ने कहा, 'वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिनसे कप्तान अच्छी गेंदबाजी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी फील्डिंग की उम्मीद करता है। वह संपूर्ण पैकेज हैं जिनके टीम में रहने से इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में भी लाभ होगा। डॉसन ने इससे पहले अपना आखिरी टेस्ट मैच 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उन्होंने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी वापसी का दावा किया था।

ऋषभ के चोटिल पैर को निशाना बनाने वाले स्टोक्स पर भड़के लोग

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन पैर की अंगुली में फ्रैक्चर के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरे। उनके इस जज्बे की जहां लोगों ने प्रशंसा की और उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की कड़ी आलोचना की है। स्टोक्स इस मैच में जानबूझकर ऋषभ के चोटिल पैर पर यॉर्कर गेंदें कर रहे थे। वहीं जब ऋषभ ने एक रन लिया तब भी स्टोक्स ने बहुत ही ध्यान से उनके पैर के उस पंजे को देखा जिसमें फ्रैक्चर हुआ था। उन्होंने टूटी उंगली को लक्ष्य कर लगातार यॉर्कर गेंदें फेंकीं। ऋषभ तब भी बिना डरे जमे रहे और उन्होंने एक पैर से खेलते हुए आक्रामक शॉट लगाये। जोफ्रा आर्चर ने भी उनके पैर पर ही निशाना साधार पर

इस बल्लेबाजी ने शानदार छक्का लगा दिया। इस प्रकार किसी बल्लेबाज के चोटिल पैर को ही गेंद से टारगेट करने की स्टोक्स की रणनीति की सोशल मीडिया में जमकर आलोचना हुई है। लोगों ने कहा कि खेल है, खेल ही रहने दो। क्या आउट करने के लिए फ्रैक्चर पर ही टारगेट करना जरूरी था? यह आउट करने की रणनीति थी या विरोधी को जानबूझकर और ज्यादा चोटिल करने की बेहद शर्मनाक कोशिश? साथ ही कहा कि स्टोक्स ने क्रिकेट भावना, खेल भावना, जेंटलमेन गेम जैसे बातों का अपमान किया है। अभी दो दिन पहले ही पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा था कि इंग्लैंड सहित कुछ टीमें खेल भावना शब्द का इस्तेमाल अपनी सुविधा के अनुसार करती हैं। मैनचेस्टर टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 358 रन बनाए हैं। फ्रैक्चर होने के बावजूद ऋषभ ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की और 54 रन बनाकर आउट हुए।

डब्लयूडब्ल्यूई के स्टार रेसलर हल्क का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली। डब्लयूडब्ल्यूई के स्टार रेसलर रहे हल्क होगन का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 71 साल के थे। प्राप्त जानकारी के अनसार दौरा पड़ने के बाद हल्क के घर पर डॉक्टर भी पहुंचे थे पर हालात गंभीर होने के कारण उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया पर उनकी जान नहीं बच पायी। .

कुछ ही सप्ताह पहले हल्क होगन की पत्नी ने उन अफवाहों को गलत बताया था कि वह बेहोश हैं। हल्क की पत्नी ने कहा था कि उनका दिल मजबूत है और वह सर्जरी से उबर रहे हैं। वह वो 80 के दशक में प्रशंसकों के लिए एक रियल लाइफ सुपरहीरो जैसे थे। दमदार शरीर, पीला-लाल रंग का कॉस्ट्यूम और उनका स्लोगन उनकी खास पहचान थी. हल्क होगन ने अपने साहस और जुनून के चलते ही हल्कमैनिया का निर्माण किया। शुरुआती दिनों में वह विंस मैकमैहन की राष्ट्रीय विस्तार योजना का चेहरा बने थे। रेसलमेनिया 3 में आंद्रे द जाइंट के खिलाफ उनका मैच आज भी ऐतिहासिक माना जाता है।

हल्क कई बार डब्लयूडब्ल्यूई चैम्पियन रहे। शुरुआती आठ रेसलमेनिया में से सात के आयोजन में हल्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान प्रशंसकों की नजरें उनपर ही रहती थीं। उनकी अपार लोकप्रियता ने पेशेवर कुश्ती को अमेरिकी मनोरंजन में मुख्यधारा में ला दिया।

साल 1996 में विश्व चैम्पियनशिप रेसलिंग में वापसी करके हल्कने दुनिया को हैरान कर दिया था। हल्क इस बार पुराने लाल-पीले रंग के कॉस्ट्यूम की जगह पर काले-सफेद गियर में सामने आए। उनका ये अवतार आज भी रेसलिंग के सबसे चर्चित चेप्टर्स में से एक माना जाता है। पेशेवर कुश्ती पर हल्क होगन का प्रभाव किस कदर रहा है उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्हें डब्लयूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में दो बार शामिल किया गया था।

भारतीय टीम वापसी के लिए आक्रामक क्रिकेट खेले - वॉन

मैनचेस्टर। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है भारतीय टीम को इस सीरीज में वापसी के लिए विराट कोहली की तरह का आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा। वॉन ने कहा कि भारतीय टीम को तीसरे दिन के खेल पर सबसे ज्यादा धयान देना होगा। भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाये हैं। वॉन के अनुसार अगर भारतीय टीम तीसरे दिन के खेल पर नियंत्रण बनाने में सफल रही तो उसे जीत मिल सकती है। साथ ही कहा कि कप्तान शुभमन गिल और टीम के लिए ये दिन अभी या कभी नहीं वाला साबित हो सकता है। उसके पास आक्रामक खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वॉन ने कहा कि, तीसरे दिन ही सीरीज का फैसला तय होगा। अगर इंग्लैंड का तीसरा दिन अच्छा रहा तो वह सीरीज जीत जाएगी। इसलिए भारतीय कप्तान को विराट कोहली वाली आक्रामक मानसिकता के साथ उतरना होगा। वहीं अगर भारतीय टीम टीम सफल रही तो वह सीरीज में बनी रहेगी। भारतीय गेंदबाज हालांकि अब तक इस मैच प्रभावी साबित नहीं हुए हैं क्योंकि वह विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये। इस मैच से डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज भी कुछ खास नहीं दिखे। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी प्रभावित नहीं कर पाये।

इंग्लैंड ने भारत पर हासिल की 186 रन की बढ़त

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 186 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शुक्रवार का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने पहली पारी में सात विकेट 544 रन बना लिए हैं। स्टंप्स के समय बेन स्टोक्स 77 और क्रिस वोक्स चार रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 10 विकेट पर 358 रन बनाए थे।

तीसरे दिन का खेल समाप्त

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 186 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शुक्रवार का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने पहली पारी में सात विकेट 544 रन बना लिए हैं। स्टंप्स के समय बेन स्टोक्स 77 और

क्रिस वोक्स चार रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 10 विकेट पर 358 रन बनाए थे।

इंग्लैंड को सातवां झटका

इंग्लैंड को सातवां झटका मोहम्मद सिराज ने दिया। उन्होंने क्रिस वोक्स को अपना शिकार बनाया। अब लियाम डॉसन (16) का साथ देने एक बार फिर बेन स्टोक्स (66) आ गए हैं। इंग्लैंड को छठा झटका जसप्रीत बुमराह ने दिया। उन्होंने जैमी स्मिथ को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ नौ रन बना पाए। अब लियाम डॉसन का साथ देने क्रिस वोक्स आए हैं।

इंग्लैंड को पांचवां झटका

इंग्लैंड को पांचवां झटका जो रूट के रूप में रवींद्र जडेजा ने दिया। वह 248 गेंदों में 150 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले बेन स्टोक्स रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए थे। उन्होंने 66 रन बनाए। अब जैमी स्मिथ का साथ देने लियाम डॉसन आए हैं।

इंग्लैंड की भारत पर 100 रन की बढ़त

इंग्लैंड ने भारत पर 100 रन की बढ़त हासिल कर ली है। वहीं, बेन स्टोक्स और जो रूट के बीच 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है।

तीसरे सत्र का खेल जारी

तीसरे सत्र का खेल जारी है। जो रूट और बेन स्टोक्स क्रीज पर मौजूद हैं। भारत की नजर इस साझेदारी को तोड़ने पर है।

मुझे भी लगी भी ऋषभ जैसी चोट - पोंटिंग

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की चोट को लेकर कहा है कि वह भी ऐसी मेटास्टार्सल इंजरी का शिकार हुए थे, इसलिए ऋषभ को लेकर उन्हें चिंता हो रही है। पोंटिंग ने कहा कि ऋषभ अपना पैर भी जमीन पर नहीं रख पा रहे थे जिससे पता चलता है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान क्रिस वोक्स की एक गेंद उनके पैर से लग गयी थी। जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से बाहर ले जान पड़ा। पोंटिंग ने कहा कि उनकी की इंजरी ज्यादा गंभीर दिख रही थी क्योंकि वह मुश्किल से भी अपना पैर जमीन पर रख पा रहे थे। पोंटिंग ने कहा, जब तक गोल्फ कार्ट आया तब तक वह 6 से 8 मिनट तक दर्द से परेशान दिखा। तुरंत हुई सुजन भी परेशान करने वाली बात है। मुझे भी मेटास्टार्सल इंजरी हुई थी और वह बहुत छोटी और नाजुक हड्डियां में होती हैं। मेटाटार्सल या मेटाटार्सस बोन पैर के पंजे की उन 5 हड्डियों के समूह को कहते हैं जो एड़ी की हड्डी को उंगलियों और अंगूठों की हड्डियों से जोड़ती हैं। पोंटिंग ने आगे कहा, 'वह अपने पैर पर कोई भी वजन नहीं डाल पा रहा है जो बिल्कुल भी अच्छी बात नहीं है। अगर यह टूटी है तो वह मैच से बाहर हो जाएगा।' इससे उबरने में उसे करीब एक माह से अधिक लगेगा। साथ ही कहा कि इस क्रिकेट का बाहर होना भारतीय टीम के लिए बड़ा डटका है।

भागीदारी न्याय महासम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा

कांग्रेस शासनकाल में जाति जनगणना न कराना मेरी गलती है, इसे ठीक करूंगा

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर अहम बयान दिया है। राहुल गांधी ने माना कि अपनी पार्टी की सरकार के शासनकाल में जाति जनगणना न कराना बड़ी गलती थी। मै अब इसे सुधारना चाहता हूं।

कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित किया गए भागीदारी न्याय महासम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुझे राजनीति करते हुए 21 साल हो गए हैं। जब मैं पीछे देखता हूं और खुद का आत्मनिरिक्षण करता हूं..... मैंने कहां-कहां सही काम किया और कहां कमी रही. तो दो तीन बड़े मुद्दे दिखते हैं। मैंने जमीन अधिग्रहण कानून बनाया, मनरेगा लेकर आया और नियमगिरी की लड़ाई लड़ी। ये काम मैंने ठीक किए। चाहे वह आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बात हो तो मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए, महिलाओं के मुद्दे पर सही नंबर मिले चाहिए।

मुझे ओबीसी की दिक्कत समझ नहीं आई

राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर मैं अपनी कमी की बात करता हूं तो मैंने एक गलती की है, जो ओबीसी वर्ग है उसकी जिस तरह से मुझे रक्षा करनी चाहिए थी, वह मैंने नहीं की। इसका कारण था, आपके जो मुद्दे थे उस समय, मुझे गहराई से समझ नहीं आए। 10-15 साल पहले जो दिक्कतें दलितों के सामने

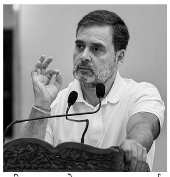

थी वह मुझे समझ आ गई। आदिवासियों के मुद्दे भी आसानी से समझ आ जाते हैं, लेकिन ओबीसी के मुद्दे आसानी से नहीं दिखते हैं, वह छुपे रहते हैं। अगर मुझे आपकी दिक्कतों के बारे में थोड़ा सा भी पता होता तो मैं उसी समय जाति जनगणना करवा देता। यह कांग्रेस की गलती नहीं बल्कि मेरी गलती है। वो मेरी गलती है, जिसे मैं ठीक करने जा रहा हूं। ये एक तरह से अच्छा ही हुआ, क्योंकि अगर उस समय मैंने जातिगत जनगणना करवा दी होती, तो वो आज जैसी नहीं होती। राहुल गांधी ने कहा कि देश में दलित, पिछड़ा, आदिवासी, अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी कुल मिलाकर करीब 90 फीसदी है। लेकिन जब बजट बनने के बाद हलवा बांटा जा रहा था, तो वहां 90 फीसदी की आबादी का कोई नहीं था। देश की 90 फीसदी की आबादी ही प्रोडक्टिव फोर्स है। हलवा बनाने वाले लोग आप हैं, लेकिन हलवा वो खा रहे हैं। हम ये नहीं कह रहे कि वो हलवा न खाएं, लेकिन कम से कम आपको भी तो मिले।

बरसे खरगे

इससे पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 18 साल से ऊपर हमारे जितने भी नौजवान हैं, वो सभी वोटर लिस्ट में आने चाहिए। घर-घर जाकर वोटर्स को मजबूत करो। आज ही चुनाव आयोग का नया नोटिफिकेशन आया है कि एसआईआर सिर्फ बिहार में नहीं, पूरे देश में किया जाएगा। ये गरीबों को खत्म करना चाहते हैं, ओबीसी, एससी/एसटी और महिलाओं को वोटिंग का अधिकार देने के लिए आरएसएस-भाजपा तैयार नहीं थी।

एसआईआर के मुद्दे पर

32,000 कैमरे खराब, 15,000 का अता-पता नहीं, ऑडिट कराएगी रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली । दिल्ली की सीसीटीवी परियोजना, जो कि पिछली आप सरकार ने लागू की थी, अब भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण जांच में घेर गई है। कुल 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से अधिक काम नहीं कर रहे हैं और 15,000 से अधिक अभी तक लगे नहीं हैं। कई खबरों में, स्वीकृत कैमरों की संख्या से काफी कम कैमरे लगे है। इतना ही नहीं आप सरकार के दौरान स्थापित किए गए 2.64 लाख कैमरों में से 32,000 से अधिक कैमरे काम नहीं कर रहे हैं और 15,000 से अधिक कैमरे अभी तक लगाए ही नहीं गए हैं, जबकि उन्हें परियोजना के तहत स्थापित होना था। आप सरकार के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों में, स्वीकृत संख्या से कम कैमरे लगाए गए हैं। जिससे इस पूरी योजना पर सवाल खड़े हो रहे है। इन गंभीर कमियों के जवाब में, वर्तमान में रेखा गुप्ता सरकार ने परियोजना का व्यापक तकनीकी ऑडिट

कराने की घोषणा की है। इस ऑडिट का उद्देश्य कमियों का पता लगाना और जवाबदेही तय करना है।

बात दें कि 19 मार्च को, दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र जैन के खिलाफ इस परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया। एसीबी का आरोप है कि कथित तौर पर 16 करोड़ रुपये के क्षतिपूर्ति मुआवजे को मनमाने ढंग से माफ करने के लिए 7 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई थी। सीसीटीवी लगाने में देरी के बावजूद, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को परियोजना के तहत 1.4 लाख कैमरों के अतिरिक्त ऑर्डर मिले। रिश्वत उन ठेकेदारों के माध्यम से दी गई, जिन्हें इन अतिरिक्त ऑर्डरों से लाभ हुआ।

एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना घटिया तरीके से पूरी की गई, जिसमें कई कैमरे हस्तांतरण के समय ही खराब थे। इसके अलावा, विभिन्न विक्रेताओं से जुड़ी रिश्वत को समायोजित करने के लिए भुगतान को कृत्रिम रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। एसीबी पहले ही बीईएल के एक अधिकारी से पूछताछ कर चुकी है, जिसने आरोपों की पुष्टि की है। पीडब्ल्यूडी और बीईएल के दस्तावेजों की आगे की जांच की जा रही है।

भारत और मालदीव के संबंधों की जड़ें इतिहास से भी पुरानी हैं

नई दिल्ली। मालदीव के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह साल भारत और मालदीव अपने राजनयिक संबंधों के साथ 60 साल मना रहे हैं, लेकिन हमारे संबंधों की जड़ें इतिहास से भी पुरानी है और समुद्र जितनी गहरी है। उन्होंने कहा कि हम केवल पड़ोसी नहीं हैं, सहयात्री भी हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ वार्ता के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। मालदीव भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और महासागर विजन में अहम स्थान रखता है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद मित्र होने पर भी गर्व है। आपदा हो या महामारी भारत हमेशा से फर्स्ट रेस्पॉडर बनकर साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि असेंशियल कमोडिटी उपलब्ध कराने की बात हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है। हमारे लिए दोस्ती पहले है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी डवलपमेंट पार्टनरशिप को नई उड़ान देने के लिए हमने मालदीव के लिए 565 मिलियन डॉलर यानी करीब 5000 करोड़ रुपये की ऋण सहायता देने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी आर्थिक साझेदारी को गति देने के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। निवेश को गति देने के लिए, हम द्विपक्षीय निवेश संधि को फाइनल करने पर बातचीत करेंगे। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर भी बातचीत शुरू हो गई है। हमारा लक्ष्य है फ्रॉम पेपर वर्क टू प्रोस्पेरिटी।

सीएम फडणवीस बोले- मुंबई बम ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का स्टे सराहनीय निर्णय

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई बम ब्लास्ट, 2006 मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्टे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दिया है, क्योंकि लोअर कोर्ट के जजमेंट में सही अपराधियों को सजा दी गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगाया है, जो बहुत सही कदम है। उन्होंने जेएनयू में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज विशेष सुरक्षा एवं सामरिक अध्ययन केंद्र की आधारशिला रखी और कुसुमाग्रज विशेष मराठी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति केंद्र का उद्घाटन किया। दोनों केंद्रों की स्मारक शिला पट्टिकाओं का भी अनावरण किया गया। इसके बाद पत्रकारों से बात

करते हुए उपरोक्त बातें कहीं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि जेएनयू में छत्रपति शिवाजी महाराज, जिन्होंने इस देश में स्वराज की शुरुआत की, के नाम से अध्ययन केंद्र शुरू हो रहा है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है। भारत की समुद्री शक्ति को सबसे पहले पहचानने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज थे। उन्होंने हमारे समुद्र किनारे किले बनाए और ऐसी तटबंध खड़ी की कि दुश्मन अंदर नहीं आ पाए। उनके जमाने में अंग्रेज और पुर्तगाली यहां आने से डरते थे। शिवाजी एक दृष्टा के रूप में जो एक प्रकार से सामरिक चिंतन करते थे, उसी का अध्ययन इस केंद्र में होगा। इससे पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल मराठियों के लिए एक आदर्श हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा के शाश्वत स्रोत हैं। यूनेस्को द्वारा उनके अद्वितीय सामरिक नियोजन और स्थापत्य कला को मराठा सैन्य परिदृश्य के रूप में मान्यता प्रदान करना और उनके 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल करना अत्यंत गौरव की बात है।

बिहार में एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर बीजेपी-जेडीयू की बैठक... सहयोगी दलों को खुश करने का पूरा प्लान बीजेपी के पास तैयार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीटों के बंटवारे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बीच बातचीत चल रही है, जिसमें चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर), जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के लिए सीटें तय की जा रही हैं।

एनडीए सूत्रों के मुताबिक, कुल 243 विधानसभा सीटों में से 201 से 205 सीटें बीजेपी और जेडीयू आपस में लड़ेंगी। शेष 38 से 42 सीटें अन्य तीन सहयोगी दलों के लिए छोड़ी जाएंगी। दोनों के बीच सहमति बनी है कि जेडीयू बीजेपी से एक सीट ज्यादा लड़ेगी। अगर बीजेपी 101 सीट लड़ती है, तब जेडीयू 102 लड़ेगी। वहीं 2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 और बीजेपी ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

इसके साथ ही चिराग पासवान 30 सीटों के साथ एक राज्यसभा सीट की भी मांग कर रहे हैं, जिससे उनकी मां रीना पासवान को सांसद बनाया जा सके। इसपर बीजेपी ने चिराग के लिए 18 से 22 सीटों का प्रस्ताव रखा है। अगर उन्हें एक राज्यसभा सीट मिलती है, तब सीटों की संख्या में कुछ और कमी की जा सकती है। इतना ही नहीं उपमुख्यमंत्री पद भी इस डील का हिस्सा हो सकता है, इसके लिए चिराग अरुण भारती का नाम आगे बढ़ा सकते हैं। चिराग खुद मुख्यमंत्री से नीचे के किसी पद के लिए तैयार नहीं हैं। वहीं एनडीए में बिहार में एक ओर सहयोगी जीतनराम मांझी (हम) 2020 से ज्यादा सीटों की मांग कर रहे हैं। बीजेपी उन्हें 7 से 9 सीटों के दायरे में देख रही है। इसके लिए बीजेपी मांझी को याद दिला सकती है कि उन्हें इकलौते सांसद होने के बावजूद बड़ा कैबिनेट मंत्रालय मिला है और उनके बेटे संतोष सुमन को राज्य में मंत्री बनाया गया है। बीजेपी के इस प्रस्ताव पर केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के प्रमुख मांझी का तर्क है कि पासवान की तुलना में मुसहर जाति का वोट ट्रांसफर रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बाद उपेंद्र कुशवाहा (आरएलएम) जिनकी पार्टी को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिली, उन्हें भी बीजेपी 7 से 9 सीटों के दायरे में रख रही है। एनडीए में पिछले कई दिनों से चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है, जिससे वे अधिक सीटों की जिद न करें।

शाहाबाद क्षेत्र को चुनाव से पहले साधना एनडीए की प्राथमिकता है, क्योंकि 2020 और 2024 दोनों चुनावों में इस क्षेत्र में उन्हें निराशा हाथ लगी थी। मुकेश सहनी के बारे में यह संभावना है कि वे आखिरी मौके पर भी पाला बदल सकते हैं। इसलिए, एनडीए में सीटों का अंतिम बंटवारा तब तक नहीं हो सकता, जब तक विपक्षी महागठबंधन में पार्टियां अपनी सीटों का हिसाब-किताब न कर लें। 2020 में सहनी तेजस्वी यादव की प्रेसवार्ता से निकलकर एनडीए में शामिल हो गए थे, और तब बीजेपी ने अपने कोटे की 11 सीटें उन्हें दी थीं।

कर्नाटक में फिर घमासान

डीके शिवकुमार के साथ कर्नाटक सीएम सिद्धरमैया दिल्ली रवाना

बेंगलुरु। धुआं तभी उठता है जब आग होती है। कर्नाटक कांग्रेस में सियासी आग को ढंकने की कोशिशों के बीच धुआं उठता लोगों को दिखने लगा है। जहां एक तरफ कांग्रेस की सरकार में सब कुछ ठीक होने का दावा किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अफरातफरी का महौल बना हुआ है। खबरें है कि कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यकाल पूरा करने को लेकर केवल इसी बात की चर्चा हो रही है कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे या नहीं जबकि वह एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। इस बीच, सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री व मुख्यमंत्री पद के एक और दावेदार डीके शिवकुमार एक बार फिर दिल्ली रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में सिद्धरमैया अब कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित मुख्यमंत्री बनने के करीब

हैं। वह वरिष्ठ नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब हैं देवराज उर्स 2700 से अधिक दिनों तक मुख्यमंत्री बने रहे थे।

वैसे तो सिद्धरमैया बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या वह तथाकथित 'रोटेशनल फॉर्मूले' के तहत डीके शिवकुमार के लिए पद छोड़ देंगे। शिवकुमार को डीकेएस कहा जाता है। जून माह के बाद से दोनों नेता तीसरी बार दिल्ली गए हैं, जबकि कांग्रेस की राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद को लेकर असहज शांति व्याप्त है। राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान दोनों नेता (सिद्धरमैया व शिवकुमार) कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिल सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व के आदेश के बाद इस बार विधायकों ने मुख्यमंत्री के बदलने के संबंध में खुलकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हालांकि, अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस बात की अटकलें काफी समय से लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदले जा सकते हैं। यह चर्चा सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने के समझौते को लेकर है।

रिलायंस समूह ईडी के रडार पर : मुंबई और दिल्ली में छापेमारी के बाद कंपनी ने सभी आरोपों से किया इनकार

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी ने अनिल अंबानी से जुड़ी रिलायंस समूह की कुछ कंपनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को मुंबई और दिल्ली में कुल 35 जगहों पर अचानक छापेमारी की गई और कंपनी से जुड़ी कुछ वित्तीय अनियमितताओं की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि इन छापों में करीब 50 कंपनियां और 25 व्यक्ति ईडी के रडार पर हैं। ईडी ने रिलायंस समूह के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज दो वित्तीय मामलों में मनी लॉन्ड्रिंग मामले (पीएमएलए) में ईसीआईआर दर्ज की है। इसके अलावा, ईडी ने इस संबंध में राष्ट्रीय आवास बैंक, सेबी, एनएफआरए और बैंक ऑफ बड़ौदा से भी जानकारी हासिल की है। जांच जारी है क्योंकि प्रारंभिक जांच में संदेह है कि बैंकों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ धोखाधड़ी करके सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया।

क्या है मामला

यस बैंक में कथित बड़ी वित्तीय अनियमितताओं की जानकारी सामने आ रही है। 2017 से 2019 के बीच लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण वितरण के आरोप हैं। आरोप है कि बिना किसी वित्तीय सत्यापन के ऋण वितरित किया गया, इसके अलावा ऋण स्वीकृत करते समय अनियमित तरीकों का इस्तेमाल किया गया, ऋण स्वीकृति के लिए, आवश्यक क्रेडिट अप्रूवल मेमो को गलत तारीखों के साथ तैयार किया गया और बिना किसी वित्तीय सत्यापन के ऋण वितरित किया गया। सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के संबंध में ईडी को अपनी अलग रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट में, जाँच एजेंसी ने कहा है कि यह समझ से परे है कि कॉर्पोरेट ऋण जोखिम 2017-18 में 3742.6 करोड़ रुपये से अचानक बढ़कर 2018-19 में 8670.8 करोड़ रुपये कैसे हो गया। रिलायंस समूह ने गुरुवार देर रात एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ईडी के खिलाफ अपना पक्ष रखा है। रिलायंस ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ के फैसले से ट्रायल कोर्ट के जजों को राहत

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की सामंती सोच पर तगड़ा प्रहार : ट्रायल कोर्ट के जज शूद्र और अधीनस्थ नहीं

जबलपुर। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जिला अदालतों में पदस्थ जजों के साथ सामंतों की तरह व्यवहार करते हैं। उनके कामों में अनावश्यक हस्तक्षेप पैदा करते हैं। हाईकोर्ट के जजों द्वारा उनके ऊपर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। जिसके कारण जिला न्यायालय में पदस्थ जज अपने कर्तव्यों का निष्पक्ष और निर्भीक तरीके से पालन नहीं कर पाते हैं।

यह टिप्पणी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के दो सदस्यों की खंडपीठ न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन एवं न्यायमूर्ति दिनेश कुमार पालीवाल ने की। हाईकोर्ट और जिला न्यायालयों के जजों के बीच में जिस तरह के रिश्ते देखने को मिलते हैं। उस पर खंडपीठ ने गंभीर टिप्पणी की है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ में भोपाल के एससी/ एसटी कोर्ट के न्यायाधीश जगत मोहन चतुर्वेदी द्वारा याचिका दायर की गई थी। उन्हें एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने के आरोप में बर्खास्त किया गया था। इस मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने फैसला दिया है। याचिका करता जज को अलग सोचने और आरोपी को जमानत देने के कारण दंडित किया गया है। खंडपीठ ने बर्खास्तगी को गलत बताते हुए बर्खास्त जज को सेवा समाप्ति की तारीख से सेवा निवृत्त होने तक का बकाया वेतन, 7 फीसदी ब्याज, पेंशन और अन्य सेवा लाभ देने का आदेश दिया है। जज को बर्खास्तगी के फैसले से हुई मानसिक छति और सामाजिक अपमान के लिए 500000 रूपये का मुआवजा दिए जाने के आदेश खंडपीठ ने दिए हैं।

जिला जजों के साथ शूद्रों जैसा व्यवहार?

खंडपीठ ने हाईकोर्ट जजों के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा, वह जिस तरीके से जिला जजों के साथ मिलते हैं। हाईकोर्ट के जज जिला न्यायालय में पदस्थ जजों के साथ जिस तरह का व्यवहार करते हैं। जैसे वह उनका अधीनस्थ हो,या किसी काम के लिए गिडगिड़ाने के लिए आया हो उसे कभी बैठने के लिए नहीं कहा जाता है। जज के रूप में सम्मान नहीं दिया जाता है। हाईकोर्ट के जज उससे अपेक्षा करते हैं। रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत करें। जलपान की व्यवस्था कराये। जिला जजों द्वारा दिए गए फैसले पर हाई कोर्ट के जज जिस तरीके से व्यक्तिगत टिप्पणी करते हैं। उससे जिला जजों का मनोबल खत्म होता है। इसका असर जिला न्यायालयों की कार्यवाही में दिख रहा है। अब वह जमानत भी नहीं देते हैं। कहीं उन पर कोई आरोप ना लग जाए। हाईकोर्ट का डर और भय अब उसे निष्पक्ष और निर्भीक न्याय करने से डराने लगा है। जिस केस में जिला जज को बर्खास्त किया गया है। वह हाईकोर्ट की मानसिकता को दर्शाता है। जिलों में पदस्थ न्यायाधीश अब डरकर काम कर रहे हैं। जिसके कारण न्याय प्रक्रिया को लेकर आम आदमी को परेशानी हो रही है। जिला न्यायालयों से लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। जमानत जैसे मामलों में हाईकोर्ट तक दौड़ना पड़ रहा है। जिले में काम कर रहे न्यायाधीशों की स्वतंत्रता भय के कारण लगभग खत्म हो गई है। जिसका असर ट्रायल कोर्ट के फैसलों में दिख रहा है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ के इस फैसले से जिला न्यायालय मे पदस्थ न्यायाधीश की स्वतंत्रता और आत्म विश्वास को बढ़ाएगी। हाईकोर्ट के भय से मुक्त करेगी। इस फैसले के बाद वह स्वतंत्र रूप से सही फैसले कर पायेंगे। हाईकोर्ट जजों के लिए भी यह फैसला उसकी सोच को बदलने में सहायक होगा। यह सही है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हो सकती है। उन्हें महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है।

भारतीय शराब उत्पाद इंडस्ट्री में हड़कंप

नई दिल्ली । भारत सरकार ने ब्रिटेन के साथ ट्रेड डील को फाइनल किया है। इस समझौते के अनुसार ब्रिटेन की शराब भारत में बड़े मात्रा में आयात की जाएगी। भारत सरकार ने ब्रिटेन की स्काच व्हिस्की पर लगने वाले टैक्स को 150 फीसदी से घटकर 75 फीसदी कर दिया है। आने वाले सालों में यह ड्यूटी और भी कम होगी।

इस ट्रेड डील के बाद भारत की शराब उत्पादन करने वाली कंपनियों में हड़कंप मच गया है। भारतीय निर्माताओं का कहना है, विदेश से आयातित शराब सस्ती होगी। निर्माता कंपनियों को भारतीय बाजार में शराब बेचने के लिये राज्य सरकारों के ऊपर निर्भर रहना पड़ता है। राज्य सरकारों को नीलामी के जरिए करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त होता है। जिसके कारण भारत मे निर्मित अंग्रेजी शराब पर दोहरी मार पड़ेगी।

पहले से ही भारत मे शराब का उत्पादन महंगा है। विदेश से आयातित शराब सस्ती होने के कारण यह शराब भारतीय बाजारों में उपलब्ध होगी। एयरपोर्ट में फ्री ड्यूटी की मिलने वाली शराब भी भारतीय निर्माताओं के लिए बड़ी मुश्किल पैदा करेगी।

भारतीय शराब निर्माताओं का कहना है। भारत में सबसे ज्यादा व्हिस्की का चलन है। भारत में स्कॉच की हिस्सेदारी मात्र तीन फीसदी की है। जब ब्रिटेन की स्काच सस्ती होगी। उसके बाद यहां व्हिस्की का मार्केट और उत्पादन दोनों ही कम होगा। जिसके कारण भारतीय शराब निर्माताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

महाभियोग मामले में सीजेआई गवई को ये जिम्मेदारी सौंप सकते हैं लोकसभा अध्यक्ष बिरला

नई दिल्ली। सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग मामले की जांच के लिए गठित होने वाली समिति के गठन में अहम भूमिका निभाएंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तीन सदस्यीय जांच समिति के लिए सीजेआई गवई से सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश और एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नामों की सिफारिश करने का अनुरोध कर सकते हैं। दरअसल यह प्रथा है कि जब महाभियोग प्रस्ताव सदन में पहुंचता है, तब लोकसभा अध्यक्ष द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर पैनल में शामिल होने वाले न्यायाधीशों के नामों पर सुझाव मांगे जाते हैं।

जल निगम में आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 98 हजार रुपए की ठगी

युवक ने कोतवाली पुलिस में की शिकायत, पुलिस ने मामला किया दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों एक युवक की शिकायत पर भरवेली पुलिस द्वारा पैसे लेकर वन विभाग में नौकरी लगाने के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की गई थी । इसके बाद अब कोतवाली थाने में भी जल निगम में आउटसोर्स से नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 98 हजार रूपये की ठगी करने की एक शिकायत दर्ज हुई है। जिसमें पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध करते हुए मामले को जांच में लिया गया हैं। जिसमें हीरापुर निवासी सुमित ब्रम्हे ने वारासिवनी निवासी एक युवक को जल निगम में नौकरी लगाने के नाम पर नियुक्ति पत्र देते हुए लाखों रुपए की ठगी को अंजाम दिया है ।

आपको बता दे कि बीते दिनों भरवेली पुलिस द्वारा सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर पैसे लेने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए। आरोपियों का पर्दाफाश किया था। जिसके बाद अब सरकारी नौकरी और प्राइवेट नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी के शिकार हुए पीड़ित अब धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं, जिसमें वारासिवनी के कोचेवाही के अशोक कुमार परिहार ने कोतवाली पुलिस से शिकायत करते हुए सुमित ब्रम्हे द्वारा जल निगम आउटसोर्स कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर 4.98 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। इस शिकायत के बाद इस रैकेट के दूसरे राज्यों ही नहीं, बालाघाट में भी कई लोगों के शिकार होने की संभावना बढ़ गई है। कोतवाली पुलिस ने धारा 318 (4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दे कि अशोक पिता दीनदयाल परिहार उम्र 38 वर्ष, ग्राम कोचेवाही थाना वारासिवनी का रहने वाला हैं । बी.सी.ए. की पढ़ाई किया हुआ हैं । वर्तमान में खेती किसानी का काम करता हैं। 15 मार्च को हनुमान चौक बालाघाट में अशोक चाय पी रहा था , तभी वहां एक व्यक्ति अन्य लड़कों के साथ नौकरी लगाने की बात कर रहा था। जिससे अशोक ने बात किया और नाम पूछा तो उन्होने अपना नाम सुमित ब्रम्हे निवासी भरवेली का बताया और कहा की वह जल निगम आऊटसोर्स कम्पनी में सुपरवाईजर का काम करता हैं । आपको यदि जल निगम आऊटसोर्स कम्पनी में नौकरी करना हो तो 5 लाख रूपये लगेंगे मैं तुम्हे विकलांग कोटे से कलर्क के पद पर नौकरी लगवा दूंगा इस प्रकार बात करने के बाद 17 मार्च को सुमित ने अपने मोबाईल नंबर से फोन करके अशोक को हनुमान चौक फल दुकान के पास बुलवाया वहीं पर सुमित ब्रम्हे ने मार्कशीट और अन्य दस्तावेजों की फोटोकापी लिया और चला गया। उसके बाद सुमित ने अलग-अलग माध्यम फोन पे और बैंक अकाउंट के माध्यम से 4 लाख 98 हजार रुपए ले लिए और बताया कि तुम्हारी नौकरी जल निगम में आउटसोर्स कंपनी क्लर्क के पद पर लग गई है । उन्होंने बाकी पैसे लेने के बाद जॉइनिंग लेटर भी मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित के नाम से दिया और कहा की वह जल निगम कार्यालय बालाघाट में जाकर जॉइनिंग लेटर देकर कार्यालय में बाबू से जॉइनिंग ले सकते हैं । जब उनके द्वारा बालाघाट स्थित जल निगम कार्यालय में जॉइनिंग लेटर दिखाया गया। तब वहां के बाबू द्वारा बताया गया कि यह जॉइनिंग लेटर फर्जी है। तब उन्हें पता चला कि उनके साथ सुमित द्वारा गलत तरीके से नौकरी लगाने के नाम पर पैसा लिया गया है । जिसकी शिकायत उन्होंने कोतवाली थाने में की है । जिस पर कोतवाली पुलिस ने इस पूरे मामले को जांच में लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस इस विषय को लेकर जल्द ही खुलासा करने की बात कह रही हैं ।

विशेष भर्ती को लेकर बोले पुलिस अधीक्षक, सोशल मीडिया पर किया जा रहा भर्ती को लेकर भ्रामक प्रचार

विशेष सहयोगी दस्ता भर्ती है पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और विकास को मजबूती देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा विशेष सहयोगी दस्ता के 755 पदों पर भर्ती की जा रही है । जिसमें पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा बताया गया कि इन दिनों सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में कुछ लोग इस विशेष सहयोगी दस्ता भर्ती को लेकर भ्रमित प्रचार कर रहे हैं । इसको लेकर उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय है । इसमें किसी भी अभ्यर्थियों का नाम सार्वजनिक नहीं किया जाएगा । जो इस भर्ती को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहा है । उनके बहकावे में कोई भी ना आए और सभी अपने विवेक से इस भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित हो। उन्हें बड़ी संख्या में इस भर्ती को लेकर आवेदन मिल रहे हैं। आपको बता दे की मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विशेष रूप से विशेष सहयोगी दस्ता के अंतर्गत युवक युवतियों के 755 पदों पर भर्ती की जा रही है। जिसमें कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। बल्कि यह केवल शारीरिक दक्षता एवं साक्षात्कार के आधार पर ही इसमें चयन किया जाएगा ।इस भर्ती के लिए 18 जुलाई से ही आवेदन आमंत्रित की प्रक्रिया शुरू हो गई है , जो 7 अगस्त तक चलेगी इसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवक युतियों को ही सम्मिलित किया गया है । जिसमें बैहर , लांजी, बिरसा , किरनापुर , परसवाड़ा विकासखंड सम्मिलित है । इस विषय को लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि बीते कुछ दिनों से जानकारी मिल रही है कि इस भर्ती को लेकर युवक , युतियों में कुछ लोग भ्रामक प्रचार कर रहे हैं । इस भर्ती को असुरक्षित बता रहे हैं। जबकि यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित है। और इसमें पूरी सुरक्षा के साथ युवक युतियों की भर्ती ली जा रही है । सभी के नाम गोपनीय रखे गए हैं। इसमें किसी का नाम और किसी का पता सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। जबकि इसको लेकर बड़ी संख्या में संबंधित विकासखंड से युवक युतियों के आवेदन भी पुलिस को मिल रहे हैं । इसलिए उन्होंने अभ्यर्थियों से आवाहन किया है कि वह किसी के बहकावे में न जाए और वह अपने संबंधित थाने से ही इसकी जानकारी और फार्म ले सकते हैं । यह भर्ती पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह भर्ती नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले युवक युतियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। जिसके माध्यम से वह अपने ही क्षेत्र में रहकर नौकरी कर सकते हैं। क्योंकि ऐसी नॉर्मल भर्तीयों में नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अभ्यर्थी पीछे रह जाते हैं। किंतु इस बार उन्हें इस भर्ती में शामिल होने के लिए एक सुनहरा अवसर मिला है।

आवश्यकता है
संस्थान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक के समीप, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

घर से खेत जाने निकला कृषक का शव तालाब से बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खोलवा अपने घर से खेत जाने निकला एक कृषक का शव इसी ग्राम के तालाब से बरामद किया गया। मृतक चुन्नीलाल पिता जग्गूलाल धुर्वे 52 वर्ष की तालाब में फिसलने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। बैहर पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चुन्नीलाल के अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी शकुन धुर्वे, बड़ा बेटा पालसिंह धुर्वे और छोटा बेटा देवसिंह धुर्वे है। वे भी खेती किसानी करते हैं। चुन्नीलाल धुर्वे का खेत गांव से कुछ ही दूरी पर है और इन दिनों कृषि कार्य चल रहा था। बताया गया है कि 24 जुलाई को 4:00 बजे करीब चुन्नीलाल धुर्वे अपने घर से खेत जाने के लिए निकला था किंतु शाम को और रात्रि में चुन्नीलाल धुर्वे घर वापस नहीं आया जिसकी परिजनों ने रात्रि में गांव मोहल्ले में खोजबीन किये। किंतु चुन्नीलाल धुर्वे नहीं मिला जिसके गुम होने की रिपोर्ट बैहर पुलिस थाना में की गई थी। 25 जुलाई को सुबह से ही चुन्नीलाल धुर्वे की खोजबीन उसके परिवार के लोग कर रहे थे। इसी दौरान 1 बजे करीब गांव समीप तालाब में चुन्नीलाल धुर्वे का शव पानी में उतराते हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना बैहर पुलिस थाना में दी गई। बैहर पुलिस ने ग्राम खोलवा पहुंचकर तालाब से चुन्नीलाल धुर्वे का शव बाहर निकलवाए और शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की जा रही है कि तालाब की पार से खेत जाते या फिर खेत से घर जाते समय चुन्नीलाल धुर्वे पार से फिसल गया जिसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई।बैहर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर आगे जांच कर रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट